@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 9 दिसंबर 2023

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 9 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएफआई कैडर के खिलाफ चार्जशीट दायर

हैदराबाद, 8 दिसंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने तेलंगाना के निजामाबाद में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) द्वारा युवाओं को भर्ती करने और उन्हें आतंक और हिंसा को अंजाम देने के लिए प्रशिक्षित करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। आरोपी की पहचान नोसाम मोहम्मद यूनुस के तौर पर की गई है। एजेंसी के प्रवक्ता ने कहा, युनूस एक प्रशिक्षत पीएफआई कैडर है, जो 2047 तक भारत में इस्लामिक शासन स्थापित करने की पीएफआई की साजिश को अंजाम देने के उद्देश्य से मुस्लिम युवाओं को उकसाने में लगा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, एनआईए ने पाया कि आरोपी, युवाओं को हथियार प्रशिक्षण देने और उन्हें आतंक के लिए उकसाने में शामिल था। वह युवओं को गले, पेट और सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में हमला कर अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए घातक हथियारों के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दे रहा था। पिछले साल जून में निजामाबाद जिले में वीआई टाउन पुलिस ने मामला दर्ज किया था, लेकिन एनआईए ने इस मामले को अपने पास ले लिया। उन्होंने सबसे पहले पिछले साल दिसंबर में 11 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर किया था। इसके बाद मार्च में पांच आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर किया गया था। अब इस मामले में नोसाम मोहम्मद यूनुस 17वां आरोपी है, जिसके खिलाफ एनआईए ने चार्जशीट दायर किया है।

सवाल के बदले रिश्वत के आरोप में महुआ की सांसदी गई

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 8 दिसंबर। तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई है। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों की जांच कर रही संसद की आचार समिति की रिपोर्ट सौंपने के बाद लोकसभा में यह फैसला लिया गया है। इस रिपोर्ट में महुआ की सांसदी खत्म करने की सिफारिश की गई थी। इससे पहले 15 अक्तूबर में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने महुआ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। दुबे के अनुसार, यह शिकायत सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहादराई द्वारा मुहैया कराए गए सबूतों के आधारित थी। आइये जानते हैं कि पैसे लेकर सवाल पूछने का पूरा मामला क्या है? महुआ पर आरोप किसने लगाए हैं? मामले में निशिकांत दुबे और जय अनंत देहादराई की भूमिका क्या है? मामले में आचार समिति की रिपोर्ट क्या आई? महुआ की सदस्यता क्यों गई? अब आगे क्या होगा? तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और उनके खिलाफ लोकसभा स्पीकर से शिकायत कर जांच की मांग की। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे। लोकसभा स्पीकर को लिखे अपने पत्र

में दुबे ने कहा था कि उन्हें वकील और महुआ के पूर्व दोस्त जय अनंत का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने मोइत्रा और जाने-माने बिजनेस टाइकून दर्शन हीरानंदानी के बीच सवाल पूछने के लिए रिश्वत के आदान-प्रदान के सबूत साझा किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जय ने एक विस्तृत शोध किया है जिसके आधार पर उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि हाल ही में, मोइत्रा ने संसद में उनके द्वारा पूछे गए कुल 61 में से लगभग 50 प्रश्न दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी के व्यावसायिक हितों को बचाने के लिए थे। हालांकि, महुआ मोइत्रा ने जय अनंत का जिक्र करते हुए कहा कि आरोप झूठ पर आधारित थे। आरोप यह भी है कि कारोबारी हीरानंदानी अलग-अलग स्थानों से एवं अधिकतर दुबई से सवाल पूछने के लिए मोइत्रा की 'लॉगइन आईडी' का इस्तेमाल करते थे। इन आरोपों के सामने आने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ने पूरा मामला आचार समिति के पास भेज दिया था। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले की जांच करने वाले लोकसभा की आचार समिति ने 2 नवंबर को पूछताछ की थी। वहीं 9 नवंबर को एक बैठक में भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली समिति ने रिश्वत लेकर सवाल पूछने के मामले में मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की सिफारिश करते हुए अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। कांग्रेस सांसद परनीत कौर सहित समिति के छह सदस्यों ने रिपोर्ट के पक्ष में मतदान किया था। जबकि विपक्षी दलों से जुड़े समिति के चार सदस्यों ने असहमति नोट प्रस्तुत किए थे। विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट को फिक्स्ड मैच करार दिया और कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा दायर शिकायत के समर्थन में कुछ भी सबूत पेश नहीं किया गया।

हमें दहेज प्रथा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना होगा: आरिफ मोहम्मद खान

नई दिल्ली, 8 दिसंबर। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शुक्रवार को दहेज प्रथा के खिलाफ व्यापक जागरूकता का आह्वान किया। उन्होंने इस दौरान कहा कि केवल कानून और हलफनामे से समस्या का समाधान नहीं होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि लड़कियों को भावनात्मक रूप से लचीला बनाना माता-पिता की जिम्मेदारी है। उन्हें दहेज की बुराईयों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सरकारी मेडिकल कॉलेज की छात्रा शहाना ने दहेज उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर ली थी। आरोप है कि मंगेतर ने दहेज के कारण शादी करने से मना कर दिया था। जिसके कारण शहाना तनाव में थी, जिसके बाद छात्रा ने आत्महत्या कर ली। अदालत ने आरोपी मंगेतर रुवैस को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। छात्रा के घर पहुंचने के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने पत्रकारों से कहा कि हमें लोगों के बीच अधिक जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। यह माता-पिता, शिक्षकों, समाज की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री के उस बयान का समर्थन करता हूं जिसमें उन्होंने कहा था कि युवा महिलाओं को उन प्रस्तावों को अस्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जहां दहेज की मांग की जाती है। इस प्रथा के संबंध में जनता की राय बदलनी होगी। उन्होंने कहा कि हमारे पास 18 कानून हैं। अकेले कानून ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। हमें दहेज जैसी बुरी प्रथाओं के खिलाफ सामाजिक प्रतिबंध लगाने होंगे। साथ ही लोगों को अधिक जागरूक करना होगा।

कांग्रेस सांसद के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी में मिले 200 करोड़ कैश

तेजिन्दर कौर बब्बर

रांची, 8 दिसंबर। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू और उनके करीबियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी में 200 करोड़ रुपये कैश बरामद किए गए हैं। गौरतलब है कि छापेमारी में 9 अलमारियां नोटों से भरी पाई गईं और नोटों को गिनने के लिए मशीनें मंगवानी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 200 करोड़ रुपये की गिनती हो चुकी है और अभी भी नोटों की गिनती चल रही है। ऐसे में जब्त रकम अभी और बढ़ सकती है। बता दें कि धीरज साहू एक बड़े उद्योगपति हैं और शराब बनाने वाली कंपनी बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज से जुड़े हैं। आयकर विभाग ने ग्रुप के झारखंड-ओडिशा और बंगाल के 10 ठिकानों पर छापेमारी की। आयकर विभाग ने बलदेव साहू कंपनी के बोलांगीर स्थित कार्यालय से 30 किलोमीटर दूर सतपुड़ा ऑफिस में छापेमारी में 200 करोड़ रुपये कैश बरामद किए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नोटों के बंडल ऑफिस की नौ अलमारियों में भरे रखे थे। नोट 500, 200 और 100 रुपये को गड्डियों में रखे थे। इतनी बड़ी संख्या

में कैश मिलने के बाद आयकर विभाग की टीम ने मशीनों से नोट गिनकर 157 बैगों में भरा, जब बैग कम पड़ गए तो बोरियों में नोट भरे गए और उसके बाद एक ट्रक में डालकर इन्हें बैंक ले जाया गया। बता दें कि बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज पश्चिमी ओडिशा की सबसे बड़ी देशी शराब निर्माता और विक्रेता कंपनियों में से एक है। इस कंपनी में कांग्रेस सांसद धीरज साहू के अलावा उनके परिवार के राजकिशोर साहू, स्वराज साहू और परिवार के अन्य सदस्य शामिल हैं। ओडिशा का कारोबार उनके भाई संजय साहू और दीपक साहू संभालते हैं। बता दें कि धीरज साहू के परिवार के स्वामित्व वाले इस ग्रुप में बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड (बीडीपीएल) के अलावा बलदेव साहू इंफ्रा लिमिटेड, क्वालिटी बॉटलर्स और किशोर प्रसाद-विजय प्रसाद बेवरेज लिमिटेड कंपनियां शामिल हैं। आयकर विभाग ने इन सभी कंपनियों को ठिकानों पर छापेमारी की है। बलदेव साहू इंफ्रा लिमिटेड फ्लाई ऐश ब्रिक्स बनाने का काम करती है और बाकी तीन कंपनियां शराब कारोबार से जुड़ी हैं। आयकर विभाग की 40 सदस्यों वाली टीम ने बुधवार सुबह साढ़े छह बजे से ओडिशा के बौध, बोलांगीर, रायगढ़ा और संबलपुर, झारखंड के रांची-लोहरदगा और कोलकाता में एक साथ छापेमारी की गई।

कमलनाथ ने हाईकमान को दी सफाई

नई दिल्ली, 8 दिसंबर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय में हुई इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, दिग्विजय सिंह समेत राज्य के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में मध्यप्रदेश के नए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के नाम को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इससे पहले बुधवार को कमलनाथ ने प्रत्याशियों से हार-जीत की रिपोर्ट दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपी। इस दौरान राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। दरअसल, प्रदेश कांग्रेस कमलनाथ ने विधानसभा चुनाव लड़े सभी पार्टी प्रत्याशियों से चुनाव की पूरी समीक्षा कर वैज्ञानिक ढंग से विश्लेषण करने को कहा है कि वे क्यों हारे और क्यों जीते। सभी प्रत्याशियों से 15 दिसंबर तक अलग-अलग रिपोर्ट भेजने को कहा है। इस रिपोर्ट को राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे को सौंपा जाएगा। अब तक मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे डॉ. गोविंद सिंह भी चुनाव में हार गए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे, इस बात की संभावना भी बहुत कम है। ऐसे में दोनों पदों पर जातीय समीकरण के आधार पर नए चेहरों की नियुक्ति की संभावना ज्यादा है, क्योंकि चार महीने बाद लोकसभा चुनाव है। इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी फैसला लेगी। पार्टी के पुराने इतिहास को देखते हुए कहा जा सकता है कि कमलनाथ भी प्रदेश कांग्रेस के पद से इस्तीफा दे सकते है। 2003, 2008 और 2013 के विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष राधाकिशन मालवीय, सुरेश पचौरी और कांतिलाल भूरिया ने भी इस्तीफा दिया था।

विभिन्न हाईकोर्ट में 112 जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी: कानून मंत्री

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 7 दिसंबर। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को राज्यसभा में जानकारी देते हुए बताया कि देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों में 112 जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। कानून मंत्री ने कहा कि न्यायपालिका में शीर्ष जजों की नियुक्ति एक सहयोगात्मक और एकीकृत प्रक्रिया है, जिसमें कार्यपालिका और न्यायपालिका शामिल होती हैं। इसमें विभिन्न संवैधानिक अथॉरिटीज से मंजूरी और सलाह की जरूरी होती है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान कानून मंत्री ने यह जानकारी दी। मेघवाल ने कहा कि हाईकोर्ट जजों के मंजूर पद 1114 हैं, जिनमें से 790 पद भरे हुए हैं और 234 खाली हैं। विभिन्न हाईकोर्ट कॉलेजियम ने कुल 292 जजों के नामों की सिफारिश की थी, जिनमें से 110 नाम मंजूर हो गए हैं और 112 नामों पर चर्चा चल रही है। मेघवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में 34 जजों के पद स्वीकृत हैं और फिलहाल सभी भरे हुए हैं। कानून मंत्री ने ये भी बताया कि नरेंद्र मोदी सरकार में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जजों की संख्या बढाई गई है। उन्होंने कहा कि यूपीए की सरकार में हाईकोर्ट में 906 जजों के पद थे और सुप्रीम कोर्ट में 31 पद थे।

महंत बालकनाथ को राजस्थान में मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

रोहतक (हरियाणा), 8 दिसंबर। हरियाणा के रोहतक में स्थित अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ के महंत बाबा बालकनाथ राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हैं। इसके अलावा भी उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। महंत के अनुयायियों को एक फोन कॉल का इंतजार है, जब दिल्ली या जयपुर से बड़ी जिम्मेदारी मिलने की कॉल आए। अभी से मठ में देसी घी के लड्डू व दूसरी मिठाइयां बनना शुरू हो गई हैं। बाबा मस्तनाथ विवि की कार्यवाहक उप कुलाधिपति डॉक्टर अंजना राव से अमर उजाला ने विशेष बातचीत की और विवि के

कुलाधिपति व मठ के गद्दीनशीन महंत बाबा बालकनाथ की दिनचर्या के बारे में जाना। कुलाधिपति डॉक्टर अंजना राव ने बताया कि महंत बालकनाथ के पिता किसान हैं। वह दो भाई हैं, महंत बालकनाथ बड़े हैं। बचपन से ही उनको मंदिर व गुरुओं के पास जाने का शौक रहा है। छह साल की उम्र में महंत बालकनाथ अपने गुरु महंत चांदनाथ के पास आ गए थे। महंत चांदनाथ जब बीमार थे, उनकी देखभाल महंत बालकनाथ ने ही की थी। उनको आध्यात्मिक, शैक्षणिक व सामाजिक जीवन में तालमेल बनाकर चलना होता है। हर रोज रात तीन बजे से मठ में आरती शुरू हो जाती है। रात को चाहे महंत बालकनाथ कितनी भी देरी से आए हों, लेकिन समय पर उठकर आरती करते हैं। इसके बाद विवि के कामकाज का ब्योरा लेते हैं, साथ ही साधु-संतों से मिलने के साथ आम लोगों के बीच रहते हैं। उन्होंने बताया कि महंत बालकनाथ अभी राजस्थान सरकार के गठन में व्यस्त हैं। बाबा मस्तनाथ मठ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से लेकर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत तक आ चुके हैं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो लगातार आते रहे हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, बाबा रामदेव, जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य अवधेशानंद सहित संत समाज के लोग अक्तूबर में मठ में आए थे। राजस्थान की सियासत का केंद्र बिंदु बने मस्तनाथ मठ के महंत बाबा बालकनाथ के भव्य स्वागत की तैयारी शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री विजयन, बेटी वीणा और यूडीएफ नेताओं को नोटिस

तिरुवनंतपुरम, 8 दिसंबर। केरल हाईकोर्ट ने आईटी फर्म लेन-देन मामले में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, उनकी बेटी वीणा और कई यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) नेताओं को नोटिस जारी किया है। अदालत ने निजी खनिज कंपनी और उसकी आईटी कंपनी के बीच कथित वित्तीय लेनदेन के मामले में इन लोगों से जवाब मांगा है। शुक्रवार को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति के बाबू की पीठ ने नोटिस जारी किया। आईटी फर्म लेन-देन मामले में जिन लोगों को नोटिस जारी किया गया है, उनमें कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता- पी के कुन्हालीकुट्टी और वी के इब्राहिम कुंजू भी शामिल हैं। इनके साथ-साथ मुख्यमंत्री की बेटी- वीणा की कंपनी एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस समेत अन्य लोगों को भी नोटिस जारी किया गया है। पत्रकारों ने शुक्रवार को जब मुख्यमंत्री विजयन से उच्च न्यायालय के नोटिस के बारे में पूछा तो विजयन ने इस सवाल को खारिज कर दिया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उन्हें इसके बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि हाईकोर्ट ने नोटिस उन्हें जारी किया है। इसी बीच, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय उनके आरोपों पर गौर नहीं कर रहा है। उन्होंने वाम दल और सीएम विजयन पर साठगांठ के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि इनका भाजपा के साथ सौदा है। उच्च न्यायालय गिरीश की एक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इसमें विशेष सतर्कता अदालत, मुवत्तुपुझा के आदेश को चुनौती दी गई थी। निचली अदालत ने कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और वीणा की फर्म के बीच लेनदेन की मांग खारिज कर दी थी।

ममता बनर्जी पर ठुमके वाली टिप्पणी को लेकर उलझे गिरिराज सिंह

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 8 दिसंबर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भाग लेने पर राजनीतिक बवाल मच गया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो में भाजपा सांसद गिरिराज सिंह यह कहते नजर आए कि बनर्जी का फिल्म फेस्टिवल में ठुमका लगाना उचित नहीं है। इस पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सासंद महुआ मोइत्रा सहित तृणमूल नेताओं ने कड़ा विरोध जताया तो गिरिराज ने खुद का बचाव कर कहा कि उन्होंने ठुमका नहीं बल्कि जश्न शब्द का इस्तेमाल किया था। दरअसल, कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (केआईएफएफ) के 29वें संस्करण के उद्घाटन सत्र के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के साथ नृत्य करती दिखी थीं। इस पर भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से आलोचना करते हुए कहा था कि सीएम जश्न मना रही हैं, ठुमके लगा रही हैं, यह उचित नहीं है। फेस्टिवल में ठुमके लगाना कौन सा जरूरी है। इस बयान के सामने आने के बाद टीएमसी नेताओं ने कड़ा विरोध जताया। तो गिरिराज सिंह ने एक पोस्ट जारी कर खुद का बचाव किया। सिंह ने कहा, आप मेरा ट्वीट देख सकते हैं, मैंने कहा है कि ममता दीदी, जो राज्य भ्रष्टाचार से पीड़ित है और जहां गरीबों का अधिकार

छीना जा रहा है, वहां आप जश्न मना रही है। क्या जश्न कहना ठुमका है? ञ्रस्ष्ट के लोग इस मुद्दे को उठाकर लोगों में भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। यह कहना मेरा अधिकार है कि वहां गरीबी है, बेरोजगारी है, भ्रष्टाचार है और मुख्यमंत्री फिल्म फेस्टिवल में थी। इस पर टीएमसी ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें गिरिराज सिंह ठुमका बोल रहे हैं और हरकत करते दिख रहे हैं। पोस्ट में कहा गया है कि इस वीडियो से पता चलता है कि वह न केवल दो बार ठुमका शब्द बोल रहे हैं, बल्कि ऐसे इशारे भी कर रहे हैं, जिससे इनकार नहीं किया जा सकता है। उनका इनकार करना भाजपा की शर्मनाक आचरण में शामिल होने और फिर भारी सबूतों की परवाह किए बिना बेशर्मी से बचाव करने की रणनीति का एक और सटीक उदाहरण है। वहीं, महुआ मोइत्रा ने कहा, वे अपने नाम के पहले शाणडिल्य लिखते हैं तो दिनकर जी की एक कविता है जिसमें वे कहते हैं, जिस पापी को गुण नहीं; गोत्र प्यारा है, समझो, उसने ही हमें यहां मारा है। भारत अपने घर में ही हार गया है, तो ऐसे मंत्री जो एकमात्र महिला मुख्यमंत्री के लिए ऐसा कह सकते हैं, इसलिए आज भारत का यह हाल है। भाजपा के मंत्री नारी द्वेषी है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए लेकिन वे माफी नहीं मांगेगे। उन्होंने आगे कहा, गिरिराज सिंह ने कल कहा था कि ममता बनर्जी को क्या जरूरत थी ठुमके और जश्न मनाने की, तो वो नहीं बताएंगे क्या जरूरी है क्या नहीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी विवाद में फैसला रखा सुरक्षित

प्रयागराज, 8 दिसंबर। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को ज्ञानवापी मस्जिद और विश्वेश्वर मंदिर विवाद मामले में सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है। लगातार चल रही सुनवाई के दूसरे दिन कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वे कराए जाने के आदेश पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। इस दौरान सिविल वाद की पोषणीयता को लेकर भी सवाल खड़े हुए। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा पारित किए आदेश का हवाला भी दिया गया। सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और अंजुमने इंतजामियां मसाजिद की ओर से दाखिल याचिका पर न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की खंडपीठ सुनवाई कर रही थी। दोनों याचियों की ओर से वाराणसी की जिला अदालत में 1991 में दाखिल सिविल वाद की पोषणीयता और ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वे कराए जाने की मांग को चुनौती दी गई है। केस स्थानांतरित होने के बाद इस मामले की सुनवाई कर रही तीसरी कोर्ट ने तीन तिथियों में पूरी बहस सुन ली। शुक्रवार से पहले इस मामले में बृहस्पतिवार और पांच दिसंबर को सुनवाई हुई थी। दो दिनों से लगातार बहस जारी रही। मस्जिद पक्ष की ओर से जहां सिविल वाद की पोषणीयता पर सवाल उठाए गए और तर्क दिए गए कि यह पूजा स्थल अधिनियम-1991 और सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश सात और नियम 11 से प्रतिबंधित हैं। वहीं, हिंदू पक्ष की ओर से कहा गया कि यह अधिनियम इस मामले में लागू नहीं होता है। दोनों पक्षों की ओर से अपने-अपने तर्कों की पुष्टि के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट के दर्जनों केसों का हवाला दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन, अधिवक्ता विजय शंकर रस्तोगी और अजय कुमार सिंह ने पक्ष रखा और मस्जिद पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी और पुनीत गुप्ता ने बहस की। कहा गया कि हाईकोर्ट से स्थगन आदेश के बावजूद वाराणसी की जिला अदालत को सर्वे का आदेश पारित नहीं करना चाहिए था। अब उस आदेश के तहत ज्ञानवापी परिसर का सर्वे हो चुका है। दुबारा सर्वे की जरूरत नहीं है। हिंदू पक्ष की ओर से दलील दी गई कि अगर राखी सिंह की ओर से यह वाद वापस ले लिया जाता है तो परेशानी होगी। लिहाजा, इस केस में भी सर्वे होना चाहिए। यह भी तर्क दिया गया कि राखी सिंह के केस के तहत परिसर के जितने हिस्से का सर्वे हुआ है।

नवाब मलिक को लेकर क्यों भिड़े भाजपा और अजित गुट

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 8 दिसंबर। महाराष्ट्र में इन दिनों पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी नेता (शरद गुट) नवाब मलिक के मुद्दे पर घमासान मचा हुआ है। दरअसल, इस घटनाक्रम की शुरुआत 7 दिसंबर को विधानसभा में मलिक के सत्ता पक्ष की तरफ बैठने से हुई। इससे कयास लगाए जाने लगे कि मनी लांड्रिंग मामले में जेल जा चुके मलिक एनसीपी (अजित गुट) में शामिल हो रहे हैं। इस पर भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने अजित पवार को एक खुला खत लिखा, जिसमें नवाब को महायुति में शामिल न करने की बात कही गई। अब सार्वजनिक चिट्ठी को लेकर एनसीपी नेताओं ने आपत्ति जता दी है, जिससे पूरा मामला गरमा गया है। आइये जानते हैं कि नवाब मलिक के मुद्दे पर महाराष्ट्र में क्या हो रहा है? भाजपा ने मलिक के गठबंधन में शामिल होने के खबरों पर क्या कहा है? अजित गुट वाले एनसीपी ने भाजपा की चिट्ठी पर क्या जवाब दिया? विपक्ष इस मामले को कैसे देख रहा है? दरअसल, 7 दिसंबर से महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ था, जिसमें एनसीपी नेता नवाब मलिक शामिल हुए। इस दौरान वह विधानसभा में सत्ता पक्ष की तरफ अजित पवार गुट के विधायकों के साथ बैठ गए। इसके बाद से कयास लगाए जाने लगे कि नवाब मलिक अजित पवार गुट में शामिल होने जा रहे हैं। बता दें कि नवाब मलिक अगस्त महीने में जेल से बाहर आए हैं। इससे पहले ईडी ने पिछले साल फरवरी में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मलिक की गिरफ्तारी की थी। मलिक पर एजेंसियों का आरोप है कि उन्होंने मुंबई में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके साथियों के साथ कथित तौर पर पैसों का लेनदेन किया। मलिक पर यह भी आरोप है कि उन्होंने दाऊद इब्राहिम गैंग की जमीनें सस्ते दामों पर

खरीदीं। 18 महीने जेल में रहने के बाद 23 अगस्त 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें खराब सेहत के आधार पर जमानत दी थी। नवाब मलिक के भाजपा नीत महायुति में शामिल होने के कयासों के बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के दूसरे डिप्टी सीएम अजित पवार को पत्र लिखा। इस पत्र में फडणवीस ने सलाह दी कि अजित पवार को नवाब मलिक को अपनी पार्टी में शामिल नहीं करना चाहिए। फडणवीस ने पत्र में लिखा, आपकी पार्टी में कौन शामिल होगा, कौन नहीं, इसका फैसला करने का अधिकार आपका है लेकिन मुझे लगता है कि नवाब मलिका को पार्टी में शामिल करने से गठबंधन को नुकसान हो सकता है। महाविकास अघाड़ी की सरकार में नवाब मलिक मंत्री थे और गिरफ्तारी के बावजूद मंत्री बने रहे थे लेकिन हमारा गठबंधन महाविकास अघाड़ी की तरह नहीं है। फडणवीस ने पत्र में उल्लेख किया, नवाब मलिक विधायक हैं और विधानसभा सत्र में शामिल होना उनका अधिकार है। हमारी किसी से निजी दुश्मनी नहीं है, लेकिन हम नवाब मलिक को गठबंधन में शामिल करने का विरोध करेंगे। भाजपा नेता फडणवीस द्वारा अजित पवार को लिखे गए सार्वजनिक पत्र के बाद विपक्षी नेताओं समेत सरकार में शामिल एनसीपी (अजित गुट) की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। राज्य के डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि वह पहले नवाब मलिक के पक्ष को जानने के बाद अपना जवाब देंगे। वहीं, एनसीपी (अजित पवार गुट) के एमएलसी अमोल मितकारी ने कहा कि फडणवीस को अपना मत निजी तौर पर रखना चाहिए न कि किसी सार्वजनिक मंच पर। मितकारी ने कहा, ऐसे पत्र की कोई जरूरत नहीं थी और जो भी करना था वह व्यक्तिगत रूप से करना चाहिए था। यह पत्र अब वायरल हो रहा है। जैसा कि नवाब मलिक से जुड़ा पत्र पहले है लिखा जा चुका है तो, अजित पवार इसका विधिवत जवाब देंगे।

राष्ट्रपति बाइडेन के बेटे हंटर को ग्रैंड जूरी ने कर चोरी का दोषी ठहराया

वाशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडेन के पुत्र हंटर बाइडेन को अब कर चोरी के मामले में दोषी ठहराया गया है। अमेरिका के प्रमुख अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार कैलिफोर्निया में एक ग्रैंड जूरी ने 56 पन्नों के अभियोग पर सुनवाई की। अखबार के अनुसार ग्रैंड जूरी ने हंटर को मूल्यांकन की चोरी, कर दाखिल करने और भुगतान करने में विफलता और धोखाधड़ी वाले कर रिटर्न दाखिल करने के आरोप में दोषी ठहराया है। फिलहाल इस

पर व्हाइट हाउस की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले हंटर बाइडेन पर गन मामले में फंस चुके हैं।इस पर व्हाइट हाउस ने प्रतिक्रिया दी थी कि अगर हंटर को दोषी ठहराया जाएगा तो बाइडेन उन्हें माफ नहीं करेंगे।

काठमांडू एयरपोर्ट पर 14 किलोग्राम सोना बरामद, नहीं रुक रही तस्करी

काठमांडू। नेपाल में सोने की तस्करी रुक नहीं पा रही। काठमांडू में दो दिन पहले तस्करी कर लाए गए आठ किलोग्राम सोने की जांच चल ही रही थी कि रात 14 किलो सोने की तस्करी का एक नया मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि गुरुवार रात 11:56 बजे फ्लाई दुबई की फ्लाइट एफजेड 573 से काठमांडू उतरे गोरखा जिला निवासी चंद्र बहादुर घले को गिरफ्तार कर लिया गया है। कस्टम टीम ने घले के पास से 14 किलोग्राम सोना बरामद किया गया है। साथ ही घले से पूछताछ के आधार पर काठमांडू के धुम्बाराही इलाके से मीन बहादुर घले को भी हिरासत में लिया गया है।

डेनमार्क में किसी भी धार्मिक ग्रंथ का अनादर करना गैरकानूनी कृत्य, संसद में कानून पारित

कोपेनहेगन। डेनमार्क में किसी भी देश के पवित्र ग्रंथ का अपमान करना गैरकानूनी बनाया गया है। डेनमार्क की संसद ने इस संबंध में एक नया कानून पारित किया है। यह कानून ऐसे समय पारित किया है, जब हाल में इस्लाम विरोधी कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से कुरान का अपमान करने की घटना के बाद कई देशों में प्रदर्शन किए गए। स्कैंडिनेवियाई राष्ट्र को एक ऐसे स्थान के रूप में देखा जाता है जो अन्य देशों की संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं का अनादर करता है। न्याय मंत्रालय ने कहा है कि कानून का उद्देश्य 'सुनियोजित तरीके से आयोजित अनादर की घटनाओं' का मुकाबला करना है, जिसने अन्य बातों के अलावा, डेनमार्क में आतंकवाद के खतरे को बढ़ाया है। संसद ने इसे 77 के मुकाबले 94 मतों से मंजूर किया जबकि आठ सांसद अनुपस्थित रहे। नया कानून ''किसी समुदाय के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथ या वस्तु का अनादर करना'' अपराध बना देगा। कला के तहत अभिव्यक्ति को कुछ शर्तों के साथ प्रतिबंध के दायरे से बाहर रखा गया है।

हमास से लड़ाई में भारतीय मूल के एक इजराइली सैनिक की मौत

यरुशलम। इजराइल और हमास के बीच गाजा पट्टी में संघर्ष के दौरान भारतीय मूल के इजराइली सैनिक की मौत हो गई। भारतीय यहूदी विरासत केंद्र के हवाले से यह जानकारी दी है। जानकारी के अनुसार मास्टर सार्जेंट (रिटायर्ड) गिल डेनियल की गाजा में हमास के आतंकियों ने हत्या कर दी। वह अशदोद के रहने वाले थे जहां बुधवार को उनका अंतिम संस्कार एक सैन्य कब्रिस्तान में किया गया। वहीं, इजराइली रक्षा बलों ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हमास के साथ लड़ाई के दौरान मारे गए दो और सैनिकों में गिल भी शामिल थे। भारतीय यहूदी विरासत केंद्र ने कहा कि हमास के साथ जारी युद्ध में इजराइल ने अभी तक कई सैनिकों को खो दिया है। हम इजराइल सेना की एक और सैनिक की मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हैं। केंद्र के मुताबिक, गाजा में युद्ध शुरू होने के तुरंत बाद गिल 10 अक्टूबर को रिजर्व में गए थे। मालूम हो कि गिल ने हिब्रू यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मेसी से मास्टर डिग्री हासिल की थी।

मालूम हो कि इजराइली हमले में अब तक 16,248 लोग मारे गए हैं, जिसमें 7,112 बच्चे और 4,885 महिलाएं शामिल हैं। वहीं, इजराइल ने कहा है कि हमास ने 100 से अधिक बंधकों को वापस किया है लेकिन 138 लोग अभी भी उसके कब्जे में हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इजरायली सेना के प्रवक्ता डेनाइल हगरी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इन्हें छुड़ाने का आग्रह किया।

बगदाद में अमेरिकी दूतावास के पास विस्फोट, गाजा में इजराइल के दो सैनिक शहीद

बगदाद/गाजा। इराक की राजधानी बगदाद में आज (शुक्रवार) तड़के करीब चार बजे किलेबंदी वाले शांति क्षेत्र में अमेरिकी दूतावास के पास तेज विस्फोट हुआ है। इजराइल के प्रमुख अखबार द यरुशलम पोस्ट के अनुसार विस्फोट के बाद काफी समय तक चेतावनी सायरन बजते रहे। इस बीच इजराइल के दो सैनिक गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान शहीद हो गए। इसकी पुष्टि इजराइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने की है। द यरुशलम पोस्ट के अनुसार इस विस्फोट पर दूतावास ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। फिलहाल किसी भी सशस्त्र समूह ने अमेरिकी दूतावास के पास हुए विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर के मध्य से अब तक इराक और सीरिया में सैन्य ठिकानों और अमेरिकी बलों को 70 से अधिक हमलों का सामना करना पड़ा है। इनकी जिम्मेदारी इराकी शिया मुस्लिम सशस्त्र

समूह के एक संगठन ने ली है। द यरुशलम पोस्ट के अनुसार आईडीएफ ने कल (गुरुवार) गाजा पट्टी में युद्ध में शहीद हुए दो सैनिकों के नामों का खुलासा किया है। साथ ही उनके परिवारों को इसकी सूचना दी है। आईडीएफ ने कहा है कि फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास के साथ छिड़े युद्ध में तिबरियास के 41 वर्षीय मेजर कोबी द्राश और यरुशलम के 28 वर्षीय मेजर इयाल मीर बर्कोविट्ज उत्तरी गाजा पट्टी में युद्ध में शहीद हो गए। इस अखबार ने कहा है कि एंटी डिफेमेशन लीग (एडीएल) के रब्बीनिक फेलो और हार्वर्ड डिवाइनिटी स्कूल के विजिटिंग स्कॉलर रब्बी डेविड वोल्पे ने शुक्रवार सुबह एक्स पर एक पोस्ट में घोषणा की कि उन्होंने हार्वर्ड में यहूदी विरोधी सलाहकार समिति से इस्तीफा दे दिया है।

इजराइल के दूसरे प्रमुख अखबार द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार फिलिस्तीनी कवि रेफैट अलारेर की गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान मौत हो गई। कवि मोसाब अबू तोहा ने फेसबुक पर अपलोड पोस्ट में यह जानकारी देते हुए अपना दुख साझा किया है। अलालेर उत्तरी गाजा में रह रहे थे। अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार इजराइल ने हमास पर 'मानवीय क्षेत्रों' से रॉकेट दागने का आरोप लगाया है। हमास के आतंकियों ने राफा के शिविरों से 14 रॉकेट दागे हैं। उल्लेखनीय है कि आज गाजा पट्टी में युद्ध के 63वें दिन घमासान मचा हुआ है।

इजराइली सुरक्षा बलों और हमास के आतंकियों के बीच भीषण लड़ाई चल रही है।

फिलीपींस : रविवार के स्कूल विस्फोट से जुड़े मामले में एक संदिग्ध गिरफ्तार

मनीला। फिलीपींस के सुरक्षा बलों ने रविवार को एक विश्वविद्यालय के जिम में हुए बम विस्फोट से जुड़े एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई थी और 50 अन्य घायल हो गए थे। एक सैन्य प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। फिलीपींस के सशस्त्र बल के

सार्वजनिक मामलों के प्रमुख ज़ेरक्स त्रिनिदाद ने पुरुष संदिग्ध को 'सहयोगियों में से एक' करार दिया। उन्होंने संदिग्ध की गिरफ्तारी के विवरण के बारे में विस्तार से नहीं बताया। अधिकारियों ने पहले रुचि रखने वाले दो लोगों की पहचान की थी जिन्होंने कथित तौर पर मिंडानाओ द्वीप पर मरावी शहर में मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी के जिम के अंदर एक सीट के नीचे विस्फोटक रखा था। विस्फोट में कैथोलिक सेवा में भाग लेने वाले सैकड़ों छात्रों और शिक्षकों को निशाना बनाया गया।

रूसी विदेशी खुफिया सेवा प्रमुख की चेतावनी, यूक्रेन के लिए अमेरिका बन जाएगा दूसरा वियतनाम

मॉस्को। अमेरिका के लिए यूक्रेन दूसरा वियतनाम बन जाएगा। यह चेतावनी रूस के विदेशी खुफिया सेवा प्रमुख (एसवीआर) के प्रमुख सर्गेई नारीशकिन ने दी है। सर्गेई ने अमेरिका और पश्चिमी देशों का यूक्रेन का समर्थन आने वाले वर्षों में वाशिंगटन को परेशान करेगा। ज्ञात रहे कि पिछले साल (2022) की शुरुआत में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था, जो अभी तक जारी है। इस युद्ध में अभी तक हजारों लोगों की मौत हुई है और व्यापक पैमाने पर नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम ने यूक्रेन को अब तक 246 अरब डॉलर से अधिक की सहायता और व्यापक पैमान पर हथियार दे चुका है। बावजूद इसके यूक्रेन को ही नुकसान पहुंचा है। एवीआर प्रमुख ने अमेरिकी मदद को लेकर कहा कि यूक्रेन अधिक से अधिक संसाधनों को अवशोषित करने वाला 'ब्लैक होल' बन जाएगा। उन्होंने कहा कि आखिरकार, अमेरिका अपने लिए 'दूसरा वियतनाम' बनाने का जोखिम

उठा रहा है। सर्गेई नारीशकिन ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन को इससे निपटने के लिए कदम उठाना होगा।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने चेतावनी दी कि अगर नाटो और रूस का सीधा टकराव होता है, तो तीसरे विश्व युद्ध शुरू हो सकता है। वहीं, बार-बार यूक्रेन में अमेरिकी सैनिकों को भेजने से इनकार किया है। इससे पहले जो बाइडन ने रिपब्लिकन से यूक्रेन के लिए नए सिरे से सैन्य सहायता बढ़ाने का अनुरोध किया। बाइडन ने कहा कि अगर पुतिन यूक्रेन को जीत लेते हैं, तो वह वहां नहीं रुकेंगे। बाइडन ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि पुतिन, नाटो सहयोगी देशों पर हमला करेंगे।

इज़रायल की सेना ने गाजा में दर्जनों फ़िलिस्तीनियों को किया गिरफ़्तार

गाजा। इजरायली सेना ने उत्तरी गाजा पट्टी के बेत लाहिया शहर में कार्रवाई के दौरान दर्जनों फिलिस्तीनियों को गिरफ्तार कर लिया। फिलिस्तीनी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने 'शिन्हुआ' को बताया कि इजरायली सैनिकों ने बेइत लाहिया में आवासीय इलाकों पर हमले के दौरान गिरफ्तारियां कीं।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि इजरायली सैनिकों ने पूछताछ के दौरान जानबूझकर बंदियों के कपड़े उतार दिए। इज़रायली सेना ने भी पुष्टि की कि उसके सैनिकों ने गाजा पट्टी में घुसपैठ के दौरान दर्जनों फिलिस्तीनी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। एक अन्य घटनाक्रम में इजरायली सेना ने घोषणा की कि कुछ दिन पहले एक इजरायली लड़ाकू विमान ने गाजा पट्टी में सभी टोही अभियानों के लिए जिम्मेदार

हमास के सैन्य खुफिया प्रमुख अब्देल अजीज अल-रंतीसी को मार गिराया। अभी तक हमास ने इज़रायली दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

इज़राइल पर 7 अक्टूबर को हमास के अचानक हमले के जवाब में इज़रायल गाजा में बड़े पैमाने पर हवाई हमले और जमीनी हमले कर रहा है।

प्रधानमंत्री प्रचण्ड के खिलाफ अवमानना मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 5 जनवरी तक फैसला टाला

काठमांडू। प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड के खिलाफ सात साल पुराने अदालत के अवमानना मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपना अंतिम फैसला एक बार फिर टाल दिया है। दो महीने पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने 07 दिसम्बर को इस मामले में फैसला सुनाने की तारीख मुकर्रर की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने गत 24 सितम्बर को अदालत अवमानना मामले का पुरानी फाइल खोलते हुए 07 दिसम्बर को अंतिम फैसला सुनाने की तारीख तय की थी। प्रधानमंत्री प्रचण्ड के खिलाफ दायर इस रिट पर आज ही फैसला आना था लेकिन आज सुप्रीम कोर्ट ने 05 जनवरी 2024 तक के लिए इस फैसले को स्थगित कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश ईश्वर प्रसाद खतिवडा और कुमार रेग्मी की संयुक्त बेंच इस मामले की सुनवाई करते हुए 7 दिसम्बर को फैसले का दिन निश्चित किया था लेकिन आज इन्हीं दोनों न्यायाधीशों ने फैसले को टाल दिया। प्रचण्ड के खिलाफ अवमानना मामले में रिट दायर करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी ने अदालत पर जानबूझकर फैसले में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया है। यह मामला 2016 का है जब प्रचण्ड ने एक सार्वजनिक

कार्यक्रम में अदालत के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था। माओवादी पार्टी के अध्यक्ष समेत रहे प्रचण्ड ने अपनी पार्टी के कुछ नेताओं के खिलाफ फैसला सुनाने को लेकर टिप्पणी करते हुए अदालत पर शांति प्रक्रिया को भंग करने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। प्रचण्ड ने उस समय कहा था कि सुप्रीम कोर्ट माओवादी के खिलाफ है और राजनीतिक दलों के साथ हुए विस्तृत शांति समझौते को तोड़ने के भयंकर षडयंत्र में सक्रिय है। प्रचण्ड ने ऐसे ही एक अन्य कार्यक्रम में कहा था कि यदि इसी तरह अदालत उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करता रहा और फैसले सुनाता रहा तो माओवादी पार्टी उनके किसी फैसले को नहीं मानेगी और अदालत के खिलाफ सड़कों पर जनअदालत चलाएगी जिसमें सभी न्यायाधीशों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। न्यायाधीशों को धमकी देते हुए प्रचण्ड ने यहां तक कह दिया था कि माओवादी पार्टी के लड़ाकुओं ने बंदूक रखा है, चलाना नहीं भूला है। प्रचण्ड के इसी अभिव्यक्ति के खिलाफ अधिक्ता दिनेश त्रिपाठी ने अवमानना का मुकदमा दायर किया था। सुप्रीम कोर्ट में पिछले सात सालों से यह मुकदमा लम्बित है। उम्मीद थी कि इस पर आज फैसला आ सकता है लेकिन फैसला को एक महीने के लिए स्थगित कर दिया गया। नेपाल के कानून के मुताबिक यदि प्रचण्ड दोषी करार दिए जाते हैं तो उनका प्रधानमंत्री का पद स्वतः चला जाएगा।

भारतीय मूल के मैनेजर पर आरोप, फुटबॉल टीम के दो करोड़ डॉलर चुराकर खरीदी लग्जरी कारें

वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के मैनेजर पर आरोप लगा है कि उसने अमेरिका के फुटबॉल क्लब को दो करोड़ 20 लाख डॉलर का चूना लगाया है। आरोप है कि मैनेजर ने धोखाधड़ी कर फुटबॉल क्लब के करोड़ों डॉलर अपने शौक पूरे किए। आरोपी ने धोखाधड़ी कर फुटबॉल क्लब के पैसों से अपने लिए लग्जरी कारें और अन्य सामान खरीदा। आरोपी की पहचान अमित पटेल के रूप में हुई है, जो अमेरिका के जैक्सनविले जगुआर फुटबॉल क्लब के वित्तीय मैनेजर थे।

क्या हैं अमित पटेल पर आरोप

अमित पटेल 2018 में फुटबॉल क्लब का वित्तीय मैनेजर बने थे और अगले पांच सालों तक इस पद पर रहे। इस साल फरवरी में क्लब ने आरोपी को नौकरी से निकाल दिया था। जैक्सनविले के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में जो दस्तावेज पेश किए गए हैं, उनके मुताबिक अमित पटेल पर आरोप है कि वह क्लब के अकेले प्रशासक थे और उन्होंने टीम के लिए सामान खरीदने के लिए इस्तेमाल होने वाले वर्चुअल क्रेडिट कार्ड प्रोग्राम का इस्तेमाल निजी खरीद के लिए किया।

जुए की लत के चलते डूबा पैसा!

पटेल ने क्लब के पैसों से

अपने लिए टेस्ला मॉडल 3 सेडान कार, एक निसान पिकअप ट्रक, 95 हजार डॉलर की एक लग्जरी घड़ी और निवेश के लिए क्रिप्टोकरेंसी खरीदी। एफबीआई इस मामले की जांच कर रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी के वकील एलेक्स किंग ने कहा है कि उनका मुवक्किल अपने किए के लिए शर्मिंदा है और अपने किए के लिए माफी मांगता है। वकील ने बताया कि पटेल को जुए की लत है और उसने जुए की लत के चलते ही क्लब में पैसों की धोखाधड़ी की और जुए में हारी रकम को चुकाने के लिए फुटबॉल क्लब के पैसों का इस्तेमाल किया।

'बेरुत को गाजा बना देंगे, अगर...', इस्राइली पीएम ने लेबनान-हिजबुल्ला को दी धमकी

तेल अवीव। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने धमकी दी है कि अगर हिजबुल्ला ने दक्षिणी लेबनान से इस्राइल के खिलाफ दूसरा मोर्चा खोलने की कोशिश की तो वह बेरुत को गाजा में तब्दील कर देंगे। नेतन्याहू ने कहा कि 'अगर हिजबुल्ला ने तय कर लिया है कि वह युद्ध करेगा तो वह अपने हाथों से बेरुत और दक्षिणी लेबनान को गाजा और खान यूनिस में तब्दील कर देंगे।' बेंजामिन नेतन्याहू इस्राइली सेना के नॉर्दर्न कमांड के मुख्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने हिजबुल्ला को यह धमकी दी। बता दें कि इस्राइली सेना की नॉर्दर्न कमांड ही हिजबुल्ला के हमलों का जवाब देती है और लेबनान बॉर्डर पर सुरक्षा करती है। बता दें कि हमास के 7 अक्तूबर के हमले के बाद इस्राइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है, जिसमें अभी तक गाजा पट्टी में 17,177 लोगों की मौत हो चुकी है, इनमें 7 हजार बच्चे शामिल बताए जा रहे हैं। वहीं हमास के हमले में इस्राइल में 1400 लोगों की मौत हुई थी और 240 लोगों को बंधक बनाया गया था।इस्राइली सेना उत्तरी गाजा में अपना ऑपरेशन चला चुकी है, जिसमें बड़ी संख्या में हमास के आतंकियों को मारने का दावा किया जा रहा है। अब इस्राइली सेना गाजा के दक्षिणी हिस्से पर फोकस कर रही है। वहीं लेबनान के कट्टरपंथी संगठन हिजबुल्ला ने हमास का समर्थन किया है। इसके चलते आए दिन हिजबुल्ला की तरफ से इस्राइल पर हमले किए जा रहे हैं और इस्राइली सेना भी इसके जवाब में लेबनान की सीमा में हमले कर रही है। अब अगर इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच खुलकर लड़ाई शुरू हो जाती है तो फिर पश्चिम एशिया में हालात काफी खराब हो सकते हैं।

रिश्वत लेने के आरोपों में घिरे जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव, बोले- अभी इस्तीफा देने का कोई इरादा नहीं

टोक्यो। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोकाजू मात्सुनो पर अपनी ही पार्टी द्वारा फंडरेजिंग इवेंट के दौरान 10 मिलियन येन की रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है। मात्सुनो सत्तारूढ़ पार्टी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के सबसे बड़े गुट से ताल्लुक रखते हैं। इन आरोपों पर मात्सुनो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनका इस्तीफा देने का कोई इरादा नहीं है। मात्सुनो ने कहा, मैं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्य का पालन करुंगा। उन्होंने बताया कि उनका गुट फिलहाल आरोपों से जुड़े

तथ्यों की पुष्टि करने में जुटा हुआ है। अभियोजकों ने शिकायत के बाद रिश्वत घोटाले की जांच शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा गुट समेत पांच एलडीपी नेताओं के खिलाफ फंडरेजिंग पार्टियों से अपना राजस्व कम बताने का आरोप लगाया गया है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बेघर अतिक्रमणकारी ने पहले की भारतीय मूल के मोटेल मालिक की हत्या, फिर खुद को कमरे में कैद कर मारी गोली

वाशिंगटन। अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में 46 वर्षीय भारतीय मूल के मोटेल मालिक को एक बेघर अतिक्रमणकारी ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी ने खुद को भी गोली मार ली। पुलिस ने बताया कि आरोपी अपनी जान लेने से पहले खुद को एक कमरे में कैद कर लिया था।

हत्या के बाद आरोपी ने खुद को मारी गोली

पुलिस ने बताया कि ठीक 10 बजे उन्हें एक कॉल आया जिसमें पुलिस को होस्टेज हाउस में एक व्यक्ति के अतिक्रमण होने की जानकारी दी गई। थोड़ी देर बाद दूसरा कॉल आया जिसमें बताया गया कि अतिक्रमणकारी ने खुद को गोली मार ली। आरोपी की पहचान टोरी केल्हम के तौर पर की गई है।

मोटेल मालिक के बाहर निकलने के बाद आपातकालीन कर्मी उन्हें इलाज के लिए कार्टरेट हेल्थ केयर ले गए, जहां उन्हें बाद में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मोटेल मालिक यह व्यवसाय अपने परिवार के साथ चलाते थे।

पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान होस्टेज हाउस और अन्य क्षेत्रों में अवैध कब्जा करने वालों के तौर पर किया गया है। कई घंटों तक पुलिस और आरोपी के बीच बातचीत होती रही। स्पेशल रिस्पॉन्स टीम (एसआरटी) आरोपी को लगातार सरेंडर करने के लिए मना रहे थे। कार्टरेट काउंटी शेरिफ आसा बक ने बताया, एसआरटी की टीम घटनास्थल पर पहुंची। हमने आसपास के स्कूलों को बंद रखने की बात की। क्योंकि, हम सुनिश्चित करना चाहते थे कि आरोपी उस कमरे में ही बंद हो। आरोपी के बाहर निकलने से इनकार करने पर एसआरटी की टीम कमरे के अंदर प्रवेश की, लेकिन तबतक उसने कमरे में ही खुद को गोली मार ली थी।

सर्दी में एक्टिव हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज, एम्स के पास रैन बसेरों का किया औचक निरीक्षण

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में रैन बसेरों की स्थिति का आकलन और उनमें सुधार करने के लिए, दिल्ली के शहरी विकास मंत्री, सौरभ भारद्वाज ने AIIMS के पास आश्रयों का औचक निरीक्षण किया। केजरीवाल सरकार के मंत्री भारद्वाज, शहरी विकास विभाग के अधिकारियों के साथ रैन बसेरों में अचानक पहुंचे और वहां उपलब्ध सुविधाओं को खुद जांचा-परखा। निरीक्षण के दौरान सौरभ भारद्वाज को अधिकारियों और आश्रयों के अंदर डेरा डाले हुए लोगों के साथ बातचीत करते देखा गया। मंत्री ने अपने औचक निरीक्षण के तहत सराय काले खां और रैन बसेरा के पास के इलाकों का भी दौरा किया।

एटीएम से चुराए 20 लाखः रुपये निकालकर एटीएम को किया आग के हवाले, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

नई दिल्ली। गुरुग्राम के खेड़कीदौला थाना क्षेत्र में पुराने थाने के पास स्थित एसबीआई एटीएम से बदमाशों ने पहले चोरी की और फिर उसमें आग लगाकर फरार हो गए। यह वारदात शुक्रवार सुबह छह बजे की है। एटीएम के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना रिकॉर्ड हुई है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि कार सवार दो बदमाशों ने एटीएम से निकाली गई राशि डिग्गी में रखी। इसके बाद एटीएम बूथ में आग लगा दी। खेड़कीदौला थाना पुलिस सूचना के बाद मौके पर पहुंची। एसएचओ ने बताया कि मामले जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि एटीएम से करीब 20 लाख रुपये की चोरी हुई है। कार में दिल्ली की नंबर प्लेट लगी थी और घटना के बाद में कार सवार दिल्ली की तरफ फरार हो गए।

पूर्व सैनिकों को बिजनेस स्कूल में छात्रवृत्ति मिलेगी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय के पूर्व सैनिक कल्याण विभाग ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर पूर्व सैनिकों को छात्रवृत्ति देने के लिए इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के साथ सहयोग की घोषणा की। इस के तहत इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस पोस्ट ग्रेजुएट और एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्रामों में सेवा निवृत्त कर्मियों को 50 प्रतिशत ट्यूशन फीस छूट प्रदान करेगा जिसकी राशि प्रति वर्ष कुल 2.3 करोड़ रुपये तक होगी। इससे प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में 22 पूर्व सैनिक लाभान्वित होंगे। इस सहयोग का उद्देश्य सशस्त्र बलों के कर्मियों और सेवानिवृत्त सैनिक के पास पहले से मौजूद कौशल को बेहतर बनाने के लिए नवीनतम और गहन प्रबंधन कौशल प्रदान करना है।

अभाविप के 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन में वंदे मातरम् का सामूहिक गान

नई दिल्ली। दिल्ली के बुराड़ी स्थित दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) मैदान में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का 69वां राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू हुआ और चार दिवसीय इस अधिवेशन के पहले दिन हजारों छात्रों ने वंदे मातरम् का सामूहिक गान किया। इस मौके पर अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही तथा राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद एक साथ हजारों विद्यार्थियों ने वंदेमातरम् का सामूहिक गान किया। वंदे मातरम् गायन के दौरान 150 दृष्टिबाधित दिव्यांग विद्यार्थियों ने तिरंगेनुमा आकृति बनाकर वंदेमातरम् का गान कर रहे समूह का नेतृत्व किया।

ABVP
Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad

'मुख्य सचिव के कार्यों से सरकार के काम पर नहीं पड़ना चाहिए असर', सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के सीएस नरेश कुमार को दी हिदायत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एक मुख्य सचिव के कार्यों या निष्क्रियता का असर चुनी हुई सरकार के कामकाज पर नहीं पड़ना चाहिए। साथ ही कहा कि दिल्ली सरकार के शीर्ष अधिकारी की सेवाओं को छह महीने के लिए बढ़ाने के केंद्र के फैसले को कानून का उल्लंघन नहीं माना जा सकता।

चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनाया था यह आदेश

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, 'मुख्य सचिव ऐसे सभी कार्य देखते हैं जो दिल्ली सरकार के कार्यकारी दायरे में आते हैं और जो उसके दायरे के बाहर होते हैं।मुख्य सचिव को केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है, लेकिन उन्हें ऐसे विषयों पर चुनी हुई सरकार के निर्देशों का पालन करना चाहिए जो उसकी कार्यकारी क्षमता के दायरे में आते हैं।'

अब वेबसाइट पर अपलोड हुआ पूरा आदेश

पीठ ने यह फैसला 29 नवंबर को सुनाया था और इसे बाद में शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड किया गया था। शीर्ष अदालत का फैसला दिल्ली सरकार की उस याचिका पर आया जिसमें दिल्ली सरकार ने उसके साथ बिना किसी परामर्श के नए मुख्य सचिव की नियुक्ति या मौजूदा शीर्ष अधिकारी नरेश कुमार के कार्यकाल को बढ़ाने के केंद्र के कदम का विरोध किया था।

28 पन्नों का है आदेश

कुमार 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे। अपने 28 पन्नों के फैसले में पीठ ने शीर्ष अदालत के 1973 के एक फैसले का हवाला दिया और कहा, यह कहा गया था कि मुख्य सचिव का पद बड़े विश्वास का और प्रशासन में महत्वपूर्ण कड़ी होता है। शीर्ष अदालत ने इस वर्ष पांच जजों की संविधान पीठ के 11 मई के फैसले का भी हवाला दिया था जिसमें कहा गया था कि सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि को छोड़कर सेवाओं के प्रशासन पर विधायी और कार्यकारी शक्तियां दिल्ली सरकार के अधीन हैं।

प्रदूषण ने जीना किया मुहाल, सिरदर्द और सांस की समस्या झेल रहे दिल्लीवासी; ठंड भी दिखा रही तेवर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी रही। वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान और अनुसंधान प्रणाली की मानें तो दिल्ली में बीते दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआई 276 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक राजधानी का एक्यूआई 420 दर्ज किया गया। राजधानी के लिए आंकड़ा बेहद खतरनाक है।

हालांकि, गुरुवार सुबह दिल्ली के कुछ इलाकों में AQI 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया. सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार सुबह 8 बजे आनंद विहार में एक्यूआई 348, आईटीओ में 313 और अशोक विहार इलाके में 323 रहा। लेकिन आज सुबह तक इन आंकड़ों ने राजधानी की टेंशन बढ़ा दी है। आनंद विहार में 377 एक्यूआई दर्ज किया गया तो वहीं अली नगर में यह आंकड़ा 391 पहुंच गया है।

इन इलाकों की हवा खतरनाक

बुराड़ी- 377
अशोक विहार-371
करणी सिंह शूटिंग रेंज- 333
द्वारका-327

जहांगीरपुरी-396
पुसा- 330

वहीं, राजधानी की आबोहवा से लोगों का जीवन दुश्वार हो चुका है। इसे लेकर शहर के एक साइकिल चालक देव ने एएनआई से बात करते हुए कहा, ÷प्रदूषण का स्तर अब बहुत अधिक लग रहा है। सांस लेना मुश्किल हो जाता है, दृश्यता प्रभावित होती है और कभी-कभी सिरदर्द भी होता है।

आईएमडी ने बारिश को लेकर दिया यह अपडेट

इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 11 दिसंबर तक राष्ट्रीय राजधानी में बारिश नहीं होने की भविष्यवाणी की है। पूरे शहर में सुबह के समय आसमान साफ रहेगा और हल्के से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में पिछले कुछ हफ्तों से हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' से 'बहुत खराब' के बीच देखी जा रही है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पिछले हफ्ते कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी में ग्रैप-3 को हटा लिया गया है लेकिन सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि ग्रैप-1 और 2 को सख्ती से लागू किया जाए।

कब लगाया जाता है ग्रैप-3?

बता दें, जीआरएपी 3 तब लगाया जाता है जब एक्यूआई 400 होता है, लेकिन यह कम एक्यूआई के बावजूद जारी रहता है क्योंकि दिवाली के बाद एक्यूआई में उतार-चढ़ाव दिखाई दे रहा था। यदि हवा की गति धीमी हो जाती है, तो एक्यूआई फिर से बढ़ सकता है, इसलिए जीआरएपी-1 और जीआरएपी-2 को सख्ती से लागू किया जा सकता है। वायु गुणवत्ता सूचकांक 0 से 100 तक 'अच्छा', 100 से 200 तक 'मध्यम', 200 से 300 तक 'खराब', 300 से 400 तक 'बहुत खराब' और 400 से 500 या इससे ऊपर को 'गंभीर' माना जाता है।

चुनौतियों से निपटने के लिए क्षमता विस्तार करें घरेलू उद्योग : जनरल चौहान

नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने घरेलू रक्षा उद्योगों से पारंपरिक रूप से सक्षम और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तकनीकी क्षमताओं का विस्तार करने का आह्वान किया है।

जनरल चौहान ने यहां हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा आयोजित अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रदर्शनी 2023 का उद्घाटन किया। जनरल चौहान ने रक्षा उद्योग से सेवाओं के महत्व को समझने और देश के भू-भाग, जलवायु तथा परिचालन संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत की चुनौतियों का हल भारतीय समाधानों से किया जाना चाहिए क्योंकि समकालीन घटनाओं के एक सिलसिले ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को उजागर किया है।

भारत में यूएई दूतावास ने किया ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन से शोध कार्य समझौता

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के यहां स्थित दूतावास ने ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) के साथ रणनीतिक विषयों पर साझेदारी में शोध कार्य का एक समझौता किया है।

यूएई दूतावास की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार यह समझौता 12 माह के लिए है। इसके तहत भारत और यूएई द्विपक्षीय सहयोग और प्रभावशाली संवादों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसमें ओआरएफ के रायसीना डायलॉग के तहत सहयोग का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है।

परिमार्जन की व्यवस्था संविधान से निकली-कोविंद

नोएडा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने यहाँ कहा कि भारत का संविधान एक जागृत संविधान है और इसके अंदर से ही परिमार्जन की व्यवस्था निकलती है, यह कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका सहित सभी नागरिकों का सही दिशा में मार्गदर्शन करता है।

श्री कोविन्द ने राजधानी में स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के समवेत सभागार में 'नए भारत का सामवेद' पुस्तक के लोकार्पण के दौरान यह बात कही। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए न्यास के अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री रामबहादुर राय ने की। श्री कोविन्द ने कहा, 'पुस्तक में संकलित भाषण हमारे संविधान के सार को सहजता, सरलता से प्रस्तुत करते हैं। वर्तमान में संविधान को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की संविधान को लेकर यह दृष्टि थी कि संविधान लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए।' विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा, '2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो लक्ष्य है, उसके लिए हम सब संकल्पित हैं और इस लक्ष्य के प्रणेता कोई और नहीं, बल्कि भारत के प्रधानमंत्री हैं। बाबासाहेब अम्बेडकर संविधान की आत्मा थे और आजादी के बाद से संविधान की आत्मा का अनादर किया गया। उन्होंने महिलाओं को बराबरी का अधिकार, वंचितों को अधिकार, सबको समता का अधिकार देने जैसे अनेकों कार्य किये।' आईजीएनसीए के अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय ने कहा, 'जिस पुस्तक का लोकार्पण हुआ है, उसको मैं नागरिक चेतना का परिणाम मानता हूं। मेरी दृष्टि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान के संबंध में एक मौलिक कार्य किया है। यही बात इस किताब में मिलती है।' उन्होंने कहा कि संविधान वही है, जो पहले था, लेकिन उसको देखने की दिशा बदल गई है, उसके बारे में सोचने की दिशा बदल गई है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा, 'जब से संविधान दिवस मनाया जाने लगा है, संविधान के विषय में सोच और जागृति की दिशा बदली है। विशेष रूप से युवाओं में संविधान को लेकर रुचि पैदा हुई है, विश्वास बढ़ा है।'

दिल्ली की सबसे बड़ी बहुमंजिला कार पार्किंग खुलने के लिए तैयार

नई दिल्ली। दिल्ली की सबसे बड़ी बहुमंजिला कार पार्किंग चांदनी चौक गांधी मैदान में बनकर तैयार हो गई है, अगले हफ्ते तक इसे खोलने की तैयारी है। कहीं कोई कमी न रह जाए ये जांचने के लिए इसका ट्रायल रन शुरू किया गया है। यहां दो और चार पहिया वाहनों की फ्री पार्किंग हो रही है। इसके खुलने के बाद यहां एक साथ 2338 कारें पार्क हो पाएंगी। तब पार्किंग का शुल्क भी निर्धारित किया जाएगा। दिल्ली नगर निगम ने पीपीपी (सरकारी निजी सहयोग) आधार पर ये अत्याधुनिक छह मंजिला पार्किंग और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया है। गांधी मैदान बहुमंजिला कार पार्किंग खुल जाने के बाद चांदनी चौक इलाके में पार्किंग की

समस्या खत्म हो जाएगी। यहां पर कार पार्किंग करने के लिए आने पर अत्याधुनिक सुविधाओं का एहसास भी होगा। इस पार्किंग का तीन मंजिला भूतल पार्किंग के लिए होगा, एक तल व्यवसायिक गतिविधियों के लिए आरक्षित रहेगा। सबसे ऊपर की दो मंजिलें शॉपिंग कॉम्पलेक्स होंगी। पार्किंग के अंदर अलग-अलग ब्लॉक, अग्निशमन के अत्याधुनिक संयंत्र, फायर एलार्म, सभी मंजिलों पर आने जाने के लिए लिफ्ट, एलईडी लाइटें इत्यादि अत्याधुनिक सुविधाओं का एहसास कराएंगी। एमसीडी ने समझौते के तहत ओमेक्स के सहयोग से 18524 वर्गमीटर क्षेत्रफल ये बहुमंजिला कार पार्किंग व शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया है। इसके 75 फीसदी जगह का उपयोग निगम करेगा और 25 फीसदी जगह ओमेक्स उपयोग करेगा। इस पर सहमति बन गई है।

फास्टैग से पार्किंग शुल्क का भुगतान

यहां कार पार्किंग के लिए आने पर लोगों के समय की बचत होगी। पार्किंग शुल्क का भुगतान करने लिए फास्टैग की सुविधा मिलेगी। निगम अधिकारियों ने कहा है कि मानव हस्तक्षेप नहीं होने से पार्किंग में न केवल समय की बचत होगी, बल्कि किसी भी प्रकार से भ्रष्टाचार होने की संभावना भी न के बराबर होगी। पार्किंग के रखरखाव की जिम्मेदारी पूरी तरह से निर्माण कंपनी ओमेक्स की होगी। पार्किंग के लिए आने पर किसी प्रकार की समस्या होने पर इसका समाधान निगम की तरफ से किया जाएगा।

जम्मू कश्मीर में 11 महीने में रिकार्ड दो करोड़ पर्यटक पहुंचे

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि उसकी नीतियों से जम्मू कश्मीर में पर्यटन क्षेत्र मजबूत हुआ है और इस वर्ष केवल 11 महीने में रिकार्ड दो करोड़ पर्यटकों ने केन्द्र शासित प्रदेश की यात्रा की है। पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने गुरूवार को राज्यसभा में पूरक प्रश्नों के जवाब में बताया कि अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद मौजूदा वर्ष के पिछले 11 महीनों में जम्मू कश्मीर में दो करोड़ पर्यटक गये जो जम्मू कश्मीर के इतिहास में एक रिकार्ड है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सदन में मौजूदगी के दौरान श्री रेड्डी ने कहा कि श्री मोदी दुनिया भर में भारत के पर्यटन एम्बेसडर हैं। वह जिस भी देश की यात्रा पर जाते हैं वहां भारत में पर्यटन की असीम संभावनाओं के बारे में विशेष रूप से बात करते हैं। उन्होंने कहा कि देश में हाल ही में संपन्न हुए जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी भारत में पर्यटन की संभावनाओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया। सम्मेलन की बैठकों का देश भर में आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के सकारात्मक परिणामों में से एक यह भी है कि देश के पर्यटन क्षेत्र को भी इसका फायदा मिला। एक अन्य प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से अब देश में होटल नहीं खोले जा रहे हैं बल्कि युवा पर्यटन क्लबों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

NAME CHANGE
I, SHIVAM PRASAD S/O ROSHAN PRASAD residing at HOUSE NO-2727/7, CHUNA MANDI, PAHAR-GANJ, DELHI-110055 have Change my name to SHIVAM PRASAD SHAH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, ANINDYA GHOSHAL S/O ASIT KUMAR GHOSHAL residing at H-1404 14TH FLOOR TOWER-H FRENCH APARTMENTS SECTOR 16B GREATER NOIDA UP-201307 have changed my name to ANINDYA KUMAR GHOSHAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, No. 15577364F L/NK SURAJ ARUN YERUNKAR S/o ARUN BHIKAJI YERUNKA R/o GAYATRI INDRAPRASTH PHASE-2, BL-3, 104, ADAI, NEW PANVEL, MAHA-RASHTRA-410206 have changed my minor son's name from PALAKSH to PALAKSH SURAJ YERUNKAR for all future purposes vide Affidavit dated 08/12/2023 Before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, Sachin Kumar Sharma S/o Gajendra Prasad Sharma R/o Flat No. A5, Building No. 517, Neb Sarai Saket, Near Old Sant Mrry School, South Delhi, Delhi-110068 have changed my name to SACHIN SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, KHODAKE BALIRAM DEVIDAS S/O DEVIDAS R/o VPO-KATA, TEH-WASHIM, DIST-WASHIM (MAHA-RASHTRA)-444505 have changed my name from KHODAKE BALIRAM DEVIDAS to KHODKE BALIRAM DEVIDAS for all future purposes. Vide Affidavit dated 08/12/2023 before Notary Delhi (India).

NAME CHANGE
I, PARVEEN KUMAR ARORA S/O MOHAN LAL ARORA R/O I-60 PHASE-I, ASHOK VIHAR, New NORTH WEST DELHI -110052 HAVE CHANGED MY NAME PARVEEN KUMAR ARORA TO PARVEEN ARORA FOR ALL FUTURE PURPOSES

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी ग्राहक श्रीमती आशु शौकीन उर्फ आशु रानी ग्राउंड फ्लोर, बिना छत के अधिकार (दाहिनी ओर का हिस्सा), ब्लॉक-डी में निर्मित संपत्ति संख्या डी-17 का हिस्सा, 250 वर्ग गज, खसरा संख्या 70/1/1 और 70/1/2 में से, ग्राम मंगोलपुर कलां, दिल्ली राज्य, दिल्ली-110085 के क्षेत्र में की मालिक हैं।, उपहार विलेख दिनांक 04/12/2023 के अनुसार श्रीमती अनिल शौकीन उर्फ श्रीमती अनिल कौर द्वारा निष्पादित उक्त संपत्ति के संबंध में श्रीमती आशु शौकीन उर्फ आशु रानी के पक्ष में। (Doc. No. 13796, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 11197, पृष्ठ- 55 से 64, SR- VI, नई दिल्ली)। जो आगे अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त संपत्ति को फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास गिरवी रखने का इरादा रखता है। जिसे भी उक्त बंधक या अधिग्रहण पर कोई आपत्ति हो या संपत्ति पर किसी का दावा या अधिकार या हित हो, उसे 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करना होगा। जिससे यह मान लिया जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 8/12/2023
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

PUBLIC NOTICE
It is general information that I Surender Pandey S/O Shri Rama Shreshtha Pandey ,Prasent Adress, R/O SRS -45, Peera Garhi, Delhi-110087,Permanent adress- Karuna, Hardakhi ,Madhubani, Bihar -847240.Declare that the name of my minor son Satyam Kumar aged 14 years has been wrongly written in his school certificate. The actual name of my minor son Satyam Kumar Pandey.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि श्रीमती अंजू देवी पत्नी श्री प्रह्लाद सिंह फ्रीहोल्ड आवासीय मकान नंबर डी-10/2 की मालिक हैं, पहली मंजिल पर (बाएं तरफ का हिस्सा) बिना छत के, क्षेत्रफल 41.80 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 86/13 के बाहर, स्थित है गांव रिठाला के ग्राम राजस्व संपदा के क्षेत्र में, कॉलोनी जिसे विजय विहार पीएच-I, दिल्ली-110085 के नाम से जाना जाता है। दिनांक 08.08.2023 को डीडीए (पीएम-दिल्ली आवास अधिकार योजना सेल में अनधिकृत कॉलोनियां) द्वारा श्रीमती अंजू देवी पत्नी श्री प्रह्लाद सिंह के पक्ष में दस्तावेज़ संख्या 3688, खंड संख्या 2438, पृष्ठ संख्या 112-115, दिनांक के अनुसार निष्पादित किया गया। 08.08.2023, एसआरओ- VI डी, रोहिणी, नई दिल्ली। प्रारंभ में सभी दस्तावेज़ खसरा/मुस्तिल संख्या 60, किल्ला संख्या 13/2/2, आगे निष्पादित कन्वेयंस डीड दिनांक 08.08.2023 खसरा संख्या 86/13 का उल्लेख किया गया है। हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और उसी संपत्ति का वित्तपोषण उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा नोएडा उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के दस्तावेज़ किसी को तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at-09958871432

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान पर 12 दिसम्बर को निकाली जाएगी वॉकथॉन

करनाल। एडीसी डॉ. वैशाली शर्मा ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर वॉकथॉन का आयोजन 12 दिसम्बर को मॉडल संस्कृति कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेलवे रोड करनाल से किया जाएगा। यह वॉकथॉन उक्त स्कूल से शुरू होकर निरंकारी भवन के नजदीक पर स्थापित रामगढ़िया चौक से होते हुए हांसी चौक, सदर बाजार से गुजरते हुए वापिस स्कूल में समापन होगा। इस वॉकथॉन में 1 हजार बालिकाएं हिस्सा लेंगी, जो बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के संबंध में आमजन को जागरूक करेंगी।

एडीसी डॉ. वैशाली शर्मा ने कहा कि लिंगानुपात में सुधार के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान के बाद लिंगानुपात में काफी सुधार आया है। लोगों को और जागरूक करने के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत करनाल में इस वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत स्कूल की 1 हजार छात्राएं हिस्सा लेंगी और पैदल मार्च करते हुए जागरूकता अभियान चलाएंगी।

विभिन्न कार्यक्रम होंगे आयोजित-एडीसी डॉ. वैशाली शर्मा ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत उक्त स्कूल में ही इसी दिन विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत महिला सशक्तिकरण से जुड़ी प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिन महिलाओं ने अलग-अलग क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है, उनकी डाक्यूमेंट्री चलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त समाज से जुड़ी कुछ प्रसिद्ध हस्तियों को कार्यक्रम में अपने विचार साझा करने के लिए भी आमंत्रित किया जाएगा।

छात्रा का अपहरण करने के दोषी को 3 वर्ष की कैद

जुलाना/जींद। एक छात्रा का अपहरण करने के दोषी को बृहस्पतिवार को जींद में एडीजे डॉ. चंद्रहास की अदालत नेतीन साल की कैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा दोषी को दस हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। जानकारी के अनुसार सफीदों थाना क्षेत्र के तहत रहने वाले एक व्यक्ति ने चार अगस्त 2022 को सदर थाना सफीदों पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी बेटी का किसी ने अपहरण कर लिया है। सफीदों थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया था। पुलिस जांच में बनिया खेड़ा गांव निवासी दीपक का नाम अपहरण के आरोप में आया। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लड़की को बरामद कर लिया था। उसी समय से यह मामला अदालत में विचाराधीन था।

फर्जी कागजातों के जरिये बैंक से लिया लाखों का लोन

जगाधरी। जगाधरी सिथत एसबीआई ब्रांच में फर्जी कागज देकर 5 लोगों ने लाखों का पर्सनल लोन लिया। इसकी किस्तें जमा न होने पर फर्जीवाड़ा सामने आया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार यह फर्जीवाड़ा जगाधरी के डिंपल सिनेमा के पास स्थित एसबीआई बैंक की ब्रांच के साथ हुआ है। आरोप है कि उक्त लोगों ने स्वयं को शिक्षा विभाग का कर्मचारी बताकर लोन लिया है। एसबीआई की ब्रांच मैनेजर सिमरित कौर की ओर से शिकायत एसपी को दी गई थी। एसपी ने केस दर्ज करने के आदेश दिए। जगाधरी की सेक्टर-17 थाना पुलिस ने पांच लोगों पर केस दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार कैथल के गांव मांझला निवासी रामपाल पर धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है। रामपाल ने बैंक ब्रांच में पर्सनल लोन के लिए आवेदन किया था और कहा था कि वे शिक्षा विभाग में नौकरी करता है। तब उसने खुद को छछरौली के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल का प्रिंसिपल बताकर दस्तावेज दिए थे। वेतन की स्लिप और बैंक डिटेल भी दी थी। सभी दस्तावेजों की जांच करने के बाद तत्कालीन मैनेजर ने 11 अक्तूबर 2022 को उसका 12 लाख का पर्सनल लोन मंजूर कर दिया था। जब उसने लोन की किस्त नहीं दी तो बैंक की टीम स्कूल में गई तो पता चला कि वहां पर इस नाम का कोई टीचर नहीं है। वहां पर प्रिंसिपल को दस्तावेज दिखाए तो पता चला कि ये फर्जी हैं। इसी प्रकार कैथल वार्ड-18 निवासी नरेश कुमार खुद को जगाधरी राजकीय हाई स्कूल का प्रिंसिपल बताया था। बैंक की ओर से उसका भी 12 लाख का पर्सनल लोन मंजूर किया था और उसके खाते में पैसे आ गए थे। किस्त नहीं भरी तो स्कूल में जाकर पता किया तो पता चला कि सब फर्जी है। तीसरे मामले में डिफेंस कॉलोनी कैथल निवासी उर्मिला ने खुद को अंबाला राजकीय हाई स्कूल की प्रिंसिपल बताया था। उसने भी 9 लाख रुपए का लोन ले लिया था। लोन की रकम वापस न करने पर जांच की तो लोन लेते समय दिए गए दस्तावेज फर्जी निकले। इसी प्रकार नरवाना के गांव अंबरसर निवासी दीपक खुद को दामला राजकीय हाई स्कूल का प्रिंसिपल बताया था। बैंक ने नवंबर 2022 में उसे 10 लाख का पर्सनल लोन दिया था। लोन की रकम वापस न करने पर हुई जांच में उसके दस्तावेज भी फर्जी मिले। इसी प्रकार हिसार के राजौंद निवासी प्रियंका ने 9 लाख रुपए का लोन लिया था। जांच में उसके दस्तावेज भी फर्जी निकले। पुलिस ने बैंक मैनेजर की शिकायत पर इन सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

केंद्र व राज्य सरकार देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध, आमजन भी ले संकल्पः-विधायक रामकुमार कश्यप

करनाल। इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को आमजन के सहयोग व संकल्प से ही प्राप्त किया जा सकता है। विधायक रामकुमार कश्यप वीरवार को इंद्री खंड के गांव रंबा और समौरा में विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा के आगमन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान गांव रम्बा में विधायक रामकुमार कश्यप तथा गांव समोरा में मंडल अध्यक्ष अमनदीप सिंह विर्क ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए शपथ भी दिलाई। इस मौके पर विधायक ने कहा कि देश को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में लाने के लिए जरूरी है कि देश की प्रति व्यक्ति आय बढ़े, औधोगिक प्रगति को रफ्तार मिले, किसान कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें, महिलाओं की शिक्षा व सुरक्षा सुनिश्चित हो, बेरोजगारी दर न्यूनतम हो और यातायात के नए मार्ग विकसित करने के साथ साथ उन सभी पहलुओं पर काम हो जो एक विकसित देश के लिए जरूरी है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन सभी बिन्दुओ पर तेजी से कार्य चल रहा है । इसलिए यह वर्तमान सरकार का सपना नहीं संकल्प हैं , जो वर्ष 2047 तक अवश्य पूरा होगा। उन्होंने आह्वान किया कि आमजन भी इस संकल्प को पूरा करने मे अपना सहयोग सुनिश्चित करें। इस अवसर पर विधायक ने केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा जनहित में चलाई गई योजनाओं की जानकारी दी व 9 वर्ष से अधिक के कार्यकाल की उपब्धियों को बताते हुए कहा कि सरकार किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 6 हजार रुपए वार्षिक डीबीटी के माध्यम से सीधा खाते में लाभ दे रही है। गरीब को आयुष्मान भारत के तहत मुफ्त इलाज मिल रहा है और मुफ्त राशन की सुविधा भी दी जा रही है। यहीं नहीं हरियाणा सरकार ने आयुष्मान भारत में विस्तार कर चिरायु हरियाणा योजना चला कर अतिरिक्त लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने का काम किया है। हर घर नल के तहत स्वच्छ पेयजल तथा हर नागरिक को बैंक सुविधाएं भी सुनिश्चित की गई है। हरियाणा में परिवार पहचान पत्र के माध्यम से घर बैठे सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। विधायक ने कहा कि दो सालों में हरियाणा के सभी तालाबों को पक्का किया जायेगा। बड़े गांवों में फिरनी पर लाईट लगाई जायेंगी। उन्होंने इस मौके पर सरकार की उज्ज्वला योजना, हर घर नल योजना पर प्रकाश डाला और बताया कि आने वाले समय में गांव से तीन किमी दूर तक आबाद कालोनियों में भी पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी। विधायक के अनुसार परिवार पहचान पत्र बनने के बाद अब लोगों को पैंशन के लिये दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते।

मोदी सरकार ने शहीदों के परिजनों का रखा विशेष ध्यान- लोकेश नांगरू

पानीपत। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत नैन व डुमीयाना गांव में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यात्रा को देखने के लिए गांव में बड़ी संख्या में बच्चे, बूढ़े व युवा पहुंचे व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाली गारंटी गाड़ी का जोरदार स्वागत किया। यात्रा के दौरान आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी अपनी अपनी समस्याओं को रखा जिनमे से ज्यादातर समस्याओं का मौके पर निदान किया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने देशभक्ति की कविताएं, सामूहिक व एकल नृत्य प्रस्तुत करके ग्राम वासियों का मन मोहया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों द्वारा विकसित भारत की शपथ भी ग्रामीणों को दिलाई गई। कार्यक्रम में पहुंचे निगम पार्षद लोकेश नांगरू व ब्लॉक समिति अध्यक्ष मीना देवी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों का अवलोकन किया। डमीयाना गांव मे आयोजित कार्यक्रम मे नगर पार्षद लोकेश नागरू ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जो सम्मान शहीदों के परिजनों को मोदी सरकार ने दिलाया है इससे पूर्व किसी भी सरकार ने नहीं दिलाया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश मे मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हर वर्ग के उत्थान को लेकर योजनाएं बनाई है जिनका हर वर्ग के लोगों को लाभ पहुंच रहा है। प्रदेश में हो रही विकास कार्यो से प्रदेश की खुशहाली व समृद्धि साफ दिखाई पड़ती है। उन्होंने अनेक योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना का भी बड़े सत्र पर लोगों को लाभ दिया जा रहा है। नैन गांव में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची ब्लॉक समिति चेयरमैन मीना रानी ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व मे देश की पहचान मजबूत हुई है। रक्षा के मामले में हम अच्छी पोजिशन में है। आज महिलाएं देश सेवा कर रही है। उन्होंने उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को प्रदान की जा रही सुविधाओं पर भी प्रकाश डाला। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित किए गए दोनों

हम पूरी तरह आत्म निर्भरता की तरफ बढ़ रहे हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग का पूरा पूरा ख्याल रखा है। 80 करोड़ लोगो को मुफ्त राशन की सुविधा प्रदान की गई है। नल द्वारा शुद्ध जल उपलब्ध करवाया जा रहा है।

समिति अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं को पंचायत में आरक्षण का लाभ पहुंचा कर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने महिला सशक्तिकरण को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं किसी की मोहताज नहीं है । बड़े-बड़े पदों पर आसीन होकर गांव के कार्यक्रम में गांव के पूर्व सैनिकों ,खिलाडियों उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं व होनहार बच्चों को सम्मानित किया गया। कृषि विभाग ग्रामीणों के सामने ड्रोन का प्रदर्शन किया गया ।इस मौके पर एमडी शुगर मिल जगदीप , तहसीलदार अजय सैनी,बीडीओ सुरेंद्र,भाजपा नेता रोशन लाल माहला, राज्य सभा सांसद कृष्ण लाल पंवार के पुत्र अनिल पंवार, सुरेंद्र, पार्षद संजीव दहिया, ,सरपंच पति रामपाल आदि मौजूद रहे।

मोदी कार्यकाल में हुआ योजनाओं का सरलीकरण-ऋषिपाल रावल

पानीपत। मोदी कार्यकाल में योजनाओं का सरलीकरण जिस प्रकार से हुआ है उससे समय की बचत भी हुई है और आम आदमी दफ्तरों के धक्के खाने से बचा है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री ऋषिपाल रावल ने वीरवार को गांव पसीना कला में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद के दौरान बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है। यह विकसित भारत संकल्प यात्रा पत्र और वंचित लोगों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान कर रही है। मौके पर ही लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता विधु रावल ने संबोधित करते हुए कहा कि चाहे शांति की बात हो, चाहे भ्रष्टाचार खत्म करने की,चाहे आतंकवाद को खत्म करने की बात हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिया जाता है। जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व में भारत के मान को आगे बढ़ाया है उससे आमजन का भी मान बढ़ा है। विधु रावल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत माता के जय घोष को विश्व पटेल पर पहुंचाया है। भारत माता के जय घोष में सभी की जय घोष होती है इसलिए हमें राष्ट्र को सर्वप्रथम रखना चाहिए। आज देश में परिवर्तन को लेकर एक नए प्रकार की संस्कृति आगे बढ़ रही है जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। आज गरीब की सुनवाई हो रही है और योजनाएं सीधे उससे जुड़ रही हैं। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता विधु रावल ने उपस्थित जन को संकल्प शपथ भी दिलवाई। कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों का अवलोकन भी किया गया और गांव के विभिन्न उत्कृष्ट और गणमान्य लोगों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर एडीसी वीना हुड्डा, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यकारी अधिकारी सत्यवान मान, बीडीपीओ शक्ति सिंह,जिला समाज कल्याण अधिकारी रविंद्र हुड्डा इत्यादि उपस्थित रहे।

सडक़ों पर भटकते आवारा पशुओं को पकडऩे का अभियान शुरू

करनाल। फूसगढ़ स्थित गौशाला से दुधारू व गर्भावस्था की गायों को खुली बोली के माध्यम से बेचने के बाद गौशाला में मौजूद शैड में गायों को रखने के लिए कुछ जगह बन गई है, जिसके बाद नगर निगम द्वारा सडक़ों पर भटकती गायों को पकडऩे का अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत करीब 20 गाय व नंदी पकड़े गए हैं। गुरूवार को यह जानकारी उप निगम आयुक्त अरूण भार्गव ने दी। उन्होंने बताया कि शहर की सडक़ों पर भटकते आवारा पशुओं को पकडऩे का अभियान नगर निगम द्वारा समय-समय पर चलाया जाता है, परंतु गौशाला में गायों की संख्या अधिक हो जाने के कारण इसे कुछ समय के लिए रोका गया था। सडक़ों पर आवारा पशुओं के कारण वाहन चालकों को दुर्घटना का भय भी बना रहता है। इस समस्या से निजात दिलाने के लिए गौशाला में मौजूद दुधारू व गर्भावस्था की गायों को बोली के माध्यम से बेचने की योजना बनाई गई थी, जिसके तहत करीब 80 गायों की ब्रिकी की गई है। इसके चलते गौशाला के शैड में गायों को रखने के लिए कुछ जगह बन पाई है। इसलिए गायों को पकडऩे का

अभियान पुनः शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि शहर के मॉडल टाऊन, राम नगर, प्रेम नगर, सैक्टर-4, 7 व 12 से सडक़ों व गलियों में भटकती गाय व नंदियों को पकडक़र फूसगढ़ स्थित नगर निगम की गौशाला में रखा गया है। गौशाला में गायों को समय पर चारा इत्यादि दिया जाता है। सुबह व सांय, दोनो समय गायों को घूमने-फिरने के लिए गौशाला परिसर में ही मौजूद खाली जगह पर खुले में छोड़ा जाता है। गायों की अच्छे से स्वास्थ्य देखभाल की जा रही है, इसके लिए पशुपालन विभाग से सेवानिवृत्त डॉक्टर की गौशाला में केयर टेकर के रूप में नियुक्ति की हुई है। उप निगमायुक्त ने डेयरी संचालकों व नागरिकों से अपील करते कहा है कि वह उपयोग के बाद अपने पशुओं को सडक़ों पर आवारा भटकने के लिए न छोड़ें, इससे शहर की सफाई व यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न होती है।

मोटे अनाज की पैदावार बढ़ाने के लिए कृषि विभाग ने किया जागरूक

करनाल। खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत किसान विभाग निरंतर किसानों को मोटे अनाज के प्रति जागरुक कर रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को कृषि विभाग घरौंडा द्वारा मोटे अनाज की महत्त्वता के प्रति कैमला तथा फरदीपुर गांव के किसानों को विभिन्न कार्यक्रमो के माध्यम से जागरुक किया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग की और से डॉ.जश्नप्रीत ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाई और उपस्थित किसानो को मोटे अनाज की खूबियां बताई गई। उन्होंने कहा कि हम सभी को कम से कम हफ्ते में एक बार अपने भोजन में मोटे अनाज को शामिल करने का प्रण अवश्य करना चाहिए। डॉ.जश्नप्रीत ने मोटे अनाज से स्वास्थ्य को होने वाले लाभ पर भी चर्चा की। साथ ही मोटे अनाज से तैयार किए जाने वाले विभिन्न पकवानों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वर्ष 2023-24 को इस अभियान को बढ़ावा देने के लिए समर्पित किया गया है। पहले समय में लोग मोटे अनाज जिसमें ज्वार, बाजरा, रागी, आदि उगाते थे तथा उसका सेवन करते थे। लेकिन, बदलते समय के साथ- साथ लोग इससे दूर होते रहे। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर से लोगों को मोटे अनाज उगाने और उसके सेवन के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान छेड़ा है। उन्होंने कहा कि गेहूं, चावल के मुकाबले मोटा अनाज उगाना और खाना ज्यादा सुविधाजनक है। मोटे अनाज में पोषण भी अधिक होता है, जिससे शरीर मजबूत होता है और बीमारियों से लडऩे की शक्ति मिलती है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा है कि वे गेहूं, चावल के साथ मोटे अनाज की खेती भी शुरू करें। उन्होने कहा कि आने वाले दिनों में पंचायत स्तर पर इस तरह के कार्यक्रम और तेजी से आयोजित किए जाएंगे

क्योंकि,युवा पीढ़ी मोटे अनाज से दूर होती जा रही है और लोग बीमारियों की चपेट में भी आ रहे हैं। ऐसे में सरकार ने जो मोटे अनाज के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान छेड़ा है उसे कृषि विभाग द्वारा जन जन तक पहुंचाने का काम निरंतर किया जायेगा। इस दौरान कृषि विभाग की और से ए.टी.एम.सतबीर सिंह व सुपरवाइजऱ बलकार सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में दोनों गांव के किसान मौजूद रहें।

महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा करने में गठबंधन सरकार नाकाम : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार में भ्रष्टाचार नए रिकॉर्ड बना रही है। भ्रष्टाचार के आरोपियों को पकडने के मामले में देश में छठां नंबर आना ही इस बात का प्रमाण है। अगर भ्रष्टाचार कम होता तो भ्रष्टाचारियों को पकडने की घटनाएं बढने की बजाए कम होती। राज्य सरकार महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा के प्रति भी गंभीर नहीं है, इसलिए ही इनके खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो एनसीआरबी ने साल 2022 में घटे अपराधों को लेकर रिपोर्ट जारी की है। इसमें हरियाणा में बढ़ती घटनाएं हर किसी को चौंका सकती हैं। इस रिपोर्ट के अध्ययन से साफ है कि प्रदेश में कानून का राज नहीं है, बल्कि यहां पर अपराधियों को खौफ लोगों के

बीच बढ़ रहा है। खास तौर पर ऐसे अपराध में बढ़ोतरी हो रही है, जिससे हर आम आदमी सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को लेकर भयभीत होने लगता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक ही साल में कर्मचारियों व अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के 246 मामले दर्ज होने से पता चलता है कि प्रदेश में भ्रष्टाचार किस स्तर पर पहुंच चुका है। भाजपा के 2014 में सत्ता संभालने के बाद से तमाम महकमों में रिश्वत के बढ़ते रेट भी इस बात का सबूत हैं। मुख्यमंत्री के गृह जिले करनाल से ही बार-बार भ्रष्टाचार के मामले सामने आने से साफ है कि इनका कनेक्शन सत्ता में बैठे लोगों तक है और इसमें वे भी बराबर के भागीदार हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि रिपोर्ट बताती है कि प्रदेश में 2022 के दौरान महिलाओं से दुष्कर्म के मामले बढ़े और पुलिस थानों में 1787 मामले रिपोर्ट हुए। इससे साफ है कि हर रोज औसतन 5 महिलाओं की अस्मत से खेला गया। दिनदहाड़े वारदातों के मामले में महाराष्ट्र के बाद हरियाणा देश में दूसरे नंबर पर है। इस मामले में यह यूपी से भी आगे निकल चुका है। इससे साफ है कि पुलिस का कोई भय बदमाशों में नहीं है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश से साल भर के दौरान 2640 बच्चे लापता हुए। इनमें से 49 प्रतिशत लड़कियों को पुलिस खोज ही नहीं पाई। वहीं, साइबर क्राइम की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी का कारण हरियाणा सरकार के खुद के पोर्टल बने हैं। जमीनों के इंतकाल व रजिस्ट्री के पोर्टल से लोगों से फिंगर प्रिंट उठाकर उनके बैंक खाते साफ करने के मामले प्रदेश में सामने आ चुके हैं। साथ ही बिजली उपभोक्तओं का डाटा लीक होने और फिर उनके बैंक खाते खाली करने के मामले किसी से छिपे नहीं हैं।

सुश्री जसबीर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी- एवं- सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल ने किया नारी निकेतन करनाल का दौरा

करनाल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव, सुश्री जसबीर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल ने बताया कि आज नारी निकेतन में रहने वाले महिला /कैदियों को दी जा रही सुविधाओं की जांच के लिए उन्होंने नारी निकेतन करनाल का दौरा किया। उन्होंने महिलाओं के साथ भी बातचीत की और उन्हें कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत उनके अधिकारों के बारे में भी जागरूक किया। अधीक्षक को कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी स्थापित / प्रदर्शित करने का भी निर्देश दिया गया, ताकि महिलाओं को कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत बनाए गए नियम और कानून निर्धारित उनके कानूनी अधिकारों से अवगत कराया जा सके।

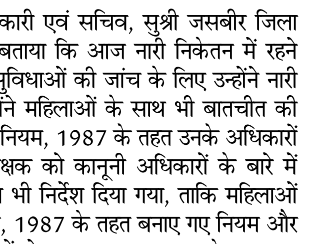

ऑफिसर को विशेष रूप से उन महिलाओं को विभिन्न कानूनी सहायता योजनाओं और ऐसी सेवाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया आदि के बारे में अवगत कराया गया। महिला न्याय अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के अस्तित्व और महिलाओं के कल्याण के तहत गठित समितियों के अस्तित्व के बारे में भी अवगत कराया गया। उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया। ऑफिसर को निर्देशित किया गया कि नारी निकेतन और निरीक्षण गृह के आसपास साफ-सफाई रखें। सुश्री जसवीर मुख्य दंडाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवाएं करनाल ने वहां पर रह रही महिलाओं से बातचीत कर उनको होने वाली किसी असुविधा के बारे में पूछा जिस पर किसने कहा कि हमें यहां पर किसी भी तरह की कोई असुविधा नहीं हो रही है।

हरियाणा में रोज होती हैं 3 हत्याएं, 5 रेप और महिलाओं के साथ 46 वारदातें : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम युवाओं के शोषण और भ्रष्टाचार का अड्डा है। कौशल रोजगार के अंतर्गत लगे हुए कर्मचारियों ने हुड्डा से मिलकर इस निगम में खामियों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

हुड्डा ने कहा कि इसमें संवैधानिक नियम अनुसार न धरातल पर आरक्षण का प्रावधान है, न ही मैरिट है और न ही योग्यता। पारदर्शिता का तो मतलब ही नहीं है। युवाओं को पक्की नौकरी देने की बजाय सरकार खुद ठेकेदार बनकर कच्ची नौकरियां दे रही है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर खाली पड़े करीब 2 लाख पदों पर पक्की भर्ती कर युवाओं को रोजगार दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में थोथे प्रचार, झूठे समाचार और बेलगाम भ्रष्टाचार वाली सरकार चल रही है। थोथे प्रचार के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसका ताजा उदाहरण विकसित भारत संकल्प यात्रा है। अपने राजनीतिक एजेंडा के लिए बीजेपी-जेजेपी स्कूली बच्चों और सरकारी कर्मचारियों का इस्तेमाल कर रही है। अध्यापकों समेत अलग-अलग विभागों के कर्मचारियों को उनका काम छुड़वाकर राजनीतिक प्रचार में झोंक दिया गया है। जबकि प्रदेश सरकार के पास गिनवाने के लिए एक भी उपलब्धि नहीं है। अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर सरकार जनता को बरगलाने की कोशिश कर रही है। लेकिन सरकार की सच्चाई खुद सरकारी आंकड़ों में देखी जा सकती है।

हुड्डा अपने आवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान व पूर्व मंत्री व विधायक गीता भुक्कल भी उनके साथ मौजूद थी। इस मौके पर हुड्डा ने एनसीआरबी द्वारा जारी 2022 के ताजा आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि बीजेपी-जेजेपी राज में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। सिर्फ एक साल के भीतर महिलाओं के विरूद्ध अपराध के 16,743 मामले यानी रोज़ 46 मामले सामने आए हैं। एक साल में बलात्कार के 1,787 केस यानी रोज़ 5 बेटियों की अस्मत लूटने के मामले सामने आए। साल 2022 में ही प्रदेश से 2640 बच्चे लापता हो गए, जिनमें 1124 लड़के और 1516 लड़कियां हैं।

जींद के बाद अब कैथल जिले में बच्चियों के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया। कांग्रेस ने ऐसे तमाम मामलों की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग उठाई है। साथ ही सुझाव दिया है कि स्कूलों में कंप्लेन बॉक्स होना चाहिए, जिसमें कोई भी अपनी शिकायत लिखकर डाल सके। लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार बेटियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है। %बेटी बचाओ% का नारा देने वाली सरकार बेटियों को बचाने में नाकाम साबित हुई है।

हुड्डा ने कहा कि गठबंधन सरकार ने हरियाणा को शराब, चिट्टा, हीरोइन, स्मैक और सिंथेटिक नशे का अड्डा बना दिया है। 2022 में नशाखोरी के चलते हरियाणा में 73 लोगों ने आत्महत्या कर ली। जबकि पंजाब में यह आंकड़ा 54 और हिमाचल प्रदेश में 26 था। यानी दोनों पड़ोसी राज्यों के बराबर नशे की वजह से हरियाणा के लोग अपनी जान दे रहे हैं। कुल आत्महत्याओं की बात की जाए तो 2022 में हरियाणा में 3,783 आत्महत्याएं हुईं। आत्महत्या करने वाले 61 प्रतिशत लोग गरीब थे, जिनकी सालाना आय 1 लाख से कम थी।

रिपोर्ट बताती है कि प्रदेश में रोज 3 हत्याएं होती हैं। 2022 में 1020 लोगों की हत्या कर दी गई। दिन-दिहाड़े वारदातों के मामले में हरियाणा ने यूपी-बिहार को भी पीछे छोड़ दिया है। महाराष्ट्र के बाद ऐसी वारदातों में दूसरा नंबर हरियाणा का आता है। ज़हरीली शराब से मौतों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। 3 साल के भीतर हरियाणा में सोनीपत, पानीपत, अंबाला और यमुनानगर जैसे कांड हुए हैं जिनमें ज़हरीली शराब से दर्जनों लोगों की मौत हुई। सरकारी संरक्षण के बिना यह संभव नहीं है। बड़ी-बड़ी घटनाओं के बावजूद सरकार ने किसी बड़े नशा कारोबारी पर कार्रवाई नहीं की।

हुड्डा ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के बीच में चल रही खींचतान पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। पहले से ही प्रदेश का स्वास्थ्य तंत्र व कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। सरकार के भीतर खींचतान की वजह से यह और बिगड़ रही है। कांग्रेस इस मुद्दे को विधानसभा में जरूर उठेगी।

हुड्डा ने बताया कि सब्जी मंडी मार्केट कमेटी में काम करने वाले व्यापारियों का प्रतिनिधि मंडल उन्हें ज्ञापन देने पहुंचा था। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकाल के दौरान जिस मंडी फीस को खत्म कर दिया गया था, उसे बीजेपी-जेजेपी लगातार बढ़ा रही है। बिना उचित अध्ययन के ज्यादा फीस वसूली के लिए अनाप-शनाब स्लैब बना दिए गए हैं। हुड्डा ने कहाकि सब्जी और व्यापारियों पर बढ़ रही फीस के चलते आम जनता पर महंगाई की मार पड़ती है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव जारी है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का मूल्य बढ़कर 76 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 71 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शुक्रवार को दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 1.13 डॉलर यानी 1.53 फीसदी की उछाल के साथ 75.18 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.02 डॉलर यानी 1.47 फीसदी की बढ़त के साथ 70.35 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

देश की आर्थिक वृद्धि दर दूसरी तिमाही में दुनिया में सबसे अधिक : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश में आर्थिक हालात बेहतर हैं। सीतारमण ने राज्य सभा में देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भारत विश्व में विनिर्माण के क्षेत्र में दूसरा सबसे बड़ा आकर्षक स्थल है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर दुनिया में सबसे अधिक रही है। वित्त मंत्री ने देश में आर्थिक स्थिति पर हुई अल्पकालिक चर्चा का राज्य सभा में जवाब देते हुए कहा कि भारत पिछले 8 वर्षों में विश्व की 10वीं से 5वीं अर्थव्यवस्था पर आ गया है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर दुनिया में सबसे अधिक रही। निर्मला सीतारमण ने कहा कि अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे हैं।

उन्होंने सदन में मंगलवार को शुरू हुई बहस का जवाब देते हुए उद्योग जगत में देश की उपलब्धियां भी गिनाईं। वित्त मंत्री ने कहा कि इस वर्ष प्रत्यक्ष कर संग्रह में लगभग 22 फीसदी की वृद्धि हुई है जबकि जीएसटी का मासिक राजस्व संग्रह एक लाख साठ हजार करोड़ रुपये पर स्थिर रहा है। सीतारमण ने कहा कि पिछले आठ वर्ष में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। सीतारमण ने कहा कि बेरोजगारी दर 2017-18 में 17 दशमलव आठ फीसदी से घटकर दस फीसदी पर आ गई है। उन्होंने बताया कि महंगाई पर काबू पाने के लिए केंद्र सरकार ने कई उपाय किए है। सीतारमण ने कहा कि 2014 में घरेलू रसोई गैस कनेक्शन 14.5 करोड़ थे, जो अब बढ़कर 31.4 करोड़ हो गए हैं। इस तरह बीते 9 सालों में 16.9 करोड़ एलपीजी कनेक्शन बढ़े हैं। वहीं, पीएम किसान योजना के तहत 11 करोड़ लाभार्थियों को सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) विभिन्न योजनाओं को बस 'नाम के वास्ते' लेकर आई थी। उन योजनाओं को शुरू तो कर दिया गया था लेकिन ठीक तरीके से लागू नहीं किया। इसलिए वह आम आदमी तक नहीं पहुंची। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार न केवल नई योजनाएं लेकर आई, उन्हें इस तरह लागू किया गया जिससे आम आदमी का जीवन ही बदल गया।

निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री

दुनिया के 14वें सबसे धनी व्यक्ति बने गौतम अडाणी

नई दिल्ली। देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडाणी एक बार फिर दुनिया के टॉप 15 धनी लोगों की सूची में शामिल हो गए हैं। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के कारण जबरदस्त झटका झेलने वाले गौतम अडाणी की संपत्ति एक बार फिर 86.02 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। इस तरह अडाणी अब दुनिया के सबसे रईस व्यक्तियों की सूची में 14वें स्थान पर काबिज हो गए हैं। टोटल नेटवर्थ के मामले में अडाणी देश के सबसे धनी उद्योगपति मुकेश अंबानी से सिर्फ 6.2 अरब डॉलर पीछे हैं। मुकेश अंबानी फिलहाल 92.4 अरब डॉलर के टोटल नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे रईस लोगों की सूची में 13वें स्थान पर हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनर्स इंडेक्स की गुरुवार की रिपोर्ट के मुताबिक गौतम अडाणी का टोटल नेटवर्थ पिछले कारोबारी दिन बुधवार को 3.71 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 86.02 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि हिंडनबर्ग रिसर्च की विवादित रिपोर्ट आने के पहले गौतम अडाणी 120.5 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ दुनिया के टॉप 5 रईसों की सूची में शामिल हो गए थे, लेकिन हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा अडाणी ग्रुप के ऊपर ओवर प्राइसिंग करने और अकाउंटिंग में हेरा फेरी करने का आरोप लगाए जाने के बाद ग्रुप की कंपनियों के शेयरों को तगड़ा झटका लगा था। इसके कारण गौतम अडाणी का टोटल नेटवर्थ जोरदार गिरावट के साथ 60 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया था, लेकिन जैसे-जैसे हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में एकतरफा तरीके से अडाणी ग्रुप के खिलाफ दिए गए तथ्यों का खुलासा होता गया, वैसे-वैसे अडाणी ग्रुप की स्थिति में भी सुधार होता गया।

एलआईसी का बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ रुपये के करीब

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का शेयर 52 हफ्ते के उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही कंपनी का बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। शेयर बाजार में कारोबार के दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में कंपनी का शेयर 5.34 फीसदी चढ़कर 785.50 रुपये पर पहुंच गया जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में शेयर 5.25 फीसदी की बढ़त के साथ 785.15 रुपये रहा। एलआईसी का शेयर इस सप्ताह 19 फीसदी और चढ़ा है। एलआईसी बाजार पूंजीकरण के लिहाज से सार्वजनिक क्षेत्र की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। शेयर बाजार में कारोबार समाप्त होने पर एलआईसी का बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम 4.96 लाख करोड़ रुपये रहा है। गौरतलब है कि शेयर बाजार में लिस्टिंग के समय एलआईसी का बाजार पूंजीकरण करीब 5.48 लाख करोड़ रुपये था।

एक फरवरी के बजट में कोई बड़ी घोषणा नहीं : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण नेकहा कि लोकसभा चुनाव से पहले एक फरवरी 2024 को संसद में पेश किया जाने वाला बजट एक नियमित बजट नहीं होगा, बल्कि यह केवल लेखानुदान होगा। इसलिए सरकार कोई बड़ी घोषणा नहीं करेगी। इसके लिए आपको जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट का इंतजार करना होगा। सीतारमण ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित वैश्विक आर्थिक नीति मंच 2023 को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने कहा कि यह सच है कि एक फरवरी 2024 को जो बजट घोषित किया जाएगा वह सिर्फ 'वोट ऑन अकाउंट' होगा। सरकार जो बजट पेश करेगी, वह सिर्फ तब तक के लिए सरकारी खर्चों को पूरा करने के लिए होगा, जब तक कोई नई सरकार नहीं बन जाती। वित्त मंत्री ने कहा कि सीमा समायोजन कर लगाने का एकतरफा निर्णय 'ग्लोबल साउथ' के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सीमा पार (कर) लगाना और वह पैसा किसी और के हरित एजेंडे में लगाया जाना बिल्कुल भी नैतिक नहीं है। प्रत्येक देश को वैश्विक स्तर पर की गई हरित प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए संसाधन उत्पन्न करने की जरूरत होगी। वित्त मंत्री का यह बयान यूरोपीय संघ द्वारा कुछ क्षेत्रों से आयात पर कार्बन कर लगाने की घोषणा की पृष्ठभूमि में आया है।

हुंडई मोटर इंडिया एक जनवरी से बढ़ाएगी अपने वाहनों की कीमत

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने एक जनवरी 2024 से वाहनों की कीमत बढ़ाने का ऐलान किया है। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया है कि कीमत

में कितनी बढ़ोतरी होगी। हुंडई मोटर इंडिया ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि कीमतों में वृद्धि कच्चे दाम की बढ़ती लागत, प्रतिकूल विनिमय दर और अन्य कारणों के अलावा जिंस की कीमतों में वृद्धि है। एचएमआईएल के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने कहा कि कंपनी हमेशा लागत वृद्धि को यथासंभव हद तक वहन करने की कोशिश करती है। कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि ग्राहकों पर बोझ न पड़े। हुंडई ग्रैंड आई10 निओस से लेकर इलेक्ट्रिक एसयूवी आईओनक्यू5 तक वाहनों की एक शृंखला बेचती है। इनकी कीमत 5.84 लाख से 45.95 लाख रुपये के बीच है।

सरकार ने नेपाल को 20 टन गैर-बासमती चावल भेजने की अनुमति दी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नेपाल में भूकंप पीड़ितों के लिए दान के रूप में 20 टन गैर-बासमती चावल भेजने की अनुमति दी है। यह अनुमति भारतीय चावल निर्यातक संघ को दी गई है। इसके अलावा 5 अन्य देशों को 2.40 लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी गई है। यह छूट एक बार के लिए प्रदान की गई है। पिछले महीने पतंजलि आयुर्वेद को भी ऐसी ही छूट मिली थी।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि नेपाल भूकंप पीड़ितों को दान के तौर पर 20 टन गैर-बासमती सफेद चावल भेजने की अनुमति दी गई है। यह चावल के निर्यात के लिए भारतीय चावल निर्यातक संघ को निषेध से एक बार की छूट दी गई है। डीजीएफटी की एक अन्य अधिसूचना में कोमोरोस, मेडागास्कर, इक्वेटोरियल गिनी, मिस्र और केन्या सहित पांच देशों को 2.40 लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी गई है। कोमोरोस के लिए अधिसूचित आपूर्ति की मात्रा 20 हजार टन है। मेडागास्कर के लिए यह 50 हजार टन, इक्वेटोरियल गिनी के लिए 10 हजार टन, मिस्र के लिए 60 हजार टन और केन्या के लिए एक लाख टन है। डीजीएफटी ने अधिसूचना में कहा कि यह निर्यात नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के माध्यम से इन देशों को गैर-बासमती सफेद चावल का निर्यात अधिसूचित किया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने जुलाई में गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसकी वजह देश में चावल उत्पादन की स्थिति और कीमतों को नियंत्रित करना था।

दो दिन की गिरावट के बाद सोने में मामूली तेजी, चांदी में गिरावट जारी

नई दिल्ली। भारतीय सर्राफा बाजारों में लगातार दो दिन की कमजोरी के बाद आज सोने की कीमत में मामूली तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। हालांकि चांदी आज लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। आज की तेजी के बावजूद चेन्नई को छोड़ कर देश के दूसरे सभी सर्राफा बाजारों में सोना 63 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे ही कारोबार कर रहा है। सोने के भाव में मामूली सुधार के बावजूद दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी आज 100 रुपये लुढ़क कर 78,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 62,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 57,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 62,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 57,6000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 58,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा मुंबई में 24 कैरेट सोना 62,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 62,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 62,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 57,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 62,830 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है।

व्यंकटेश बने शिव नादर यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंट्रेप्रेन्योरशिप के डीन

नई दिल्ली। युवा उत्कृष्ट संस्थान शिव नादर यूनिवर्सिटी ने डा. सुंदरवर्धन व्यंकटेश को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंट्रेप्रेन्योरशिप के डीन के रूप में पदोन्नत किया है।

संस्थान ने आज यहां जारी बयान में कहा कि डा. व्यंकटेश की नई नियुक्ति

20 नवंबर, 2023 से प्रभावी है। डा. व्यंकटेश, यूनिवर्सिटी की कुलपति डा. अनन्या मुखर्जी को रिपोर्ट करेंगे। डा. व्यंकटेश, डा. बिबेक बनर्जी का स्थान लेंगे, जिन्होंने तीन साल तक स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंट्रेप्रेन्योरशिप के डीन के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

सरकार ने इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने के रस के इस्तेमाल पर लगाई रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चीनी की कीमतों पर नियंत्रण के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने चीनी मिलों को इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने के रस का इस्तेमाल न करने का निर्देश दिया है। दरअसल सरकार को चिंता है कि इससे चीनी उत्पादन गिर सकता है, जिससे कीमतें बढ़ जाएंगी।

केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने सभी चीनी मिलों और डिस्टिलरियों के प्रबंध निदेशकों और मुख्य कार्यपालक अधिकारियों को लिखे पत्र में इथेनॉल के उत्पादन के लिए गन्ने के रस का इस्तेमाल न करने का निर्देश दिया है। हालांकि, मंत्रालय ने पत्र में कहा है कि बी-हैवी शीरे से तेल विपणन कंपनियों को इथेनॉल की आपूर्ति जारी रहेगी। मंत्रालय ने चीनी (नियंत्रण) आदेश 1966 के खंड 4 और 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सभी चीनी मिलों और डिस्टिलरीज को यह निर्देश दिया है कि वे तत्काल प्रभाव से ईएसवाई (इथेनॉल आपूर्ति वर्ष) 2023-24 में एथनॉल के लिए गन्ने के रस यानी चीनी के रस का उपयोग न करें।

खाद्य मंत्रालय के पत्र में कहा गया है कि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को बी-हेवी शीरे से प्राप्त एथनॉल की आपूर्ति जारी रहेगी।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार का लक्ष्य पेट्रोल में 20 फीसदी तक इथेनॉल मिलाने का रहा है। इसके तहत सरकार कच्चे तेल के आयात को कम करना चाहती है। हालांकि, सरकार के इस फैसले के बाद शुगर स्टॉक्स में तेज गिरावट देखने को मिली है।

शेयर बाजार में 7 दिन से जारी तेजी पर लगा ब्रेक, गिर कर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। वीकली एक्सपायरी के दिन घरेलू शेयर बाजार में कंसोलिडेशन नजर आया। दिनभर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद 7 दिन से तेजी के रास्ते पर चल रहा शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। आज दिनभर के कारोबार में बिकवाली का दबाव बना रहा। हालांकि लिवालों ने कई बार खरीदारी का जोर बनाने की कोशिश की, लेकिन बिकवालों का दबाव लगातार बना रहा। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।आज के कारोबार में पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह पावर, सर्विसेज, यूटिलिटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में भी बढ़त बनी रही। दूसरी ओर, मेटल, एफएमसीजी, आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में गिरावट का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज लगातार खरीदारी होते रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। बाजार में गिरावट होने के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 1.32 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर पहली बार 350 लाख करोड़ के स्तर को पार करके 350.17 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) के स्तर पर पहुंच गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 348.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.32 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया।

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 3,885 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,197 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,568 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 120 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,126 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,193 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में और 933 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 40.42 अंक की तेजी के साथ 69,694.15 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 333.20 अंक टूट कर 69,320.53 अंक के स्तर पर आ गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसके कारण कुछ देर के लिए ये सूचकांक हरे निशान में भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद लिवालों और बिकवालों के बीच जारी खींचतान के कारण इस सूचकांक की चाल सीमित दायरे में ही ऊपर नीचे होते हुए आगे बढ़ती रही। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 132.04 अंक की कमजोरी के साथ 69,521.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

स्पाइसजेट निदेशक मंडल की बैठक 11 दिसंबर को, फंड जुटाने पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। विमानन कंपनी स्पाइसजेट के निदेशक मंडल की बैठक 11 दिसंबर को होगी। इस बैठक में तरजीही आधार पर कोष जुटाने के विकल्पों पर विचार किया जाएगा। स्पाइसजेट ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी का निदेशक मंडल 11 दिसंबर को होने वाली अपनी बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ तरजीही आधार पर इक्विटी शेयरों और परिवर्तनीय प्रतिभूतियों को जारी करके नई पूंजी जुटाने के विकल्पों पर चर्चा करेगा। इन प्रस्तावों पर कंपनी के शेयरधारकों और नियामक की मंजूरी अनिवार्य होगी। स्पाइसजेट के निदेशक मंडल की बैठक की घोषणा उन खबरों के बीच की गई है, जिनमें दावा किया गया था कि स्पाइसजेट के प्रवर्तक अजय सिंह 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने के लिए वैश्विक स्तर पर कई लोगों के साथ बातचीत कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि स्पाइसजेट एक कम कीमत वाली विमानन सेवा प्रदाता कंपनी है जिसका मालिकाना हक सन ग्रुप ऑफ़ इंडिया के पास है।

गुणों का खजाना है गाजर का जूस, जानें इसे डाइट में शामिल करने के ढेरों फायदे

सर्दियां आते ही कई सारी सब्जियां बाजार में मिलने लगती हैं जो हमें इस सीजन में हेल्दी बनाए रखने में मदद करती है। गाजर इन्हीं में से एक है जो एक रूट वेजिटेबल है जिसे लोग कई तरह से अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं। कई लोग गाजर का जूस पीना भी पसंद करते हैं। आइए जानते हैं इसके कुछ फायदे-

सर्दियों में कई तरह की सब्जियां हमारी डाइट का हिस्सा होती हैं। गाजर इन्हीं सब्जियों में से एक है, जिसे सर्दियों में लोग कई तरीकों से अपनी डाइट में शामिल करते हैं। यह एक रूट वेजिटेबल है, जो कई पोषक तत्वों से भरपूर है। आमतौर पर यह नारंगी रंग की होती है, लेकिन पीली, बैंगनी या लाल भी हो सकती हैं। गाजर बहुत स्वास्थ्यवर्धक होती है और बीटा-कैरोटीन (जो शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है), फाइबर, विटामिन च1, पोटेशियम और एंटीऑक्सिडेंट जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इतना ही नहीं यह कम कैलोरी और लो फैट वाला भोजन भी हैं। लोग गाजर को कई तरीकों से खाना पसंद करते हैं। सलाद, सब्जी और अचार के अलावा लोग गाजर का हलवा भी बड़े शौक से खाते हैं। हालांकि, इसका जूस भी स्वादिष्ट होने के साथ ही सेहत के लिए काफी लाभकारी है। अगर आप इसके फायदों से अब तक अनजान है, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे गाजर का जूस पीने के हैरान करने वाले फायदे-

दिल-दिमाग के लिए गुणकारी

गाजर के जूस में मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे आपके दिल को काफी फायदा मिलता है। साथ ही गाजर के एंटीऑक्सीडेंट दिल की बीमारी के खतरे को भी कम कर सकते हैं।

पाचन बेहतर करे

अगर आप अपने पाचन को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो गाजर का जूस आपके लिए एक बढ़िया विकल्प है। इसमें मौजूद फाइबर बेहतर पाचन तंत्र को सपोर्ट करता है। फाइबर मल त्याग को नियंत्रित करके कब्ज से बचाने में मदद कर सकता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

गाजर का रस पीने से त्वचा को समय से पहले बूढ़ा होने से रोका जा सकता है। यह आपकी त्वचा को सूरज की किरणों से होने वाले नुकसान से बचाता है और आपकी स्किन को प्राकृतिक चमक देता है।

आंखों के लिए गुणकारी

गाजर विटामिन ए का एक बेहतरीन स्रोत है, जो हमारी आंखों के लिए काफी लाभकारी होता है। यही वजह है कि गाजर का जूस न सिर्फ पीने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसके कई आश्चर्यजनक स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं।

एंटीऑक्सीडेंट गुण

गाजर में बीटा-कैरोटीन जैसे एंटीऑक्सीडेंट शामिल होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर

गाजर के रस में विटामिन और मिनरल समेत आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जो इम्युनिटी बढ़ाने के साथ ही सेहत को अन्य फायदे भी पहुंचाते हैं।

चुनाव नतीजों के बाद मुख्यमंत्रियों की पसंद पर ध्यान केंद्रित

कड़े दल-बदल विरोधी कानूनों के बावजूद, विधायकों को पाला बदलने के लिए बड़ी रकम का प्रलोभन दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर जीतने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है। राजनीतिक दल सरकार छीनने के लिए जरूरी विधायकों को खरीदने के लिए भांति-भांति के हथकंडे अपनाते हैं। भाजपा अपनी सफलता से उत्साहित है और चिंतित भी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद नये मुख्यमंत्री कौन होंगे, इसे लेकर अटकलें तेज हैं। भाजपा ने तीन और कांग्रेस ने एक राज्य में जीत हासिल की है। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को हराकर जीत हासिल की है।

हालांकि भाजपा ने उत्तर भारत में खुद को मजबूत कर लिया है, दक्षिण में उसे अभी भी पैर जमाना बाकी है। भाजपा की सफल चुनावी रणनीति ने उसके समर्थकों को एकजुट किया और आंतरिक संघर्षों को कम किया। संसद सदस्यों को उम्मीदवार के रूप में खड़ा करने से पार्टी को तीन प्रमुख राज्यों में आंतरिक तोड़फोड़ को कम करने में मदद मिली।

अपने मजबूत स्थानीय नेतृत्व के कारण कांग्रेस को तेलंगाना में बढ़त मिली। पार्टी को कई नेताओं के दलबदल से भी बहुत फायदा हुआ, जो इसे एक व्यवहार्य दावेदार के रूप में देखने लगे, खासकर कर्नाटक में इसकी सफलता के बाद। एक बार जब यह स्पष्ट हो गया कि यह सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) के लिए एक गंभीर चुनौती है, तो मतदाता कांग्रेस की ओर स्थानांतरित हो गये। भाजपा और कांग्रेस ने चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की। दोनों पार्टियों को यह तय करना होगा कि स्थापित नेताओं को जारी रखना है या नये नेतृत्व की तलाश करनी है। कांग्रेस को तय करना होगा कि रेवंत रेड्डी को नियुक्त किया जाये या किसी नये चेहरे को।भाजपा के पास कई संभावित उम्मीदवार हैं, इसलिए मुख्य सवाल यह है कि नये नियमों को कैसे लागू किया जाये। भाजपा वसुन्धरा राजे, शिवराज सिंह चौहान और रमन सिंह जैसे पुराने नेताओं को चरणबद्ध तरीके से बाहर करने के पक्ष में है, जो अपनी पारी खेल चुके हैं। नये उम्मीदवारों का चयन करते समय एक अन्य महत्वपूर्ण कारक उनकी जाति है। जातियों का विविध मिश्रण आवश्यक है, इसे राजपूतों या अगड़ी जातियों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। साथ ही उनके प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जायेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्यों के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार चाहते हैं। हैट्रिक लगाने के लिए यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।उदाहरण के तौर

पर मध्य प्रदेश पर नजर डालते हैं। सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों में से एक, शिवराज सिंह चौहान पद पर बने रहने के लिए तैयार हैं। मध्य प्रदेश में एक कार्यक्रम के दौरान, चौहान ने जनता से उनकी राय भी मांगी कि क्या उन्हें निर्वाचित होने पर फिर से मुख्यमंत्री पद के लिए खड़ा होना चाहिए।मध्य प्रदेश में शीर्ष पद के लिए कई संभावित उम्मीदवार हैं। इनमें तीन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, फग्गन सिंह कुलस्ते और प्रह्लाद पटेल शामिल हैं, जो कई विकल्प प्रदान करते हैं। पार्टी के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और कमल नाथ सरकार को गिराने में मदद करने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी संभावित उम्मीदवारों की सूची में हैं। राजस्थान में प्रमुख उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे होंगी। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव और अश्विनी वैष्णव, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्री अर्जुन मेघवाल और महंत बालकनाथ भी दौड़ में हैं।राजवर्धन राठौड़ राजपूत हैं और कई बार कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। सतीश पूनिया ने राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं जब पार्टी सत्ता से बाहर थी। 2023 की शुरुआत में, ब्राह्मण समुदाय से आने वाले दो बार के सांसद सी.पी. जोशी ने पूनिया की जगह राज्य भाजपा अध्यक्ष पद संभाला। गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, नई पीढ़ी के भाजपा नेता, राजस्थान में मुख्य मंत्री पद के संभावित उम्मीदवार हैं।

छत्तीसगढ़ में भी पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह सबसे आगे हैं। 2018 तक 15 वर्षों तक छत्तीसगढ़ पर शासन करने वाले बीएएमएस डॉक्टर रमन सिंह राज्य में पार्टी का सबसे पहचाना चेहरा हैं। 2003 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बनने से पहले वह केंद्रीय मंत्री थे। हालांकि, पिछले पांच वर्षों में उन्हें दरकिनार कर दिया गया है।विष्णुदेव साव भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। उनकी छवि साफ-सुथरी है वह आरएसएस परिवार से आते हैं और महत्वपूर्ण नेता बनकर उभरे हैं। भरतपुर-सोनहत निर्वाचन क्षेत्र से एक प्रमुख आदिवासी नेता, केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह एक और विकल्प हैं।कांग्रेस को अपनी ओर से तेलंगाना में पार्टी को एकजुट रखने के लिए एक नेता चुनना होगा। बी.आर.एस. के नेता के.चंद्रशेखर राव, अन्य दलों के सदस्यों को लुभाने की अपनी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से, कांग्रेस ने अपने झुंड की रक्षा करने की क्षमता खो दी है। यह गोवा, कर्नाटक और अन्य राज्यों में दिखाई दिया।

तेलंगाना में रेवंत रेड्डी सबसे संभावित उम्मीदवार हैं। वह मजबूत रेड्डी परिवार से हैं और उनकी कार्यशैली के लिए पार्टी के भीतर से आलोचनाओं के बावजूद उन्हें कांग्रेस नेतृत्व का पूरा समर्थन प्राप्त था। उन्होंने एक छात्र नेता के रूप में ए.बी.वी.पी. से शुरूआत की और शीर्ष पर चले गये।

रेड्डी को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें 2024 में लोकसभा चुनाव में अधिक सीटें जीतना भी शामिल है। हालांकि, उनके लिए अपनी पार्टी को एकजुट रखना अधिक महत्वपूर्ण है। हाल ही में, अस्थिरता की शुरुआत खरीद-फरोख्त से हो चुकी है, जो सरकार बनने के तुरंत बाद शुरू हो जाती है।कड़े दल-बदल विरोधी कानूनों के बावजूद, विधायकों को पाला बदलने के लिए बड़ी रकम का प्रलोभन दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर जीतने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है। राजनीतिक दल सरकार छीनने के लिए जरूरी विधायकों को खरीदने के लिए भांति-भांति के हथकंडे अपनाते हैं।भाजपा अपनी सफलता से उत्साहित है और चिंतित भी और इसलिए उसने 2024 चुनावों के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है।

संपादकीय

किताब के बहाने डॉ कफील को घेरने की कोशिश

साल 2017 में गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण बच्चों की मौत के बाद चर्चा में आए डॉ कफील खान एक बार फिर सुर्ख़ियों में हैं। उनके और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ उस किताब को लेकर मामला दर्ज किया गया है, जो डॉ कफील ने दो साल पहले द गोरखपुर हॉस्पिटल ट्रेजेडी = अ डॉक्टर्स मेमॉयर ऑफ़ अ डेडली मेडिकल क्राइसिस शीर्षक से लिखी और प्रकाशित करवाई थी।

लखनऊ के एक व्यापारी मनीष शुक्ला ने पुलिस को की गई अपनी शिकायत में कहा है कि इस किताब के जरिए राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने और केंद्र के खिलाफ बातें कही गई हैं। शुक्ला ने आरोप लगाया है, कि लोगों को सरकार के ख़िलाफ़ भड़काने और समाज में विभाजन पैदा करने के लिए डॉ. कफ़ील ख़ान द्वारा लिखी गई किताब बांटी जा रही है। भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के उल्लंघन के तहत दर्ज शिकायत के अनुसार, डॉ. कफील खान की किताब उनके समर्थकों को धन जुटाने और अपनी बगुनाही साबित करने के लिये बेची जा रही है।एक खबरिया वेबसाइट के मुताबिक मनीष शुक्ला ने बताया है कि उसने चार-पांच लोगों को फोन पर इस साज़िश के बारे में चर्चा करते हुए सुना। जबकि दूसरी वेबसाइट ने शिकायत का संदर्भ देते हुए लिखा है कि मनीष शुक्ला 1 दिसंबर को किसी काम से माताजी की बगिया गए थे। वहां गुमटी के पीछे चार-पांच लोग बातचीत कर रहे थे। वे सभी राज्य सरकार, उनके मंत्रियों व वरिष्ठ अफसरों को लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। वे कह रहे थे कि डॉ कफील ने गुप्त रूप से एक किताब छपवाई है, उसे प्रदेश भर में बांटा जा रहा है। वे लोग को किताब लोकसभा चुनाव से पहले समुदाय विशेष के हर शख्स तक पहुंचाने की बात कर रहे थे और कह रहे थे कि किसी भी कीमत पर सरकार को उखाड़ फेंकना है, चाहे इसके लिए दंगा ही क्यों न करवाना पड़े। शुक्ला ने कहा कि साजिश करने वाले अपनी बातें सुने जाने की भनक लगते ही मौके से भाग खड़े हुए। इस प्रकरण पर आज़ाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर- जो खुद भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं, ने सवाल उठाया है।

उन्होंने कहा है कि जानबूझकर परेशान करने के लिए यह एफआईआर दर्ज की गई है और कई ऐसी धाराएं लगाई गई है जो स्वयं मामला दर्ज करने के लिए दी गई तहरीर से ही नहीं बनती हैं। इनमें कूटरचना से जुड़ी धाराएं, 465, 467, 471 और किसी पूजा स्थल को क्षतिग्रस्त करने से जुड़ी धारा 295 शामिल है।

श्री ठाकुर ने कहा कि किताब को चोरी-छिपे छपवाये जाने का आरोप भी पूरी तरह गलत दिखाई पड़ता है क्योंकि वह तो ऑनलाइन उपलब्ध है। ऐसा मालूम होता है कि सत्ताधारी पार्टी के विरोध में पुस्तक लिखने के कारण डॉ. कफील के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है। कृष्णा नगर थाने के एसएचओ जितेंद्र प्रताप सिंह ने भी कहा कि अभी तक किताब में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है। आज़ाद अधिकार सेना के अध्यक्ष और एसएचओ- दोनों के कथन से साफ़ है कि डॉ. कफील को फिर बलि का बकरा बनाने की कोशिश की जा रही है। वेबसाइट %द क्विंट% से बातचीत में डॉ कफील खान ने कहा भी कि %आप देखिए, चुनाव आ रहे हैं और एक पंचिंग बैग की ज़रूरत है। वे ज़ाहिर तौर पर फिल्म के लिए शाहरुख़ खान को तो नहीं छू सकते, लेकिन मेरे ख़िलाफ़ तो कार्रवाई कर सकते हैं।% मालूम हो कि डॉ. कफील ने कुछ दिन पहले ही शाहरुख खान की फ़िल्म जवान का एक हिस्सा अपनी किताब से प्रेरित बताया था और उसके लिये शाहरुख को धन्यवाद भी दिया था।ये पहली बार नहीं है जब सरकार से असहमत या उसके विरोधी किसी व्यक्ति के ख़िलाफ़ केवल शक या सुनी सुनाई बातों की बिना पर कार्रवाई कर दी गई हो। खुद डॉ कफील अपने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में महीनों जेल में रहे और फिर अदालत ने बाइज्ज़त उनकी रिहाई का हुक्म दिया। अभी भी कई मामले उनके ख़िलाफ़ चल रहे हैं। सवाल ये है कि उनकी किताब जब दो साल से ऑनलाइन ही सही, बाज़ार में है और ऐसी है कि उससे किसी सरकार को ख़तरा पैदा हो सकता है तो इतने दिन प्रशासन और पुलिस चुप क्यों बैठे रहे?जिस देश में ज़रा ज़रा सी बात पर लोगों की भावनाएं आहत होने के मामले फ़ौरन कायम हो जाते हैं, सरकार के ख़िलाफ़ बोलने वालों को नक्सली या आतंकवादी बता दिया जाता है, क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरे देश की जीत पर लोग बिना देर किये गाली-गलौज करने लगते हैं और उस देश की टीम के कप्तान की पत्नी और बेटी से बलात्कार की धमकी देने लगते हैं, वहां एक %ख़तरनाक% किताब को दो साल तक क्यों बर्दाश्त किया जाता रहा? क्या शिकायत करने वाले ने उस किताब को खुद पढ़ा भी है या महज खुसुर-पुसुर सुनकर उसने किताब के बारे में धारणा बना ली? या फिर शुक्ला जी को शरलक होम्स समझकर उनकी बात को सच मान लिया गया? कहीं ऐसा तो नहीं कि डॉ. कफील को ताउम्र सलाखों के पीछे न रख पाने की खुन्नस उनकी किताब के बहाने निकाली जा रही हो?

आसमान में सूराख कैसे करेगी कांग्रेस

कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है।

छह दिसंबर 1992 का दिन था, जब ऐतिहासिक बाबरी मस्जिद को तोड़कर, भाजपा की सत्ता की नींव देश में मजबूती से रख दी गई थी। अब उस जगह पर भव्य राम मंदिर बन कर लगभग तैयार है, जिसका उद्घाटन कर अगले कई दशकों तक भाजपा अपनी सत्ता को पक्का बना लेना चाहती है। 1956 के बाद 1992 को बाबा अंबेडकर की दोबारा मौत हुई थी। एक बार स्वाभाविक मृत्यु आने के बाद, दूसरी बार बाबा साहब के सपनों को कुचलकर मौत देने से उन्हें कितनी तकलीफ हुई होगी, यह बताने के लिए वे भौतिक तौर पर उपस्थित नहीं हैं। लेकिन आसपास नजर उठाकर देख लीजिए, गैरबराबरी के शिकार लोगों की तकलीफें उसी पीड़ा को अभिव्यक्त करेंगी, जो डॉ.अंबेडकर और पूरी संविधान सभा के लोगों को हुई होगी। छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद प्रत्यक्ष तौर पर तोड़ी गई थी, मगर उसके साथ-साथ संविधान को भी तहस-नहस किया गया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, भाजपा और यहां तक कि कांग्रेस में भी बहुत से लोग होंगे, जो इस दिन को भारत के लिए गौरवशाली मानते होंगे, मगर आने वाली पीढ़ियां शायद इस बात को समझेंगी कि संवैधानिक मूल्यों को सहेज कर न रख पाने की कितनी बड़ी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है।

अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म हुए हैं और इसके बाद आम चुनाव की चर्चा तेज हो गई है। पांच में से तीन राज्यों में जीत कर भाजपा अब हैट्रिक की बात करने लगी है। ये हैट्रिक तीन राज्यों की जीत की नहीं, बल्कि सत्ता में लगातार तीसरी बार आने के लिए कही जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो इस बार लालकिले से ही ऐलान कर दिया था कि मैं ही अगली बार भी झंडा फहराने आऊंगा। तब विधानसभा चुनाव होने वाले थे और उससे पहले कर्नाटक में भाजपा मात खा चुकी थी, फिर भी श्री मोदी इस तरह के दावे कर रहे थे और अब तो तीन जीतों के साथ यह दावा और पुख्ता हो गया है। हालांकि ये बात तब भी लोकतंत्र के खिलाफ थी और अब भी है कि बिना चुनाव हुए ही, किसी की जीत या सत्ता वापसी की मुनादी कर दी जाए।दरअसल अब चुनाव में प्रचार और रणनीतियां जमीनी तौर पर कम और दिमागी तौर पर अधिक असर करने वाली बनाई जाने लगी हैं। यह हिटलर के सहयोगी गोएबल्स का तरीका है कि किसी झूठ को सौ बार दोहराओ तो वो सच लगने लगता

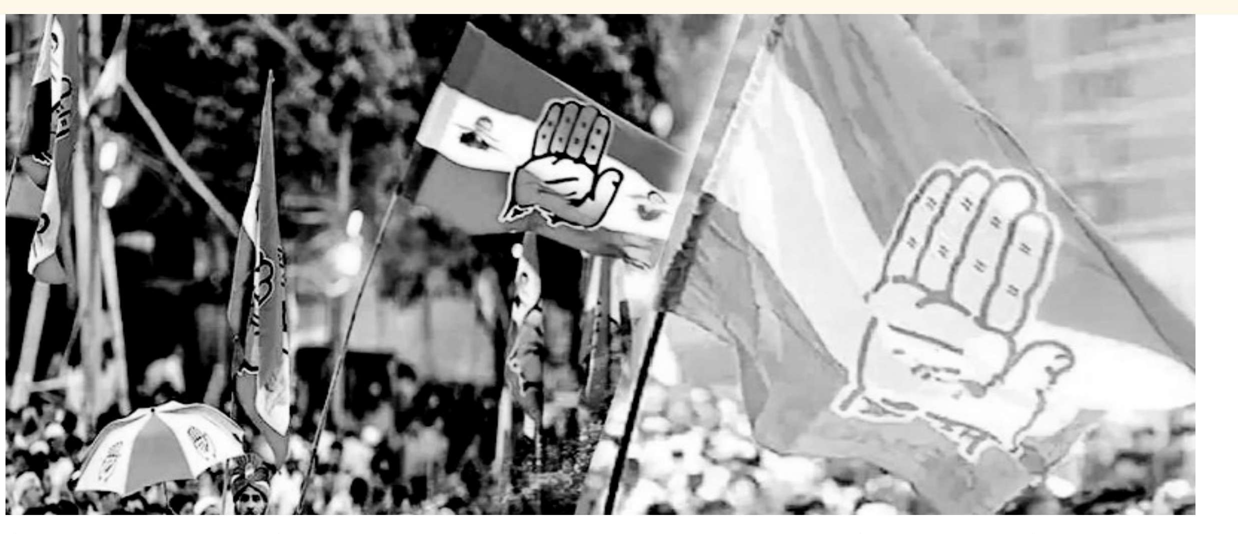

है। इस समय देश में भी झूठ और सच सब आपस में गड्ड-मड्ड हो गए हैं। फिलहाल सच यही है कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस का शोर होने के बावजूद भाजपा जीत गई है। बताया जा रहा है कि इस जीत पर अंदरखाने भाजपा के लोगों को भी यकीन नहीं हो रहा है। मध्यप्रदेश में पिछली बार भी कांग्रेस की जीत हुई थी और उसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के कारण सत्ता हाथ से निकल गई थी।

कांग्रेस को उम्मीद थी कि इस सत्ता चोरी का जवाब जनता उसके हक में देगी। खुद श्री सिंधिया के साथ गए कई पूर्व कांग्रेसियों ने घरवापसी कर ली थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम लेने से बचते रहे। जब उम्मीदवार खड़े करने की बारी आई तो भाजपा ने सात सांसदों को मैदान में उतारा। इस बीच आदिवासी पेशाब कांड, महाकाल में मूर्तियों का गिरना, तरह-तरह के घोटाले और धांधलियों के कारण भाजपा की छवि खराब हुई।इन सबसे यही समझ आ रहा था कि जीत कांग्रेस को ही मिलने वाली है। लेकिन कांग्रेस की यह उम्मीद झूठी साबित हुई। या तो कांग्रेस अतिआत्मविश्वास और कमलनाथ पर यकीन करने का शिकार हो गई, या फिर जैसा आरोप लगाया जा रहा है ईवीएम की गड़बड़ी के कारण उसे हार मिली। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ईवीएम में धांधलियों की शिकायत कर रहे हैं। लेकिन एक सच ये भी है कि मध्यप्रदेश में नरोत्तम मिश्रा जैसे नेता भी हार गए हैं। तो क्या ईवीएम की गड़बड़ी भी सोच-समझकर की गई है। ईवीएम को लेकर शिकायतें एक साल की बात नहीं है, हर साल, हर चुनाव में ईवीएम पर कई सवाल उठते हैं। चुनाव आयोग इस पर अडिग है कि ईवीएम में छेड़छाड़ नहीं हो सकती।भाजपा भी ईवीएम को लेकर सकारात्मक है, लेकिन कांग्रेस को शिकायत है और उसे लोकतंत्र पर ईवीएम से खतरा दिखाई दे रहा है तो फिर इस पर केवल रोना रोने से बात नहीं बनेगी। कांग्रेस को जमीन पर उतरकर बड़ा आंदोलन करना चाहिए। और इसका भी जिम्मा राहुल गांधी पर न छोड़कर उन नेताओं को सामने आना चाहिए, जिन्होंने सालों-साल कांग्रेस की सत्ता का सुख भोगा है। अन्ना हजारे से और कोई सबक कांग्रेस ने भले न लिया हो, शहीद होने की मुनादी करते हुए आंदोलन खड़ा करने का सबक तो ले ही लेना चाहिए।

अन्ना तो गांधी के नाम को भाजपा के हक में इस्तेमाल कर गए और कांग्रेसी हाथ मलते रह गए। ईवीएम की जगह मतपत्रों से चुनाव करवाने की मुहिम छेड़ते हुए अगर अभी से आमरण अनशन पर बड़े कांग्रेस नेता बैठ जाएं, तो क्या इसका असर देश भर में नहीं जाएगा। राहुल गांधी ने तो 4 हजार किमी कदमों से नाप लिए, क्या दूसरे कांग्रेस नेता आमरण अनशन करने का कष्ट नहीं उठा सकते। अगर केवल समय बिताने के लिए शिकायतें करनी हैं, तब तो कोई बात नहीं। लेकिन अगर वाकई सूरत बदलनी है, आसमान में सूराख करना है तो पत्थर तबियत से उछालना ही होगा।मध्यप्रदेश में भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने के साथ छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी सरकार बनाने में कामयाब हो गई। क्योंकि इन दोनों राज्यों में भी भाजपा को बहुत हल्के तरह से कांग्रेस लेती रही। दिल बहलाने को अब आंकड़े पेश किए जा रहे हैं कि कांग्रेस को मिजोरम छोड़ बाकी चारों राज्य मिलाकर 4,90,77,907 और भाजपा को 4,81,33,463 वोट मिले।

लेकिन जब खेल सीटों की गिनती का है, तो वहां वोटों की गिनती करने से क्या फायदा। कई बार बुद्धिमान विद्यार्थी सब कुछ जानते हुए भी सही तरह से पांच सवाल हल नहीं करता है और वहीं सामान्य बुद्धि लगाकर कोई औसत छात्र उन्हीं पांच महत्वपूर्ण सवालों पर पूरा ध्यान देकर सही जवाब लिखता है और प्रथम आ जाता है। अब आप शिकायत करते रहिए कि ये उससे होशियार है, लेकिन जहां अंकों की लड़ाई है, वहां अंक ही ज्यादा लाने होंगे, बुद्धि दिखाने से कुछ नहीं होगा। तो मौजूदा राजनीति का एक कड़वा सच यही है कि कांग्रेस अपने गौरवशाली इतिहास, गांधी, नेहरू की विरासत, राहुल गांधी की मेहनत, उनकी जनपक्षधरता सबका लाभ होने के बावजूद जनता की नब्ज पकड़ने वाले मुद्दों को नहीं समझ पाती और भाजपा उन्हीं मुद्दों के आधार पर चुनाव में अधिक सीटें ले आती है। अपनी बुद्धि के कारण प्रथम आने का मौका छात्र ने गंवा दिया और अबभी सही सवाल पर फोकस नहीं कर पा रही है।कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है। राहुल गांधी जिस सामाजिक न्याय की बात करते रहे हैं, उसे कांग्रेस के सभी लोगों को एक साथ पूरे देश में प्रचारित-प्रसारित करने की जरूरत है। राहुल गांधी जिस अहंकार को छोड़ने की सलाह श्री मोदी को देते आए हैं, उस सलाह पर कांग्रेस के भी कई नेताओं को अमल करने की जरूरत है।

भाजपा तीसरी बार भी सत्ता में आने का दावा करके मतदान से पहले ही जनता को संदेश दे रही है कि उसका वोट मिले न मिले, सरकार भाजपा की ही बनेगी। ये मामूली चुनौती नहीं है। कांग्रेस केवल शिकायतों के आधार पर इसका मुकाबला नहीं कर पाएगी। पिछले 10 सालों में कांग्रेस ने देख लिया है कि संवैधानिक संस्थाएं, मीडिया और काफी हद तक न्यायतंत्र भी भाजपा के पक्ष में ही झुका हुआ है। तो इस बड़ी चुनौती के लिए जवाब भी बड़ा ही तैयार करना होगा।

एक जन्नत की सैर पचमढ़ी

मध्य प्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी की खूबसूरती और यहां की आबोहवा सर चढ़ कर बोलती है। आप एक बार यहां पहुंचें कि यहां की खुशबूदार हवा, फाउंटेन, मनमोहक पेड़-पौधे, पहाड़ और दूर-दूर तक चारों तरफ फैली हरियाली आपकी आंखों के सामने नैसर्गिक सौंदर्य का संसार प्रस्तुत कर देगी।

अतुल्य भारत..! वाकई, जिसने भी कहा, यूं ही नहीं कहा। अपनी गोद में अप्रतिम सौन्दर्य और प्राचीन विरासत को समेटे यह शुरू से ही लोगों को आकर्षित करता रहा है। बिल्कुल ऐसा ही अहसास होता है मध्य प्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी पहुंच कर। अगर आप यहां नहीं आए हैं तो नाम तो सुना ही होगा। और अगर आए हैं तो मध्य प्रदेश की सरजमीं पर बैठी स्वर्ग-सी लगती यह जगह आपकी स्मृतियों में निश्चित रूप से आज भी बसी होगी। पचमढ़ी, जहां पहुंच कर आप कश्मीर जैसी खूबसूरती और पोखरा (नेपाल) जैसी शांति पाएंगे। यहां इतिहास, कुदरत और प्रकृति का अद्भुत संगम है। लगभग 60 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले पचमढ़ी को लोग सतपुड़ा की रानी के नाम से भी जानते हैं। समुद्र तल से 1100 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर की आबादी लगभग 12 हजार है और उसमें भी भारतीय सेना की संख्या ज्यादा है, क्योंकि यह पूरा एरिया सैनिक छावनी है। यहां की जीवनशैली आज भी बाहरी चकाचौंध से अछूती है। अगर आप भी कुदरत के सौन्दर्य को प्रेम करते या करना चाहते हैं तो उठाइए अपना ट्रेवल बैग और पहुंच जाइए इस छोटी-सी सैरगाह में, सुकून और प्रदूषणरहित वातावरण में कुछ पल बिताने के लिए।

जैसे-जैसे पचमढ़ी की ओर बढ़ते जाएंगे, ठंडी हवा के झोंके आपके तनमन को छूते हुए आपको रोमांचित करते जाएंगे। यकीन मानिए, रास्ते में आने वाले ढाबे पर मिलने वाली गर्मागर्म चाय की चुस्कियों के साथ यात्रा का आनंद और भी बढ़ता जाएगा। यहां पर आपको जैन, वैष्णो और स्थानीय व्यंजनों का भरपूर लुफ्त उठाने का मौका मिलेगा।

शहरी आबादी को छोड़ कर जैसे ही गाड़ी पहाड़ों में प्रवेश करती है आपको प्राकृतिक जल-प्रपात, घने जंगल और दुर्लभ किस्म के पेड़ दिखने लगते हैं, जिन्हें देख कर बरबस ही आपके मुंह से तारीफ निकल पड़ेगी।

इस यात्रा के साथ जुड़ी एक खास बात और है। यहां आने वाला हर यात्री पंचमढ़ी के रास्ते में पड़ने वाले बीड़ी बाबा की मजार पर रुके बिना आगे नहीं बढ़ता। ऐसी मान्यता है कि बाबा को बीड़ी की भेंट चढ़ाए बिना अगर यात्रा शुरू की जाती है तो कोई न कोई अनहोनी जरूर होती है। बहुत कम लोग यह जानते हैं कि पचमढ़ी का नाम पचमढ़ी कैसे पड़ा। यहां पांच गुफाएं हैं, जिन्हें पांडव गुफा कहा जाता है, जहां पांडवों ने अपने अज्ञातवास के कुछ दिन बिताए थे। पंच+मढ़ी यानी पांच गुफाएं। बाद में यह पचमढ़ी नाम ही चलन में आ गया। आप यहां गुप्त महादेव, जटा शंकर, धूपघड़ी, हांडी खोह, बी फॉल, पंचमढ़ी हिल, अप्सरा फॉल, रीछ गढ़, रजत प्रपात, पिकादेली सर्कस, भारतीय सैनिक म्यूजिक स्कूल जैसी तमाम जगहें देख सकते हैं। गुप्त महादेव में आपको अद्भुत शांति और सौंदर्य का आनंद मिलेगा। एक और खास बात, जो आपको यहां देखने को मिलेगी, वो है भगवान राम के दूत बन्दर, लेकिन उनसे परेशानी महसूस नहीं होगी। जब आप यहां पहुंचे हैं तो बोटिंग का भी लुत्फ उठा ही लें। अद्भुत सौंदर्य बिखेरती यहां की शाम भी हर टूरिस्ट को आकर्षित करती है। सतपुड़ा की चोटी से डूबते सूरज का धरती के आगोश में जाने का नजारा आपकी जिंदगी का सबसे खूबसूरत और यादगार नजारा बन जाएगा। सतपुड़ा में आने के बाद अगर आपकी किस्मत अच्छी रही तो जंगल के सबसे खूबसूरत प्राणी बाघ के दर्शन हो जाएंगे, क्योंकि सतपुड़ा बाघों के लिए सुरक्षित है।

आप पूरे साल यहां आ सकते हैं, पर सबसे उपयुक्त समय अक्टूबर से मई के बीच का है। आप अपने साथ यहां आते समय एक जोड़े स्पोर्ट्स जूते रखना ना भूलें, क्योंकि पहाड़ी रास्तों पर चलने के लिए उनकी जरूरत पड़ती है। यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा भोपाल में है, जो 195 किलोमीटर की दूरी पर है। दिल्ली, मुंबई, जबलपुर और इंदौर से भोपाल तक लगातार विमानों की सुविधा उपलब्ध है। हवाई जहाज के अलावा यहां ट्रेन और बस से भी पहुंचा जा सकता है। ट्रेन मार्ग से अगर आप दिल्ली से अपना सफर शुरू करते हैं तो भारतीय रेल आपका साथ हबीबगंज (पिपरिया) तक देगी। उसके बाद का सफर टैक्सी और बस के जरिए पूरा किया जा सकता है। किराए पर आपको जिप्सी इत्यादि आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे।

कैसे पहुंचें

वायु मार्ग : नजदीकी हवाई अड्डा भोपाल में है, जो यहां से 195 किलोमीटर है। भोपाल से सड़क मार्ग द्वारा यहां पहुंचने में 5-6 घंटे लग जाते हैं।

रेलमार्ग : नजदीकी रेलवे स्टेशन देवरिया सिर्फ 47 किलोमीटर की दूरी पर है, जहां से आप टैक्सी लेकर पचमढ़ी पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग : पचमढ़ी भोपाल, नागपुर, पिपरिया और होशंगाबाद से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है और यहां के लिए नियमित बसें चलती हैं।

कहां ठहरें : पचमढ़ी में ठहरने की बहुत अच्छी व्यवस्था है। टूरिस्ट बंगले, हॉलीडे होम्स और कॉटेज तो हैं ही, सस्ते-सस्ते रेस्ट हाउस भी हैं, जो आपके बजट में रहेंगे।

केरल का खूबसूरत हिल स्टेशन मुन्नार

केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है मुन्नार। यहां पर्यटक प्रकृति की खूबसूरती का आनंद ले सकते हैं। मुन्नार को ईश्वर का देश भी कहा जाता है। खूबसूरती ऐसी कि जैसे यह धरती के स्वर्ग की तरह लगता है। समुद्रतल से 1,700 मीटर ऊपर मुन्नार का दक्षिणी-पश्चिमी मैदानी इलाका ऐसा लगता हैं, जैसे मैदानों पर तरंगें तैर रही हैं। मुन्नार को चाय के बागानों का शहर भी कहा जाता हैं। यहां चाय के कई बगीचे भी देखने को मिल जाएंगे।

देखने लायक जगह-

अगर आप रोमांचक खेल के शौकीन हैं तो मुन्नार में आपके लिए बहुत कुछ है। जैसे ट्रैकिंग, पारा ग्लाइडिंग, रोप क्लाइबिंग और हाइकिंग। मुन्नार में देखने लायक जगह हैं राजमाला, चितीरापुरम और इकोपाइंट। मुन्नार में पर्यटकों के लिए आकर्षण है- मट्टुपेटी बांध। मुन्नार की असली सुंदरता पोतैमेदु में है, जो एक महत्वपूर्ण बागान है। मन को सम्मोहित करने वाली झीलें और घने जंगल यहां की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं।

मुन्नार पहाड़ों से तीन तरफ यानी मुद्रापजा, नल्लतनी और कंडाला से घिरा है। किसी समय मुन्नार ब्रिटिश सरकार का दक्षिणी भारत का गर्मियों का रिजार्ट हुआ करता था। मुन्नार की खूबसूरती शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।

मुन्नार का रोमांचक इतिहास

यहां का इतिहास काफी रोमांचक है। यहां कभी ब्रिटिश शासकों का राज हुआ करता था। स्काटिश पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत के मानचित्र में मुन्नार को ढूंढ़ा। ब्रिटिश मुन्नार को चाय की खेती के लिए इस्तेमाल करते थे और शहर की गर्मी से बचने के लिए यहां आते थे। इतिहास में मुन्नार में लोगों का बसना और इस क्षेत्र में सिविलाइजेशन से जुड़े कई तथ्य पाए गए हैं। सबूत यही बताते हैं कि यहां जीवन दसवीं शताब्दी से शुरू हुआ था। 19वीं शताब्दी आते-आते यहां छोटे-छोटे गांव बनने शुरू हो गए। 1895 के बाद मुन्नार में विकाय कार्य भी होने लगा।

यहां का खूबसूरत वातावरण और दोस्ताना व्यवहार करने वाले निवासी बाहर से आने वालों का दिल जीत लेते हैं।

जब चाहें जाएं

मुन्नार आप साल में कभी भी जा सकते हैं। सही समय है सितंबर से मई के बीच में। जून से लेकर सितंबर तक यहां मानसून रहता है। सर्दी में मुन्नार के लिए आपको भारी भरकम ऊनी कपड़े ले जाने पड़ेंगे ताकि आप वहां की सर्दी से बच सकें।

कैसे जाएं

मुन्नार के लिए आप हवाई मार्ग, रेल मार्ग या सड़क मार्ग तीनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। मुन्नार के लिए सबसे नजदीक हवाई अड्डा कोच्चि और मदुरै है, जो 142 किलोमीटर की दूरी पर हैं। नजदीकी रेलवे स्टेशन कोच्यो और कोट्टायम हैं, जहां से मुन्नार के लिए ट्रेन जाती रहती है। मुन्नार जाने के लिए सड़क से पहुंच सकते हैं। लोकल बस और कैब आपको आसानी से शहर में मिल जाएंगे।

अगर आप मुन्नार में थोड़ा और घूमना चाहते हैं, तो आसपास कुछ जगह जैसे मैरायूर, नदूकनी और मीनली भी जा सकते हैं। मुन्नार की खूबसूरती का असली मजा वहां के फ्लोरा और फायना में है जो मुन्नार शहर की खूबसूरती को और भी देखने लायक और आकर्षक बनाते हैं।

सैलानियों को बुलाती हैं कुल्लू मनाली की घाटियां

मनाली का नाम मानवलय के नाम पर पड़ा है, जो मनु का निवास स्थान था। एक किवदंती के अनुसार मनु एकमात्र प्राणी था जो महा प्रलय (भयंकर बाढ़) से बच गया था। पर उस बाढ़ के बाद भी मनाली की खूबसूरती आज भी वैसी ही हैं।

एक तरफ हिमालय की सुंदर पहाड़ियां, दूसरी तरफ शहर के बीच बहती नदी, हरी भरी घाटियां, घुमावदार मैदान और यहां का पारंपरिक संगीत। यह सब सैलानियों को अपनी तरफ आकर्षित करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

यहां की संस्कृति के रंग कुल्लू, मनाली के मंदिरों, अनूठे गांवों, वहां के लोगों के पहनावे, त्योहार का माहौल और शिल्पकला, ये सब कुल्लू मनाली के खास आकर्षण हैं। इन सब का मजा लेने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं। कुल्लू की ट्रेकिंग और बर्फ पर स्कीइंग करने का मजा ही कुछ और है। यहां की घाटियों के अद्भुत सौंदर्य को देखते हुए इसे 'देवताओं की घाटी' का भी नाम दिया गया है। मनाली में जीप सफारी और रिवर राफ्टिंग का मजा भी लिया जा सकता है। बहुत सारी एडवेंचर कंपनियां यहां पर रिवर राफ्टिंग का आयोजन करती हैं। मनाली से चलें तो हमें मिलती है सोलंग घाटी, जहां गर्मियों में पैराग्लाइडिंग के मजे लिए जा सकते हैं।

बसंत ऋतु में लगने वाला यहां का दशहरा मेला पूरे भारत में मशहूर है। एक महीने तक चलने वाला यह दशहरा कुल्लू की संस्कृति की झांकी है। भगवान रघुनाथ, हिडिंबा देवी जैसी कई देवताओं की पूजा इन दिनों होती हैं। लोग नाचते, गाते और भगवान की पूजा अर्चना करते हैं। दशहरा के नौवें दिन यहां देवता दरबार लगाया जाता है और दसवें दिन रावण के पुतले का दहन होता है और यह उत्सव हमेशा के लिए मन में अमिट छाप छोड़ देता है।

मनाली के पास ही है रानी नाला, जहां पूरे साल आप बर्फ का मजा ले सकते हैं। छह किलोमीटर की दूरी पर शिकारे के रूप में शिव मंदिर बना है। भीम की पत्नी हिडिंबा की याद में यहां मंदिर बनाया गया हैं जहां मई में मेला लगता है।

चंडीगढ़ और शिमला तक ट्रेन की सुविधा होने से लोग मनाली आसानी से पहुंच जाते हैं। कुल्लू से दस किलोमीटर दूर भूंटार में हवाई अड्डा है। आप चाहें तो दिल्ली या चंडीगढ़ से लग्जरी बस से भी कुल्लू मनाली आ सकते हैं।

कब जाएंगे : कुल्लू मनाली जाने का सबसे बढ़िया समय है अप्रैल से सितंबर। इस दौरान आप हल्के ऊनी कपड़ों से काम चला सकते हैं। पर अक्टूबर से मार्च में भारी भरकम कपड़ों की जरूरत पड़ती है क्योंकि वहां ठंड बढ़ जाती है।

जानकारी

रोजाना इन पीली गोलियों का सेवन आपके शरीर को देता है ये फायदे

ओमेगा 3 फैटी एसिड पोलीअनसैच्यूरेटेड फैटी एसिड का एक समूह है, जो हमारे शरीर की गतिविधियों के लिए बेहद जरूरी है। ओमेगा 3 फैटी एसिड प्राकृतिक रूप से सैल्मन, टूना और ट्रॉट जैसे सीफूड में पाया जाता है। एक और तरीके का ओमेगा 3 भी होता है, जिसे एएलए कहते हैं, जो कि कुछ सब्जियों, सोया और सफेद सरसों के तेल में पाया जाता है। ओमेगा 3 का सेवन करना बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा शरीर खुद से इसे नहीं बना सकता जैसा कि अन्य फैट्स करते हैं। पीले रंग की इस गोलियों का सेवन आपको रोजाना करना चाहिए। इन पीली गोलियों के रोजाना सेवन से आप इन 4 रोगों से दूर रह सकते हैं।

अवसाद और चिंता से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

अवसाद और चिंता वर्तमान में सबसे आम मानसिक बीमारियों में से हैं। अवसाद के लक्षणों में उदासी, आलस्य और किसी काम में मन न लगना जैसी चीजें शामिल हैं। जबकि चिंता में निरंतर घबराहट जैसी समस्या रहती है। हैरानी की बात ये कि कई अध्ययनों से यह संकेत मिले हैं कि जो लोग रोजाना ओमेगा 3 का सेवन करते हैं, उनके अवसादग्रस्त या चिंतित होने की संभावना बहुत कम होती है। इसके साथ ही अवसाद और चिंता से पीड़ित लोगों ने ओमेगा 3 का रोजाना सेवन करने के बाद अपने लक्षणों में सुधार की बात भी कही है।

आपको आंखों को तेज बनाने का काम करता है ओमेगा 3

जब आपको पर्याप्त डीएचए नहीं मिला पाता तब आपको देखने की समस्या होने लगती है। डीएचए भी एक प्रकार का ओमेगा-3 है। नियमित रूप से ओमेगा-3 का सेवन मैक्यूलर डिजेनेरेशन के जोखिम को कम करता है। इस रोग के कारण कोई भी व्यक्ति स्थायी रूप से आंखों की रोशनी खो सकता है।

ऑटोइम्युन डिजिज से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

ऑटोइम्युन डिजिज में आपका इम्युन सिस्टम आपके हेल्दी सेल्स को बाहरी सेल्स मानकर उनपर हमला कर देता है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि आपके पैंक्रियाज में इंसुलिन पैदा करने वाले सेल्प पर भी आपका इम्युन सिस्टम हमला करता है, जिसका कारण आप टाइप-1 डायबिटीज का शिकार हो जाते हैं।

डेंगू और जीका वायरस को रोकने के लिए खोजा गया नया तरीका

मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां जैसे डेंगू और जीका वायरस को रोकने का अब एक प्राकृतिक उपाय निकाल लिया गया है। सबसे अच्छी बात ये है कि इस बीमारी की रोकथाम में अब एक ऐसी पद्धति का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे पर्यावरण को कोई हानि नहीं पहुंचेगी। यानी कि अब हम बीमारियों को रोकने में भी एक सस्टेनेबल मेथड का इस्तेमाल करने की ओर बढ़ रहे हैं। बता दें कि आज पूरी दुनिया को सस्टेनेबल डेवलपमेंट सिद्धांत के तहत विकास के कार्यों की जरूरत है और बीमारियों के लिए ऐसे उपचार पद्धति को ढूंढना एक बड़ी बात है। दरअसल डेंगू और जीका वायरस जैसे मच्छर जनित बीमारियों के रोकथाम में बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक बैक्टीरिया स्ट्रेन का इस्तेमाल किया जाएगा। आइए हम आलेख में आपको विस्तार से बताते हैं इसके बारे में।

36 डिग्री सेल्सियस तापमान वाली जगहों पर सफल

अब, मेलबोर्न, ग्लासगो और मलेशिया के शोधकर्ताओं की इस अंतरराष्ट्रीय टीम ने दिखाया है कि वल्बाचिया का डब्ल्यूएएलबी स्ट्रेन 36 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक के दैनिक चरम तापमान में भी स्थिर और प्रभावी है, जैसा मलेशिया के डेंगू क्षेत्रों में। मेलबर्न यूनिवर्सिटी के बायो 21 इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर हॉफमैन ने कहा कि निष्कर्ष उन कई देशों में फर्ककर सकते हैं, जहां डेंगू बड़ी मात्रा में लोगों को बीमार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन हमें क्षेत्र में सफल शुरुआत के लिए के लिए सही है पर एक घनी शहरी आबादी पर इसके इस्तेमाल को लेकर हम अभी कुछ भी कह पाने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हस्तक्षेप कीटनाशक अनुप्रयोगों और अन्य चुनौतियों के बावजूद सफल हुआ, जो कि वल्बाचिया के प्रयोग के लिए अच्छा है।

क्या है बैक्टीरिया वल्बाचिया?

बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक ये बैक्टीरिया स्ट्रेन मच्छरों को मनुष्यों में अपने वायरस को स्थानांतरित करने से रोक सकता है। मेलबोर्न और ग्लासगो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और मलेशिया में इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल रिसर्च ने कुआलालंपुर में साइटों पर डेंगू के मामलों को इस तरीके का इस्तेमाल करके कम करने में सफलता प्राप्त की है। उनके द्वारा प्रकाशित तथ्यों की मानें, तो करंट बायोलॉजी दिखाता है कि वल्बाचिया के डब्लूए1बीबी स्ट्रेन को ले जाने वाले मच्छरों पर जब इसका इस्तेमाल किया गया, तो डेंगू के मामलों में 40 फीसदी तक की कमी आई। इससे पहले मेलबर्न विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर्य हॉफमैन सहित वैज्ञानिकों ने इस बैक्टीरिया के एक अलग स्ट्रेन का उपयोग करके मच्छर पर सफल प्रयोग किया है, लेकिन कुछ स्थितियों में ये असफल भी रहा। वहीं मलेशिया जैसे भूमध्यरेखीय देशों में मचछरों की जंगली आबादी पर ये बैक्टीरिया इन्हें रोकने में सक्षम नहीं दिखे।

फॉगिंग भी हुआ कम

शोधकर्ताओं ने डेंगू वाले कुआलालंपुर में छह अलग-अलग साइटों में वल्बाचिया के डब्ल्यूएएलबीबी स्ट्रेन को एडीज एजिप्टी मच्छरों पर इस्तेमाल किया। वोल्बाचिया नर और मादा दोनों जंगली मच्छरों की आबादी में संभोग करते वक्त अंदर चली गई, जिसके परिणामस्वरूप वायरस-फैलाने वाले बैक्टीरिया का प्रसार हुआ और इसने अपना काम करना शुरू कर दिया। इन साइटों पर डेंगू के मामलों को कम करने की सफलता ने इन क्षेत्रों में कीटनाशक फॉगिंग को समाप्त कर दिया है, जिससे इस पद्धति के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ दोनों उजागर होते हैं। मआरसी-यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो सेंटर फॉर वायरस रिसर्च के प्रोफेसर स्टीवन सिंकिन्स ने कहा कि यह सफलता उन देशों के लिए खुशखबरी है, जो मच्छर जनित बीमारियों को सहन कर रहे हैं।

सेहत

कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से हो सकता है ब्रेन डैमेज

नहाने के बाद कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से ब्रेन डैमेज हो सकता है। जानें कान से पानी निकालने का सुरक्षित और आसान तरीका क्या है?

नहाने या स्विमिंग करने के बाद कान में भरे पानी को निकालने के लिए अक्सर लोग सिर को तेजी से झटका देते हैं। मगर हाल में हुई एक रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने लोगों को आगाह किया है कि ऐसा करना उनके लिए खतरनाक हो सकता है। दरअसल नया शोध बताता है कि कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है। ये रिसर्च वर्जीनिया की Cornell University द्वारा की गई है। शोधकर्ताओं के अनुसार सिर को झटका देने से ब्रेन के डैमेज होने का खतरा बच्चों में ज्यादा होता है।

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने किया है शोध

भारतीय मूल के शोधकर्ता और इस रिसर्च पेपर के प्रमुख लेखक अनुज बस्कोटा कहते हैं कि हमारी रिसर्च मुख्य रूप से इस बात पर आधारित थी कि कान से पानी निकालने के लिए कितना झटका देना सही है। उन्होंने ये रिसर्च पेपर सीएटल शहर में पिछले सप्ताह अमेरिकन फिजिकल सोसायटी की Division of Fluid Dynamics की सालाना मीटिंग के दौरान प्रस्तुत किए थे। अनुज ने आगे बताया कि शोध में हमने ग्लास ट्यूब और थ्री-डी प्रिंटेड ईयर कैनाल का इस्तेमाल कर पता लगाया कि छोटे बच्चों के कान के लिए ग्रैविटी (गुरुत्वाकर्षण) के बल से 10 गुना तेज बल खतरनाक हो सकता है। इससे उनके मस्तिष्क को नुकसान भी पहुंच सकता है।

क्यों जाकर रुक जाता है कान में पानी?

जब आप नहाते हैं या स्विमिंग करते हैं, तो आपके कान में पानी का जाना स्वाभाविक है। मगर कान का आकार पाइप जैसा होता है और इसकी बनावट भी ऐसी होती है कि पानी बहुत अंदर तक नहीं जाता है। जो थोड़ी बहुत मात्रा में पानी जाता भी है, तो वो अपने आप बाहर आ जाता है। मगर कई बार कान में पानी जाने के बाद अपने आप न निकलने के कारण ऐसा महसूस होता है कि पानी की एक पर्त कान में जमा हो गई है। शोधकर्ताओं ने शोध के दौरान पाया कि पानी का पृष्ठ तनाव ज्यादा होता है, इसलिए ये कान में जाकर फंस जाता है।

बच्चों को होता है ज्यादा खतरा

मस्तिष्क के डैमेज होने का खतरा आमतौर पर छोटे बच्चों में ज्यादा होता है, क्योंकि उनके कान का ट्यूब काफी छोटा होता है, जिसके कारण पानी को बाहर निकालने के लिए ज्यादा तेज झटके की जरूरत होती है। शोधकर्ताओं ने कान में फंसे हुए पानी को निकालने के कुछ आसान तरीके भी बताए हैं।

पानी निकालने का सुरक्षित तरीका

शोधकर्ताओं ने बताया कि सिर को तेजी से झटका देने से बेहतर है कि आप कान में भरे पानी को निकालने के लिए कुछ अन्य उपाय अपनाएं। पानी से कम पृष्ठ तनाव वाले अन्य लिक्विड जैसे- एल्कोहल या सिरका डालने से कान में भरा पानी अपने आप बाहर आ जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2671

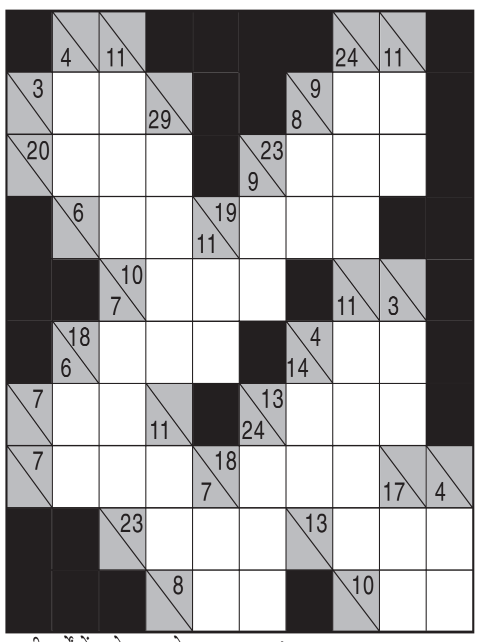

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2670 का हल

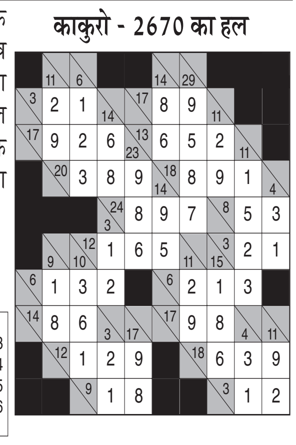

हंसी के फूव्वारें

अपराधी का पहला अपराध होने के कारण न्यायाधीश ने उसे क्षमा करते हुए कहा- 'हमें पूरा विश्वास है तुम कभी यहां दिखाई नहीं दोगे.'

हां हजूर, मेरी कोशिश होगी कि पुलिस मुझे न पकड़ सके और फिर कभी मैं यहां न दिखाई दूं.

'अरे यह क्या ? आप कहां से आ रहे हैं ? कपड़े फटे हुए हैं. खून निकल रहा है, सिर पर चोट लगी है. चलो आपको घर पहुंचा दूं.' मित्र ने संवेदनाभरे स्वर में कहा.

नहीं, नहीं मैं घर नहीं जाऊंगा, घर से ही आ रहा हूँ, घायल ने शीघ्रतापूर्वक कहा.

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे के स्टेशन मास्टर से शिकायत कि-चालीस मिनट हो गये, ट्रेन अभी तक नहीं पहुँची.

स्टेशन मास्टर ने कहा-घबराइये नहीं, यह टिकट चौबीस घण्टे तक चल सकता है.

क्या आप जानते हैं कि नाव को स्त्रीलिंग क्यों माना जाता है ?

'क्योंकि नाव हवा के साथ-साथ अपना रुख बदलती रहती है.'

शिक्षक: पानी पर मच्छर क्यों बैठते हैं ?

राजीव: इसलिए कि पानी उड़ न जाये.

फिल्म वर्ग पहेली- 2671

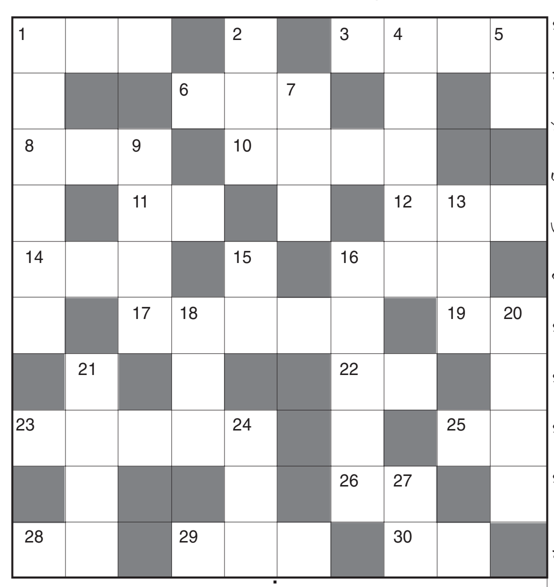

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2670

सूडोकु -2671

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2670 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 2671

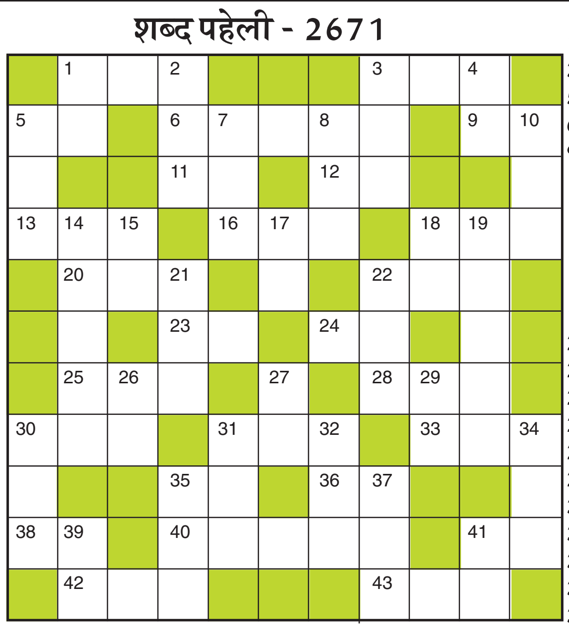

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -2670 का हल

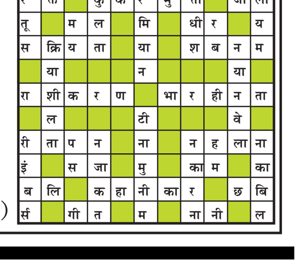

भाजपा ने कहा- जम्मू-कश्मीर में चल रही बदलाव की बयार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में बदलाव की बयार चल रही है। वर्ष 2021-22 से अब तक कुल 7.4 लाख स्वरोजगार व आजीविका के अवसर सृजित किए गए हैं। भाजपा ने आज (शुक्रवार) सुबह अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर यह खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चित्र और पार्श्व में जम्मू-कश्मीर को दिखाते हुए आंकड़ा प्रदर्शित किया है।

त्रिपुरा के लिए 717 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी

अगरतला। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डीओएनईआर) ने गुरुवार को पांच परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 717 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुये बताया कि अगरतला में डेंटल कॉलेज की स्थापना के लिए 202 करोड़ रुपये, सरकारी मेडिकल कॉलेज और जीबी पंत अस्पताल में 200 बिस्तरों वाले मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग के लिए 192 करोड़ रुपये और सिपाहीजाला जिले में नशे की लत वालों के लिए पुनर्वास केन्द्र के लिए 121 करोड़ रुपये रखे गए हैं। डॉ साहा ने कहा, 'मंत्रालय ने विशेष रूप से राज्य के आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें पहाड़ी इलाकों में एक सौर माइक्रोग्रिड के लिए 80 करोड़ रुपये शामिल हैं जहां पारंपरिक बिजली आपूर्ति वित्तीय रूप से व्यवहार्य नहीं है और 30 किलोमीटर लम्बी तीन ग्रामीण सड़कों के लिए 122 करोड़ रुपये शामिल हैं।

फैसला देते समय न्यायाधीशों को व्यक्तिगत विचार या उपदेश देने से बचना चाहिएःसुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नाबालिग लड़की से शादी के बाद एक बच्ची का पिता बने एक व्यक्ति को इस मामले में निचली अदालत की सजा कलकत्ता उच्च न्यायालय की ओर से रद्द करने के साथ की गई टिप्पणी को शुक्रवार को प्रथम दृष्टया 'अत्यधिक आपत्तिजनक और पूरी तरह से अनुचित' करार दिया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने उच्च न्यायालय के 18 अक्टूबर 2023 के एक फैसले को 'अत्यधिक आपत्तिजनक, पूरी तरह से अनुचित और संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन' मानते हुए कहा कि न्यायाधीशों को ऐसे मामलों से निपटने में 'उपदेश देने और व्यक्तिगत विचार व्यक्त करने' से बचना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा अवैध आप्रवासन के आंकड़े

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह 1971 के बाद अवैध आप्रवासन संबंधी उपलब्ध आंकड़े पेश करे। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अवैध आप्रवासन पर पश्चिम बंगाल से भी जवाब दाखिल करने को कहा।पीठ ने धारा 6ए के इतर कहा, हम जानना चाहते हैं कि सरकार अभेद्य सीमा सुनिश्चित करने के लिए क्या कर रही है। क्या निवेश है कि सीमा अभेद्य हो जाए, सरकार क्या कार्यकारी कदम उठा रही है? सीमा पर कितनी हद तक बाड़ लगाई गई है? पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से 1971 के बाद अवैध आप्रवासन पर सरकार के पास उपलब्ध आंकड़ों के बारे में पूछा। याचिकाकर्ताओं के इस तर्क पर कि असम के साथ जो किया गया वह पश्चिम बंगाल के साथ नहीं किया गया के मद्देनजर श्री मेहता ने कहा कि मेरे ख्याल से बंगलादेश के मामले में उनकी (अवैध अप्रवासी) भाषा, खान-पान, पहनावा समान होने के कारण वे आसानी से मिल जाते हैं।

धर्म की नगरी के साथ विकास की नगरी भी बन रहा है उत्तराखंड प्रधानमंत्री

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उत्तराखंड धर्म की नगरी के साथ-साथ विकास की नगरी भी बन रही है। डबल इंजन की सरकार से राज्य लाभान्वित हो रहा है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को देहरादून में 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सामर्थ्य से भरी ये देवभूमि निश्चित रूप से आपके लिए बहुत सारे द्वार खोलने जा रही है। आज भारत विकास और विरासत के जिस मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है, उत्तराखंड उसका प्रखर उदाहरण है। राज्य की विकास हमारी प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड वो राज्य है जहां आपको धर्म और विकास दोनों का अनुभव एक साथ होता है। मैंने तो उत्तराखंड की भावनाओं और संभावनाओं को निकट से देखा है। उसे जिया है, अनुभव किया है। आपको आज देश में नीति-संचालित शासन दिखेगी, आपको आज राजनीतिक स्थिरता के लिए देशवासियों का मजबूत आग्रह दिखेगा। आकांक्षी भारत आज अस्थिरता नहीं चाहता है बल्कि वह आज स्थिर सरकार चाहता है। हाल में हुए विधानसभा चुनाव इसके उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया की तरह वेडिंग इन इंडिया मूवमेंट चलाने की जरूरत है। आज डेस्टिनेशन शादी के नाम पर लोग विदेश में जाकर शादी समारोह कर रहे हैं। ऐसे में वेडिंग इन इंडिया मूवमेंट समय की मांग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह चाहते हैं कि आने वाले पांच साल में लोग अपने परिवार की एक डेस्टिनेशन शादी उत्तराखंड में करें। अगर एक साल में 05 हजार शादियां भी यहां होने लग जाएं तो एक नया इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा हो जाएगा और दुनिया की शादियां यहां होने लग जाएंगी।

कच्छ में 4.2 तीव्रता का भूकंप, फिर कांपी धरती

भुज। गुजरात के कच्छ जिले में शुक्रवार सुबह 9 बजे भूकंप का झटका महसूस किया गया। घरों में कंपन महसूस होते ही लोग बाहर आ गए। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.2 बताई गई है।

इसका केंद्र रापर से 19 किलोमीटर दूर था। उल्लेखनीय है कि सौराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों में अक्सर भूकंप आते रहते हैं। कच्छ के साथ राजकोट में भी भूकंप के झटके लोगों ने महसूस किए।

कर्नाटक के विजयपुरा, तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में लगे भूकंप के झटके

नई दिल्ली। दक्षिण भारत के दो राज्यों कर्नाटक और तमिलनाडु में आज (शुक्रवार) सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की अधिकतम तीव्रता 3.2 रही। यह जानकारी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार कर्नाटक के विजयपुरा जिले में आज सुबह 6ः52 बजे भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 रही। इसके अलावा तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में सुबह करीब 7ः39 बजे 3.2 तीव्रता का भूकंप आया।

तीन राज्यों के लिए भाजपा पर्यवेक्षकों में राजनाथ सिंह, मनोहर लाल खट्टर व अर्जुन मुंडा के नाम

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लिए पर्यवेक्षकों के नामों की घोषणा कर दी।

राजस्थान विधानसभा के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े और सरोज पांडे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, के लक्ष्मण, आशा लाकड़ा को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ के लिए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्बानंद सोनोवाल और दुष्यंत गौतम को पर्यवेक्षक बनाया गया है। पर्यवेक्षकों के नामों के एलान के साथ अब मुख्यमंत्री के नामों की भी घोषणा रविवार तक की जा सकती है। माना जा रहा है कि तीनों राज्यों में शनिवार-रविवार को विधायक दल की बैठक बुलाई जा सकती है।

राहुल गांधी ने ममता को फोन कर गठबंधन की बैठक में आने के लिए मनाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों के आईएनडीआई गठबंधन की अगली बैठक में शामिल होने के लिए हामी भर दी है। इसके पहले बैठक में शामिल होने से उन्होंने इनकार कर दिया था। ममता ने आरोप लगाया था कि समय पर उन्हें सूचना नहीं दी गई। इसके बाद नीतीश कुमार और अखिलेश यादव के भी बैठक से किनारा करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दिल्ली स्थित आवास पर होने वाली बैठक टाल दी गयी थी। अब सूचना है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को फोन कर अगली बैठक में शामिल होने के लिए मनाया है। शुक्रवार को उत्तर बंगाल के कर्सियांग में ममता के भतीजे आवेश की शादी होनी है। इसके लिए पूरा बनर्जी परिवार उत्तर बंगाल की पहाड़ियों पर पहुंचा हुआ है। इस बीच राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को फोन किया है। सीएम के करीब सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने उन्हें फोन कर भतीजे की शादी की शुभकामनाएं दी और उसके बाद गठबंधन की बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया। ममता ने उन्हें बताया कि बैठक की तारीख तय करने से पहले सभी विपक्षी दलों के संबंधित नेताओं से बात की जानी चाहिए। ममता ने आश्वस्त किया है कि अगली बैठक जब भी होगी, वह जरूर आएंगी। सूत्रों ने बताया कि दिसंबर के आखिरी सप्ताह में विपक्षी दलों के गठबंधन की बैठक होनी है।

ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर नीति बनाए सरकारः राजीव शुक्ला

नई दिल्ली। कांग्रेस सदस्य राजीव शुक्ला ने राज्यसभा में शुक्रवार को कहा कि ट्रेनों की स्टॉपेज अधिक होने से लगातार वो लेट हो रही हैं। सुपर फास्ट ट्रेनों के साथ भी यही हो रहा है। इसके लिए सरकार को नियम तय करना चाहिए, जिससे यात्रियों को असुविधा न हो। शुक्ला ने सदन में आसन के माध्यम से सरकार से अनुरोध किया कि सुपर फास्ट ट्रेनों के संचालन के लिए नियम बनाए जायें। उन्होंने कहा कि जब कोई भी ट्रेन शुरू की जाती है तो उसके रुकने के स्टेशन पहले से निर्धारित होते हैं, लेकिन बाद में उसके हॉल्ट बढ़ते जाते हैं, स्टेशन पर रुकना बढ़ता जाता है और ट्रेन बेकार हो जाती है। सुपर फास्ट ट्रेनों के भी किसी न किसी कारण से स्टॉपेज बढ़ते चले जाते हैं। अब यह पूरे देश की समस्या बन गई है। इसलिए हम चाहते हैं कि इस विषय पर कोई नीति बनाई जाए, ताकि ट्रेनें अपने समय से चलें और लोगों को परेशानी न हो।

तृणमूल कांग्रेस ने की आचार समिति की रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराने की मांग

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि उन्हें पार्टी सांसद महुआ मोइत्रा के बारे में आचार समिति की रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराई जाए और उस पर विचार के लिए 48 घंटे का समय दिया जाए।

तृणमूल कांग्रेस के सदस्य कल्याण बनर्जी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि लोकसभा में आचार समिति के अध्यक्ष विनोद सोनकर ने समिति की रिपोर्ट सभा पटल पर रख दी है और अपराह्न दो बजे उस पर चर्चा हो सकती है।

श्री बनर्जी ने कहा कि लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें अविलंब रिपोर्ट की एक प्रति मुहैया कराई जाए और सदन में चर्चा कराने से पहले तृणमूल कांग्रेस को उस पर विचार के लिए कम से कम 48 घंटे का समय दिया जाए।

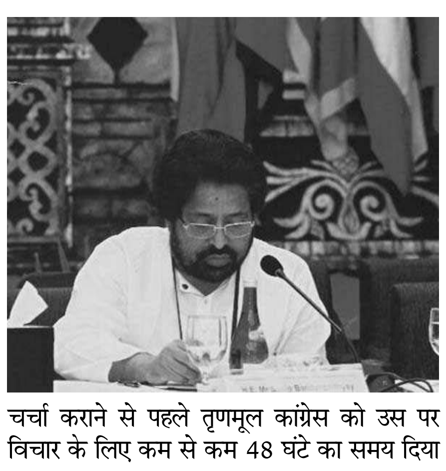

365 दिन में सरकार ने लिए 365 फैसले, धर्मशाला में लोगों को बताएंगे उपलब्धियां

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा 10 में से तीन गारंटियों को प्रदेश सरकार पूरा कर चुकी है। पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जा चुका है। 1 लाख 36 हजार कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना के दायरे में आए हैं। राजीव गांधी स्टार्टअप 680 करोड़ रुपये के बजट के साथ शुरू की जा चुकी है। हर विधानसभा क्षेत्र में इंग्लिश मीडियम स्कूल खुलने थे। सभी स्कूलों में इंग्लिश मीडियम को लागू कर दिया गया है। हमारे 10 में से तीन वायदे पूरे हुए। हम पांच साल के लिए आए हैं।

उत्पादन बढाने की आपाधापी का परिणाम है जलवायु परिवर्तनः मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि उत्पादन तथा उत्पादकता बढ़ाने की आपाधापी ने मानवता को नुकसान पहुंचाया है और जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरणीय गड़बड़ी इसी का परिणाम है। श्रीमती मुर्मु ने यहां लक्ष्मीपत सिंघानिया-आईआईएम लखनऊ राष्ट्रीय लीडरशीप पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने की आपाधापी ने मानवता को नुकसान पहुंचाया है। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय गड़बड़ी उसी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व इस चुनौती से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि लाभ अधिक से अधिक बढ़ाने की अवधारणा पश्चिमी संस्कृति का हिस्सा हो सकती है लेकिन भारतीय संस्कृति में इसे प्राथमिकता नहीं दी गई है। भारतीय संस्कृति में उद्यमिता का स?थान प्रमुख है। राष्ट्रपति ने इस बार पर प्रसन्नता व?यक?त की कि देश के युवा स्वरोजगार की संस्कृति को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। भारत विश्व के सर्वश्रेष्ठ यूनिकॉर्न हब में शामिल है। यह देश के युवाओं के तकनीकी ज्ञान के अतिरिक्त उनके प्रबंधन कौशल और व्यावसायिक नेतृत्व का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनियों का नेतृत्व भी कर रहे हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि देश में प्रबंधन शिक्षण संस्थानों की शिक्षा प्रणाली में कुछ परिवर्तन लाने होंगे ताकि देश का अधिक प्रभावी और समावेशी विकास हो सके। उन्होंने प्रबंधकों, शिक्षाविदों और संगठनात्मक प्रमुखों से भारतीय प्रबंधन अध्ययन को भारतीय कंपनियों, उपभोक्ताओं और समाज से जोड़ने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि हाल में उत्तराखंड में सिल्कयारा सुरंग से जिस तरह 41 श्रमिकों को निकाला गया है, उसकी न केवल सराहना हो रही है।

गृहमंत्री बोले- छात्र शक्ति का नारा सुन 30 साल पीछे लौट गया, संगठन कर रहा चरित्र निर्माण

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा दिल्ली के बुराड़ी स्तिथ डीडीए ग्राउंड में आयोजित 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन में आए कार्यकर्तायों को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि छात्र शक्ति का नारा सुनकर मैं 30 साल पीछे के जीवन में लौट गया। एबीवीपी चरित्र निर्माण कर रहा है। मेरे छात्र राजनीतिक जीवन की शुरुआत पंडाल के सबसे पीछे बैठकर हुई। मैं आज गर्व की अनुभूति कर रहा हूं। गृहमंत्री ने कहा कि यह आजादी के अमृत काल का अधिवेशन है। आने वाले 25 साल भारत सर्व प्रथम का पीएम का संकल्प है। मैं विद्यार्थी परिषद का ऑर्गेनिक प्रोडक्ट हूं। एबीवीपी न रास्ता भटका न सरकारों को भटकने दिया। एबीवीपी ने हर चुनौती के सामने संघर्ष किया है। मदन दस देवी जी ने मेरे जैसे कार्यकर्ताओं का उचित मार्गदर्शन किया। सभी मार्गदर्शकों को प्रणाम करता हूं। एबीवीपी ने स्वर का मतलब हर क्षेत्र में बताया। एबीवीपी की सुगंध हर क्षेत्र में है। घुसपैठ के सामने सबसे बड़ा आंदोलन एबीवीपी ने चलाया। आपातकाल के खिलाफ परिषद के कार्यकर्ता जेल भी गए और कष्ट सहे पर विजयी हुए। समय बदल गया है। अब काम करने की जरूरत है। राष्ट्र निर्माण में हम लगे हैं। देश के लिए जीने की जरूरत है।

केजरीवाल सरकार की 'फरिश्ते' योजना का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार की 'फरिश्ते' योजना का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। केजरीवाल सरकार फरिश्ते योजना में रोड एक्सीडेंट पीड़ितों का इलाज फ्री करवाती थी। स्वास्थ्य सचिव दीपक कुमार ने एक साल से इस योजना को बंद किया है। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई कि जनहित में योजना को फिर से शुरू करवाया जाए। दिल्ली सरकार ने कहा कि स्वास्थ्य सचिव पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने एलजी और स्वास्थ्य सचिव को नोटिस जारी किया है।

कैश फॉर क्वेरी मामलाः सांसद महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता रद्द

नई दिल्ली। कैश फॉर क्वेरी मामले में TMC सांसद महुआ मोइत्रा लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई है। कैश फॉर क्वेरी' मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्काषित कर दिया गया है। कैश फॉर क्वेरी मामले में महुआ मोइत्रा के खिलाफ जांच करने वाली एथिक्स कमेटी ने शुक्रवार को अपनी जांच रिपोर्ट लोक सभा में पेश कर गई थी।एथिक्स कमेटी के चेयरमैन विनोद सोनकर ने शुक्रवार को जैसे ही कमेटी की जांच रिपोर्ट को सदन में पेश किया था , तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करना शुरू कर दिया।नारेबाजी करते हुए तृणमूल कांग्रेस के सांसद वेल में आ गए।कांग्रेस, एनसीपी, डीएमके, सपा और बसपा सहित अन्य कई विपक्षी दलों के सांसद तृणमूल कांग्रेस का साथ देते हुए अपनी-अपनी सीट पर खड़े हो गए थे। आपको बता दें कि महुआ मोइत्रा मामले में एथिक्स कमेटी ने अपनी जांच रिपोर्ट को पिछले महीने 10 नवंबर को ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेज दिया था। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में लोकसभा अध्यक्ष बिरला के निर्देश पर पूरे मामले की जांच कर एथिक्स कमेटी ने लगभग 500 पन्नों की अपनी रिपोर्ट तैयार की थी, जिसे एथिक्स कमेटी की बैठक में 6-4 के अंतर से मंजूर कर लिया गया था।

लालदुहोमा ने मिजोरम के नए सीएम के रूप में ली शपथ

आइजोल। जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के अध्यक्ष लालदुहोमा ने शुक्रवार को मिजोरम के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने राजभवन में एक समारोह में लालदुहोमा और सात कैबिनेट रैंक और चार राज्य मंत्रियों सहित 11 अन्य मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

12 सदस्यीय मंत्रिमंडल में लालरिनपुई अकेली महिला मंत्री हैं। 12 मंत्रियों में से सात पहली बार विजेता बने हैं। शुक्रवार को शपथ लेने वाले अन्य मंत्रियों में के. सपडांगा, वनलालह्वाना, सी. लालसाविवुंगा, लालथनसांगा, डॉ. वनलालथलाना, पी.सी. वनलालरुआता, लालरिनपुई - सभी कैबिनेट मंत्री रैंक; एफ. रोडिंगलियाना, बी. लालछनज़ोवा, प्रो. लालनिलावमा और लालनघिंगलोवा हमर - सभी राज्य मंत्री रैंक, शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह में निवर्तमान मुख्यमंत्री और मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के नेता जोरमथंगा, पूर्व मुख्यमंत्री लाल थनहावला (कांग्रेस), कई राजनीतिक नेता, नवनिर्वाचित विधायक, वरिष्ठ नागरिक और सुरक्षा अधिकारी और कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इससे पहले मंगलवार को नवनिर्वाचित विधायकों द्वारा पूर्व आईपीएस अधिकारी से नेता बने लालदुहोमा को जेडपीएम विधायक दल का नेता और पार्टी के वरिष्ठ नेता के. सपडांगा को उपनेता चुना गया। जेडपीएम को 2019 में ही एक राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत किया गया था। उसे 7 नवंबर को हुए चुनाव में 40 सदस्यीय विधानसभा में 27 सीटें मिली। चार साल पुरानी पार्टी को 2018 के चुनावों में आठ सीटें मिलीं थी, जब उसके उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था।

राजोआना ने खत्म की भूख हड़ताल, SGPC अध्यक्ष और जत्थेदारों से मुलाकात के बाद लिया फैसला

पटियाला। पटियाला जेल में बलवंत सिंह राजोआना ने भूख हड़ताल खत्म कर दी है। पूर्व सीएम बेअंत सिंह की हत्या मामले में फांसी की सजा पा चुके राजोआना ने पांच दिसंबर से भूख हड़ताल शुरू की थी। इसके बाद श्री अकाल तख्त साहिब में पांच सिंह साहिबों की आपात बैठक बुलाई गई थी। वहीं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने राजोआना से भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की थी। इससे पहले 28 नवंबर को एसजीपीसी अध्यक्ष ने बलवंत सिंह राजोआना से मुलाकात भी की थी। मगर उस समय राजोआना भूख हड़ताल पर अड़ा था। एसजीपीसी ने पंजाब के महानिदेशक (जेल) और केंद्रीय जेल पटियाला के अधीक्षक को पत्र लिखकर राजोआना से मिलने का समय मांगा था। शुक्रवार सुबह प्रतिनिधिमंडल ने बलवंत सिंह राजोआना से मुलाकात की और भूख हड़ताल खत्म करने का आग्रह किया और श्री हरमंदिर साहिब से लाया जल पिलाकर हड़ताल खत्म करवाई।

इससे पहले पांच सिंह साहिबों की बैठक में भी तुरंत भूख हड़ताल खत्म करने का आदेश जारी किया गया था। राजोआना से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह, तख्त श्री केसगढ़ साहिब के जत्थेदार ज्ञानी सुल्तान सिंह और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी शामिल रहे।

इस बात पर राजोआना ने शुरू की थी भूख हड़ताल

2012 में बलवंत सिंह राजोआना की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलने की दया याचिका राष्ट्रपति के पास दाखिल की गई थी। मगर इस याचिका पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। इसी बात से राजोआना नाराज है। उसने शिरोमणि अकाली दल और एसजीपीसी को यह याचिका पांच दिसंबर तक वापस लेने को कहा था। ऐसा न होने पर भूख हड़ताल पर बैठने का एलान किया था। चार दिसंबर को अकाली दल का एक प्रतिनिधिमंडल राजोआना से मिलने पहुंचा था लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें मुलाकात की अनुमति नहीं दी थी।

ओमिक्रॉन संक्रमण ने वैज्ञानिकों को उलझाया

कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन को लेकर वैज्ञानिक अभी भी उलझन में हैं, क्योंकि इसकी भयावहता को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका में जहां इसका प्रकोप सबसे ज्यादा रहा है, वहां किए गए एक अध्ययन में दावा किया गया है कि इसके संक्रमण के मामले हल्के हैं तथा पूर्व के संक्रमणों की तुलना में अस्पताल में भर्ती किए जाने की जरूरत कम पड़ रही है। नेचर में प्रकाशित रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि ओमीक्रोन संक्रमण में पूर्व की तुलना में अस्पताल में भर्ती किए जाने की दर 29 फीसदी कम है। यह दावा एक स्वास्थ्य बीमा कराने वाली एजेंसी के आंकड़ों को आधार बनाकर किया गया है। लेकिन इसी रिपोर्ट में डेनमार्क के आंकड़ों का जिक्र किया गया है, जिसमें दावा है कि ओमीक्रोन एवं डेल्टा पीड़ितों के अस्पताल में भर्ती होने की दर में अंतर नहीं दिखता है। ब्रिटेन में भी ओमीक्रोन के मामले बढ़ रहे हैं तथा कुल मामलों में अभी तीन फीसदी मामले डेल्टा के पाए जा रहे हैं। लेकिन इस बीच इंपीरियल कालेज लंदन ने कहा कि ओमीक्रोन संक्रमितों के अस्पताल में भर्ती होने की दर डेल्टा की तुलना में कम नहीं प्रतीत होती है। एडिनबर्ग यूनिवसिर्टी के एपिडेमोलाजिस्ट मार्क वुलहाउस ने कहा कि अभी यह आंकड़े बेहद सीमित दायरे के हैं। इसलिए किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता है तथा इसके आधार पर कोई नीतिगत निर्णय नहीं लिया जा सकता है। नई दिल्ली स्थित वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन के निदेशक प्रोफेसर जुगल किशोर कहते हैं कि अस्पताल में कितने ओमीक्रोन पीड़ित भर्ती हुए या नहीं इससे कोई नतीजा नहीं निकलता है। क्योंकि किसी देश में मध्यम लक्षणों वाले को अस्पताल में भर्ती करने की नीति है तो कहीं सिर्फ गंभीर मरीजों को ही भर्ती किया जाता है। यह उस देश की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर भी निर्भर करता है।

डेढ़ से दो दिन में केस दोगुने हो रहे

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना का नए वेरिएंट ओमीक्रोन को लेकर बड़ी जानकारी दी। संगठन का कहना है कि डेढ़ से दो दिन में ओमीक्रोन के मामले दोगुने हो रहे हैं। जो चिंताजनक है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने एक बार फिर कहा कि अभी भी इस बात के पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि कोरोना वैक्सीन ओमीक्रोन के खिलाफ कितनी असरदार है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि ओमीक्रोन उन देशों में डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले अधिक तेजी से फैल रहा है जहां कम्यूनिटी ट्रांसमिशन दर्ज किया जा चुका है। वहां भी यह तेजी से बढ़ा है जहां बड़ी संख्या में लोग इम्यूनिटी हासिल कर चुके हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो जहां बड़ी आबादी को टीका लग चुका है। भारत भी उन देशों में शामिल है।

इंसोमनिया और ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का कॉकटेल है कॉस्मिया

क्या आप 'इंसोमनिया' के साथ-साथ 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' से भी जूझ रहे हैं? अगर हां तो संभल जाइए। 'यूरोपियन रेस्पिरेटरी जर्नल' में छपे एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' के कॉकटेल यानी 'कॉस्मिया' को ज्यादा घातक करार दिया गया है। शोधकर्ताओं ने इसका सामना करने वाले लोगों में हृदयरोगों से मौत का खतरा कई गुना ज्यादा पाया है।

सबसे आम बीमारियां

विशेषज्ञों के मुताबिक 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' नींद से जुड़ी सबसे आम बीमारियां हैं। वैश्विक स्तर पर 10 से 30 फीसदी आबादी के इनके शिकार होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में ऐसे पीड़ित भी मौजूद हैं, जिन्हें दोनों की शिकायत होती है।

क्या हैं प्रमुख लक्षण

फिलंडर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि 'इंसोमनिया' में व्यक्ति को सोने में दिक्कत, बार-बार नींद टूटने और जल्द आंख खुलने की शिकायत सताती है। वहीं, 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' में खर्राटे, गला चोक होने और सांस लेने में तकलीफ की समस्या आम है।

हाइपरटेंशन का जोखिम

डॉ.बेस्टियन लेचत के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने नींद की बीमारियों से जूझ रहे 5000 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया। इस दौरान 'कॉस्मिया' के शिकार लोगों में हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) का खतरा दोगुना मिला। उनमें हृदयरोगों की आशंका भी 70 फीसदी ज्यादा पाई गई।

असामयिक मौत का खतरा

कॉस्मिया' से पीड़ित लोगों के वक्त से पहले मौत का शिकार होने का जोखिम भी 47 फीसदी अधिक दर्ज किया गया है। चूंकि, 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' का कॉकटेल ज्यादा जानलेवा है, इसलिए एक का सामना कर रहे मरीज में दूसरे के लक्षणों पर भी गौर फरमाना जरूरी है।

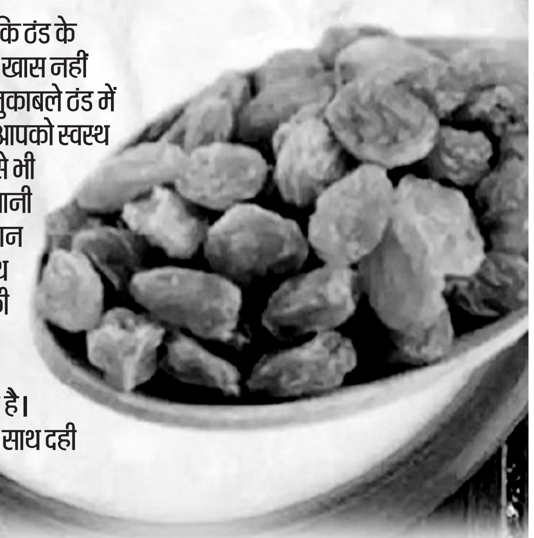

ठंड में दही के साथ खाएं थोड़ी सी किशमिश मिलेंगे बेमिसाल फायदे

इसमें कोई दो राय नहीं है कि ठंड के दिनों में खाने के लिए कुछ खास नहीं होता है। अन्य मौसम के मुकाबले ठंड में कई सारी चीजें होती है जो आपको स्वस्थ भी रहती है और संक्रमण से भी बचाती है। हालांकि ठंड में पानी कम पीते हैं जिससे डाइजेशन की समस्या हो जाती है साथ ही ठंड में दही नहीं खाने की सलाह दी जाती है। ऐसे में डाइजेशन के लिए सबसे बेहतर विकल्प बंद हो जाता है। लेकिन आप किशमिश के साथ दही का सेवन करेंगे तो वो बेहद फायदेमंद होगा।

किशमिश में भरपूर मात्रा में आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम होता है। वहीं दही में कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन, आयरन, विटामिन बी6, विटामिन बी 12 जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इन दोनों चीजों को साथ में खाने से भरपूर पोषण मिलता है। तो आइए जानते हैं दही और किशमिश को साथ में खाने के फायदे

इम्युनिटी

दोनों को मिक्स कर खाने से इम्युनिटी मजबूत होती है। इसमें भरपूर एंटीऑक्सीडेंट रहता है। जिससे संक्रमण की चपेट में आने से बच जाते हैं।

पाचन क्रिया को करें दुरस्त

ठंड में आपकी पाचन क्रिया कमजोर नहीं होती है दरअसल, पानी नहीं पीने से प्रभावित होती है। जिससे भोजन पूरी तरह से डाइजेस्ट नहीं हो पाता है। और पेट खराब हो जाता है। इसलिए ठंड के मौसम में प्यास नहीं लगने पर भी पानी पीते रहना चाहिए।

त्वचा को निखारे

अगर आप चेहरे को निखारने के लिए चेहरे पर कुछ न कुछ लगाती है लेकिन निखार नहीं आता है तो दही और किशमिश खाएं। इसका सेवन करने से चेहरे का ग्लो बढ़ेगा स्किन सॉफ्ट और स्मूथ बनेगी।

एनर्जी बढ़ाए

जी हां, इसका सेवन करने से एनर्जी लेवल बढ़ेग। दरअसल, दही आपके इम्यूनिटी बढ़ाता है। वहीं दाख ठंड के मौसम का ही है। जब आपक मौसमी चीजें खाते हैं तो आपका रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। और जब इम्युनिटी स्ट्रांग होती है तो किसी संक्रमण की चपेट में जल्दी नहीं आते और जल्दी ठीक हो जाते हैं।

उषा पान करने के चमत्कारिक फायदे

उषा पान का आयुर्वेदिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है। हमारे ऋषि-मुनि और प्राचीनकाल के लोग उषा पान करके सेहतमंद बने रहते थे। परंतु आधुनिक युग में व्यक्ति यह सबकुछ भूल गया है। क्या आपको पता है कि उषा पान क्या होता और क्या आपको यह भी पता है कि उषापान करने के क्या फायदे हैं। यदि नहीं तो जानिए कि यह क्या होता है।

उषा पान क्या होता है?

हिन्दू धर्मानुसार दिन-रात मिलाकर 24 घंटे में आठ प्रहर होते हैं। औसतन एक प्रहर तीन घंटे या साढ़े सात घटी का होता है जिसमें दो मुहूर्त होते हैं। एक प्रहर एक घटी 24 मिनट की होती है। दिन के चार और रात के चार मिलाकर कुल आठ प्रहर।आठ प्रहर के नाम : दिन के चार प्रहर- 1पूर्वान्ह, 2मध्यान्ह, 3अपरान्ह और 4सायंकाल। रात के चार प्रहर- 5.प्रदोष, 6निशिथ, 7त्रियामा एवं 8उषा। इसमें से जो उषा काल है उस दौरान उठकर पानी पीने को ही उषा पान कहते हैं। परंतु आजकल लोग ऐसा नहीं करते क्योंकि लोगों की दिनचर्या बदल गई है और वे सुबह जल्दी नहीं उठ पाते हैं। ऐसे में जब वे देर रात को खाना खाते हैं तो उस दौरान पानी पी लेते हैं और फिर उन्हें उषा काल में पानी की प्यास नहीं लगती है। यदि लगती भी है तो वे नींद के आलस के मारे उठकर पानी नहीं पीते हैं।

उषा पान के 10 फायदे

- रात के चौथे प्रहर को उषा काल कहते हैं। रात के 3 बजे से सुबह के 6 बजे के बीच के समय को रात का अंतिम प्रहर भी कहते हैं। यह प्रहर शुद्ध रूप से सात्विक होता है। इस प्रहर में जल की गुणवत्ता बिल्कुल बदल जाती है। इसीलिए यह जल शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा है।
- शरीर की जैविक घड़ी के अनुसार इस समय में फेफड़े क्रियाशील रहते हैं। यदि हम इस काल में उठकर गुनगुना पानी पीकर थोड़ा खुली हवा में घूमते या प्राणायाम करते हैं तो फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है, क्योंकि इस दौरान उन्हें शुद्ध और ताजी वायु मिलती है।
- यदि ऐसा करते हैं तो जब प्रात: 5 से 7 बजे के बीच हमारी बड़ी आंत क्रियाशील रहती है तब इस बीच मल त्यागने में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती है। जो व्यक्ति इस वक्त सोते रहते हैं और मल त्याग नहीं करते हैं उनकी आंतें मल में से त्याज्य द्रवांश का शोषण कर मल को सुखा देती हैं। इससे कब्ज तथा कई अन्य रोग उत्पन्न होते हैं।
- 'काकचण्डीश्वर कल्पतन्त्र' नामक आयुर्वेदीय ग्रन्थ के अनुसार रात के पहले प्रहर में पानी पीना विषतुल्य, मध्य रात्रि में पिया गया पानी दूध सामान और प्रात: काल (सूर्योदय से पहले उषा काल में) पिया गया जल मां के दूध के समान लाभप्रद कहा गया हैं।
- आयुर्वेदीय ग्रन्थ 'योग रत्नाकर' के अनुसार जो मनुष्य सूर्य उदय होने के निकट समय में आठ प्रसर (प्रसृत) मात्रा में जल पीता हैं, वह रोग और बुढ़ापे से मुक्त होकर 100 वर्ष से भी अधिक जीवित रहता हैं।
- उषापान करने से कब्ज, अत्यधिक एसिडिटी और डाइस्पेसिया जैसे रोगों को खत्म करने में लाभ मिलता है।
- उषापान करने वाले की त्वचा भी साफ और सुंदर बनी रहती है।
- प्रतिदिन उषापान करने से किडनी स्वस्थ बनी रहती है।
- प्रतिदिन उषापान करने से आपको वजन कम करने में भी लाभ मिलता है।
- उषापान करने से पाचन तंत्र दुरुस्त होता है।

खास बातें

- तांबे के लोटे में पीए पानी। रात में तांबे के बरतन में रखा पानी सुबह पीएं तो अधिक लाभ होता है।
- वात, पित्त, कफ, हिचकी संबंधी कोई गंभीर रोग हो तो पानी ना पीएं।
- अल्सर जैसे कोई रोग हो तो भी पानी ना पीएं।

मध्य रात्रि में दूध तथा सूर्योदय से ठीक पहले किया गया उषा पान अमृत समान

गंदगी को शरीर से बाहर निकाल फेंकने के लिए उषा पान जैसा अस्त्र भारतीय परम्परा की ही देन हैं, जो भारतीय महाऋषियों के शरीर विषयक सूक्षम एवं विषद अध्ययन की खूबसूरत अभिव्यक्ति हैं.कहा जाता है की उनकी इस खोज ने अच्छे-अच्छे व्यक्ति को आज फिट बना के रखा है.

बर्तन का महत्व

लोहे के बर्तन में रखा हुआ दूध और ताम्बे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीने वाले को कभी यकृत (लिवर) और रक्त (ब्लड) सम्बन्धी रोग नहीं होते और उसका रक्त हमेशा शुद्ध बना रहता हैं.उषा पान के लिए पिया जाने वाला जल ताम्बे के बर्तन में रात भर रखा जाए, तो उस से और भी स्वस्थ्य लाभ प्राप्त हो सकेंगे.जल से भरा ताम्बे का बर्तन सीधे भूमि के संपर्क में नहीं रखना चाहिए, अपितु इसको लकड़ी के टुकड़े पर रखना चाहिए. और पानी हमेशा नीचे उकड़ू (घुटनो के बल – उत्कर आसान) बैठ कर पीना चाहिए.ऐसे लोग जिन्हे यूरिक एसिड बढे होने की शिकायत हैं, उनके लिए तो सुबह उषा पान करना किसी रामबाण औषधि से कम नहीं.

प्रात: काल रात्रि के अंतिम प्रहार में पिया जाने वाल जल दूध इत्यादि को आयुर्वेद एवं भारतीय धर्म शास्त्रो में उषा पान शब्द से संबोधित किया गया हैं.सुप्रसिद्ध आयुर्वेदीय ग्रन्थ 'योग रत्नाकर' सूर्य उदय होने के निकट समय में जो मनुष्य आठ प्रसर (प्रसृत) मात्रा में जल पीता हैं, वह रोग और बुढ़ापे से मुक्त होकर सौ वर्ष से भी अधिक जीवित रहता हैं.

उषा पान कब करना चाहिए

प्रात: काल बिस्तर से उठ कर बिना मुख प्रक्षालन (कुल्ला इत्यादि) किये हुए ही पानी पीना चाहिए.कुल्ला करने के बाद पिए जाने वाले पानी से सम्पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता.ध्यान रहे पानी मल मूत्र त्याग के भी पहले पीना हैं.

जल की नैसर्गिक शक्ति

जल में एक नैसर्गिक विद्दुत होती हैं, जो रोगो का विनाश करने में समर्थ होती हैं.इसलिए जल के विविध प्रयोगो से शरीर के सूक्षम अति सूक्षम, ज्ञान तंतुओ के चक्र पर अनूठा प्रभाव पड़ता हैं, जिस से शरीर के मूल भाग मस्तिष्क की शक्ति एवं क्रियाशीलता में चमत्कारिक बढ़ोतरी होती हैं.

क्या होता है आंखों का लकवा

कई बार सेहत के प्रति लापरवाही बरतने या फिर जागरुकता की कमी की वजह से व्यक्ति को गंभीर रोगों का शिकार होना पड़ता है। ऐसा ही एक रोग है आंखों का लकवा। ऑक्यूलर पैरालिसिस आंखों से जुड़ी ऐसी गंभीर बीमारी है जिसकी अनदेखी करने पर व्यक्ति की नजर पूरी तरह प्रभावित हो जाती है। आइए जानते हैं आखिर क्या है यह रोग, इसके लक्षण और बचाव के तरीके।

क्या है आंखों का लकवा

ऑक्यूलर पैरालिसिस को हिंदी भाषा में आंखों का लकवा कहते हैं। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें आंखों की पुतलियों का चलना-हिलना बंद हो जाता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को देखने में परेशानी होने लगती है। दरअसल हर व्यक्ति की आंखों में 6 एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स होते हैं। जिसमें से 4 रेक्टाइ और 2 ऑबलिक मसल्स होते हैं। एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स की मदद से ही व्यक्ति अपनी आंखों को दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे हिला पाता है। यदि किसी कारण इन एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स में आंशिक रूप से लकवा हो जाए तो फिर आइबॉल का मूवमेंट प्रभावित हो जाता है और व्यक्ति चाहते हुए भी अपनी आइबॉल को गति में नहीं ला पाता है। इसी स्थिति को आंखों का लकवा कहा जाता है।

आंखों के लकवा के लक्षण

- आंखों में तेज दर्द के साथ आंखें लाल होना और आंखों से लगातार पानी बहते रहना।
- आंखों की पुतलियों का अचानक से एक ही दिशा में बने रहना या पलकें नीचे गिर जाना।
- डबल विजन जिसमें व्यक्ति को एक वस्तु दो दिखाई देती है।
- मरीज का जी मिचलाना और चक्कर आना।

सुदेवा, गढ़वाल और ईमी का विजयी अभियान रहा जारी

नई दिल्ली। फ्यूचर स्टार्स यूथ लीग में खेले गए मैचों में सुदेवा दिल्ली एफसी, गढ़वाल हीरोज, होप्स, ईमी, ग्रोइंग स्टार्स, दिल्ली टाइगर्स, तरुण संघा और जुबा संघा ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत हासिल

की। ग्रोइंग स्टार्स ने लीग की सबसे फिसड्डी टीम सीमापुरी को नौ गोलों से रौंदा, तो गढ़वाल हीरोज ने दिल्ली एफसी को 5-1 से पटखनी दी। सुदेवा और होप्स ने क्रमशः सिग्नेचर और ग्लोरियस को 4-0 से धो डाला।

जूनियर हॉकी विश्व कपः स्पेन से 1-4 से हारा भारत

कुआलालंपुर । भारत को एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में गुरुवार को यहां पूल सी मैच में स्पेन के खिलाफ 1-4 की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। स्पेन दो जीत से छह अंक जुटाकर पूल में शीर्ष पर चल रहा है। कोरिया बेहतर गोल अंतर के कारण भारत से आगे दूसरे स्थान पर है। दोनों टीम के दो मैच में एक जीत और एक हार से तीन अंक हैं। पूल की चौथी टीम कनाडा ने अब तक अपने दोनों मुकाबले गंवाए हैं और उसका अंकों का खाता नहीं खुला है।

भारत अपना आखिरी पूल मुकाबला शनिवार को कनाडा के खिलाफ खेलेगा। उत्तम सिंह की अगुआई वाली भारतीय टीम ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की शुरुआत कोरिया के खिलाफ 4-2 की जीत के साथ की थी लेकिन तकनीकी रूप से बेहतर स्पेन की टीम के खिलाफ उसे हार झेलनी पड़ी। स्पेन की ओर से काब्रे वेरडील पोल (पहले और 41वें मिनट) और राफी आंद्रियास (18वें और 60वें मिनट) ने दो-दो गोल दागे जबकि भारत के लिए एकमात्र गोल रोहित ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर किया।

बिग बैश लीग में रॉकेट मैन की एंट्री, 34 सैकेंड के शो ने जीता दर्शकों का दिल

गाबा । बिग बैश लीग में ब्रिस्बेन हीट फ्रेंचाइजी फैंस के मनोरंजन के लिए मशहूर है। वे गाबा में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ बीबीएल 2023 के शुरुआती गेम के लिए प्रसिद्ध रॉकेटमैन को वापस लाए। प्रशंसक रॉकेट मैन की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। 2016/17 सीजन में पहली बार बीबीएल में रॉकेटमैन को देखा गया था। 6 साल बाद उन्होंने वापसी की। अब पहली पारी के बाद ब्रेक के दौरान प्रशंसकों ने उनका वापसी पर

जोरदार स्वागत किया। ब्रिस्बेन हीट ने उक्त मुकाबला ग्लेन मैक्सवेल की कप्तानी वाली टीम से 103 रनों से गंवा दिया। इससे पहले कॉलिन मुनरो ने 61 गेंदों पर 99 रनों की पारी ने हीट को 20 ओवरों में 214/3 पर पहुंचाया था। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ने 9 चौके और 5 छक्के लगाए। 215 रन का पीछा करते हुए स्टार्स 111 रन पर आउट हो गई। कोई बल्लेबाज अर्धशतक नहीं लगा पाया।विश्व कप विजेता टीम के सदस्य मैक्सवेल और मार्नस स्टोइनिस आगे बढ़ने में असफल रहे। ग्लेन ने 3 ओवर में 44 रन दिए और 23 रन बनाए। स्टोइनिस, जिन्होंने गेंदबाजी नहीं की, ने सिर्फ 2 रनों का योगदान दिया। मिचेल स्वेपसन (3 विकेट), जेवियर बार्टलेट (2 विकेट) और माइकल नेसर (2 विकेट) ने स्टार्स की पारी 15.1 ओवर में समेट दी।

वॉलीबॉल क्लब विश्व चैम्पियनशिपः सदा क्रूज़ेरो वोलेई के खिलाफ हार के बावजूद सनटोरी सनबर्ड्स सेमीफाइनल में

बेंगलुरू। जापान की सनटोरी सनबर्ड्स पुरुषों की वॉलीबॉल क्लब विश्व चैंपियनशिप 2023 के मौजूदा संस्करण के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई है। चार बार के चैंपियन सदा क्रूज़ेरो वोलेई ने गुरुवार रात यहां कोरमंगला इंडोर स्टेडियम में सनटोरी पर 3-2 से जीत दर्ज की लेकिन बावजूद इसके सनटोरी सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। पहली बार प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में खेल रहे सनबर्ड्स सनटोरी ने पूल-बी के अपने दूसरे मैच के तीसरे सेट में चार मैच प्वाइंट बचाए और फिर निर्णायक सेट में भी अंक सुनिश्चित करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सदा भी नॉक-आउट चरण में एक स्थान की तलाश थे क्योंकि उन्होंने चैंपियनशिप के अपने शुरुआती मुकाबले को 25-21, 31-29, 28-30, 22-25, 15-12 से जीतने के लिए समय पर खुद को फिर से संगठित किया और दो मूल्यवान अंक अर्जित किए।

टूर्नामेंट के फॉर्मेट के अनुसार, 3-2 के अंतर से जीतने वाली टीम तीन अंक अर्जित करती है जबकि हारने वाली टीम को भी उनके प्रयास के लिए एक अंक मिलता है। पूल-बी में जो स्थिति है, उसके अनुसार, सनबर्ड्स के पास अब चार अंक हैं, जबकि सदा को शुक्रवार को एक अहम मुकाबले में तुर्की के हल्कबैंक स्पोर कुलुबु का सामना करना पड़ेगा। सदा और सनबर्ड्स के बीच तीसरे सेट के अंत तक ऐसी संभावना असंभव लग रही थी, क्योंकि ब्राजीलियाई टीम अपनी बेहतर स्पाइकिंग की बदौलत पूरे तीन अंक हासिल करने के लिए तैयार दिख रही थी। हालांकि, सनबर्ड्स ने तब धैर्य बनाए रखा जब मूल्यवान अंक अर्जित करना सबसे अधिक महत्वपूर्ण था।सदा, जो अब तक अपने पांच ब्राज़ीलियाई सुपरलिगा मैचों में अजेय रहे हैं, तीसरे सेट में अच्छी स्थिति में दिख रहे थे। उन्होंने पहले दो सेट जीत लिए थे, क्योंकि उन्होंने कुछ क्वालिटी ब्लॉक्स के साथ 14-10 की बढ़त बना ली थी। शुरुआती सेट में लोपेज़ बाईं ओर से सदा के लिए सबसे प्रभावशाली स्पाइकर थे, जिन्होंने कुल आठ अंक बनाए और उन्हें सातकैंप और बतिस्ता क्लेडेनिलसन सूजा से जो साथ मिला, उसने सनबर्ड्स के कोच कोटा यामामुरा को कोर्ट पर एक और ब्लाकर रखने के लिए सेटर का बलिदान करने के लिए मजबूर किया।

बीसीसीआई ने महिला प्रीमियर लीग के लिए की समिति की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार शाम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए एक समिति की घोषणा की, जो डब्ल्यूपीएल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। समिति विविध पृष्ठभूमियों से आती है और बीसीसीआई का मानना है कि महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए उनकी सामूहिक विशेषज्ञता और जुनून उन्हें महिला प्रीमियर लीग के लिए एक अमूल्य संपत्ति बनाता है। समिति के सदस्य महिला प्रीमियर लीग के विकास और सफलता में योगदान देने के अवसर को लेकर उत्साहित हैं। वे एक जीवंत और प्रतिस्पर्धी माहौल बनाने के लिए हितधारकों, खिलाड़ियों और प्रशंसकों के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं जो महिला क्रिकेट के भीतर की अपार प्रतिभा को प्रदर्शित करता है।

महिला प्रीमियर लीग के लिए समिति के सदस्य इस प्रकार हैं:- रोजर बिन्नी - अध्यक्ष, जय शाह -संयोजक, अरुण धूमल - आईपीएल अध्यक्ष, राजीव शुक्ला - बीसीसीआई उपाध्यक्ष, आशीष शेलार - बीसीसीआई मानद कोषाध्यक्ष, देवजीत सैकिया - बीसीसीआई मानद संयुक्त सचिव, मधुमती लेले, प्रभातेज भाटिया।

जयपुर पिंक पैंथर्स और बंगाल वॉरियर्स ने पीकेएल सीजन-10 का पहला टाई खेला

अहमदाबाद। जयपुर पिंक पैंथर्स और बंगाल वॉरियर्स ने गुरुवार रात ईकेए एरिना बाय ट्रांसस्टेडिया में प्रो कबड्डी लीग सीजन-10 का पहला टाई मुकाबला खेला। यह बेहद मनोरंजक 28-28 से ड्रा रहा। भवानी राजपूत ने जयपुर पिंक पैंथर्स के लिए सुपर-10 दर्ज किया जबकि श्रीकांत जाधव मैच में 7 अंकों के साथ वॉरियर्स के लिए शीर्ष स्कोरर रहे। जयपुर पिंक पैंथर्स ने मैच की शानदार शुरुआत की और शुरुआती मिनटों में वॉरियर्स को एक भी अंक नहीं लेने दिया। वॉरियर्स को अंक दिलाने के लिए श्रीकांत जाधव 'डू ओर डाई' का सहारा लेना पड़ा। वहां से,

वॉरियर्स ने लगातार अंक अर्जित करते हुए मैट पर पिंक पैंथर्स के खिलाड़ियों की संख्या को सीमित रखा। हालांकि जयपुर पिंक पैंथर्स के लिए संख्या मायने नहीं रखतीं। अंकुश के नेतृत्व में उनकी रक्षापंक्ति ने पहले हाफ में लगातार तीन सुपर टैकल किए जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि उन्होंने ब्रेक के समय तक बढ़त बनाए रखी। जयपुर पिंक पैंथर्स का डिफेंस इतना प्रभावशाली था कि इसने उनके टैकल पॉइंट में 8 टैकल पॉइंट का योगदान दिया और इस तरह हाफ टाइम तक वे 13-9 से आगे थे।

बेंगलुरू एफसी के खिलाफ हेड कोच के झटके से उबरने की कोशिश करेगी मुम्बई सिटी एफसी

बेंगलुरू। मुम्बई सिटी एफसी की टीम एक महीने से अधिक समय के बाद इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 एक्शन में वापस लौट आई है। मुम्बई की टीम आज रात को श्री कांतीरावा स्टेडियम में मेजबान बेंगलुरू एफसी का सामना करेगी। आइलैंडर्स को पिछले महीने तगड़ा झटका लगा, जब उनके हेड कोच डेस बकिंघम मुम्बई सिटी एफसी को छोड़कर स्वदेश लौट गए, जहां वह अपने बचपन के क्लब ऑक्सफोर्ड यूनाइटेड एफसी की बागडोर संभालेंगे। बकिंघम की ब्लू आर्मी के रूप में पहचाने जाने वाले मौजूदा लीग विजेता शील्ड धारकों ने पिछले दो वर्षों में ब्रिटिश रणनीतिकार के आइडिया, फिलोस्फी और खेल शैली को पूरी तरह से अपना लिया था। उन्होंने आइलैंडर्स को बड़ी

सफलता दिलाई। वो लीग में सबसे तेज 100+ गोल करने वाले टीम बनी, और डेस लीग शील्ड जीतने वाले सबसे कम उम्र के कोच भी बने। डेस के जैसा काबिल कोच को ढूंढना कठिन काम होगा, फिलहाल सहायक कोच एंथोनी फर्नांडीस और हियोशी मियाज़ावा अंतरिम आधार पर उनका कार्यभार संभाल रहे हैं। हालांकि, एएफसी चैम्पियंस लीग ग्रुप स्टेज के अपने सभी छह मैच हारने के बाद, आइलैंडर्स को इस समय अपने घरेलू वर्चस्व को फिर से हासिल करना है। आइलैंडर्स पूरी तरह से आईएसएल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, जहां वे वर्तमान में पांच मैचों में 11 अंक हासिल करके तालिका में पांचवें स्थान पर हैं। वे शीर्ष पर मौजूद एफसी गोवा (19) से आठ अंक पीछे हैं, जिन्होंने दो अतिरिक्त मैच (7) भी खेले हैं। हालांकि, मुम्बई सिटी एफसी को पता है कि शील्ड की रक्षा के लिए वो अंक नहीं गंवा सकती है। लिहाजा, टीम को मैदान पर अपने कर्तव्यों को त्रुटिहीन ढंग से निभाना होगा और वहीं, ब्लूज मुम्बई सिटी एफसी के कैम्प में अनिश्चितता के इस माहौल का फायदा उठाना चाहेंगे।

श्रीसंत को फिक्सर कहने पर विवाद : पूरे मामले पर गौतम गंभीर ने दिया रिप्लाई

सूरत। सूरत के लालाभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2023 के एलिमिनेटर के दौरान गौतम गंभीर और श्रीसंत तीखी बहस देखने को मिली। पूर्व तेज गेंदबाज श्रीसंत ने आरोप लगाया कि गौतम गंभीर ने उन्हें फिक्सर कहा था। इस पर अब पूर्व क्रिकेटर और पूर्वी दिल्ली से भाजपा के सांसद गंभीर का बयान सामने आया है।

गंभीर ने इस मामले पर एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है। गंभीर ने भारतीय जर्सी में खुद की मुस्कुराती हुई फोटो 'एक्स' पर साझा करते हुए लिखा, 'जब दुनिया का काम ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने का हो तो मुस्कुराते रहो।' गौर हो कि पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने आरोप लगाया कि गौतम गंभीर ने उन्हें यहां लीजेंड्स लीग क्रिकेट के मैच के दौरान 'फिक्सर' कहा। बुधवार को इंडियन कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच एलिमिनेटर मैच के दौरान श्रीसंत और उनके पूर्व साथी गंभीर के बीच तीखी बहस हो गई थी। इसके बाद विश्व कप विजेता खिलाड़ियों को अलग करने के लिए अंपायर को हस्तक्षेप करना पड़ा। श्रीसंत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लाइव आकर कहा, 'वह

लाइव टीवी पर मुझे 'फिक्सर फिक्सर' कहता रहा, तुम फिक्सर हो।' श्रीसंत ने कहा, 'मैंने सिर्फ यही कहा, आप क्या कह रहे हो। मैं मजाकिया अंदाज में हसंता रहा। जब अंपायर उन्हें शांत करने की कोशिश कर रहे थे तो उन्होंने उनसे भी इसी भाषा में बात की।' श्रीसंत पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2013 में स्पॉट फिक्सिंग प्रकरण में उनकी कथित लिप्तता के कारण बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की अनुशासनात्मक समिति ने आजीवन प्रतिबंध लगाया था। लेकिन उच्चतम न्यायालय ने 2019 में इस प्रतिबंध को घटाकर सात साल का कर दिया था। श्रीसंत ने कहा, 'मैंने किसी अपशब्द का इस्तेमाल नहीं किया। कृपया सच का समर्थन करें। वह कई लोगों के साथ ऐसा करता रहा है। मुझे नहीं पता कि उसने यह क्यों शुरू किया और यह ओवर के अंत में हुआ।' उन्होंने कहा, 'अब उनके लोग कह रहे हैं कि उन्होंने 'सिक्सर सिक्सर' बोला है, लेकिन उन्होंने बोला 'यू फिक्सर' तू फिक्सर है। यह बात करने का तरीका नहीं है। मैं इस घटना को यहीं खत्म करने का सोच रहा हूं लेकिन उनके लोग उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आप 'एक्स्ट्रा पेड पीआर वर्क' (अतिरिक्त भुगतान पर जनसंपर्क करने वाले) के झांसे में नहीं आए।'

सिकंदर रजा की शानदार बल्लेबाजी, जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को रोमांचक मुकाबले में एक विकेट से हराया

हरारे (जिम्बाब्वे)। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को तीन मैचों की श्रृंखला के रोमांचक शुरुआती टी20 मैच में आयरलैंड के खिलाफ आखिरी गेंद पर जीत हासिल की। रजा ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में 1-0 से बढ़त दिला दी।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में रोशनी के नीचे खेले गए पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में सिकंदर रजा ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 1-0 से बढ़त दिला दी। दूसरी ओर, रिचर्ड नगारावा, ब्लेसिंग मुजाराबानी और नवोदित ट्रेवर ग्वांडू की तेज तिकड़ी ने अपनी टीम के लिए गेंद से प्रमुख भूमिका निभाई। आयरलैंड ने 20 ओवरों में कुल 147-8 रन बनाए जबकि जिम्बाब्वे 148-9 के कुल स्कोर पर समाप्त हुआ जब ब्लेसिंग मुजाराबानी ने मैच की अंतिम गेंद पर दो रन बनाए जो कि उनके द्वारा सामना की गई पहली गेंद थी। रजा की स्पिन गेंदबाजी ने तीन विकेट लिए, जिसमें आयरलैंड के शीर्ष कप्तान एंडी बालबर्नी भी शामिल थे, जिन्होंने एक छक्का और छह चौकों सहित 32 रन बनाए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए रजा ने 42 गेंदों पर 65 रन बनाए

जिसमें दो छक्के और पांच चौके शामिल थे।

आयरलैंड ने 147 रन का बचाव करते हुए गेंद से सधी हुई शुरुआत की और बैरी मैक्कार्थी को मिड-ऑन पर छकाते हुए तादिवानाशे मारुमानी जल्दी आउट हो गए। फिर जोश लिटिल ने जिम्बाब्वे को और अधिक दबाव में लाने के लिए सीन विलियम्स को भेजा। पावरप्ले को समाप्त करने के लिए बैक-टू-बैक बाउंड्री के साथ रजा ने जिम्बाब्वे की पारी को गति देने में मदद की। जब स्पिन शुरू की गई तो वेस्ली मधेवेरे ने जॉर्ज डॉकरेल को चार रन के लिए रिवर्स-स्वेप किया, लेकिन वह एक गेंद के बाद आउट हो गए। रजा और रयान बर्ल ने जिम्बाब्वे के लिए रन बनाने जारी रखे और 12वें ओवर में गति बदलती दिखी जब रजा ने गैरेथ डेलानी को मिडविकेट पर आउट किया और बर्ल ने 13 रन के ओवर में लॉन्ग-ऑन पर ड्राइव किया। जिम्बाब्वे के कप्तान ने जल्द ही अपना 12वां टी20आई अर्धशतक पूरा किया।

क्लाइव मैडेंडे ने बैरी मैक्कार्थी को छक्का और चौका लगाकर खेल को 19 रन का बना दिया और गेंद को चलाने के लिए पूछने की दर को कम कर दिया। उस समय जिम्बाब्वे एक आरामदायक जीत की ओर अग्रसर दिख रहा था, लेकिन मार्क अडायर ने एक शानदार अंतिम ओवर में ल्यूक जोंगवे और रजा को आउट कर दिया। आखिरी ओवर के ड्रामे के बावजूद जिम्बाब्वे नगारावा, ग्वांडू और मुजाराबानी की बदौलत जीत हासिल करने में सफल रहा। इससे पहले एंडी बालबर्नी के 32 और हैरी टेक्टर (24) और गैरेथ डेलानी (26) के छोटे कैमियो ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आयरलैंड को 147/8 पर पहुंचा दिया।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित, तीन अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के लिए अपनी 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन, तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के और लेग स्पिनर आदि अशोक को शामिल किया गया है।

टॉम लैथम टीम का नेतृत्व करेंगे क्योंकि नियमित वनडे कप्तान केन विलियमसन के साथ टिम साउदी, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर, ग्लेन फिलिप्स और डेवोन कॉनवे को घरेलू सत्र से पहले आराम दिया गया है 13 सदस्यीय टीम में शामिल किए गए ऑकलैंड के 21 वर्षीय अशोक ने अगस्त में यूएई के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था और वह दूसरे और तीसरे वनडे के लिए टीम का हिस्सा होंगे, जब लेग स्पिनर ईश सोढ़ी पहले गेम के बाद नियोजित ब्रेक लेंगे। अशोक

के नाम 18 लिस्ट ए मैचों में 24 विकेट हैं। 26 वर्षीय क्लार्कसन ने 68 लिस्ट ए गेम खेले हैं, जिसमें उनका बल्ले से औसत 32.37 और स्ट्राइक रेट 99.48 रहा है। एक मध्यम गति के गेंदबाज के रूप में, उन्होंने 23 पारियों में 26.55 की औसत और 5.31 की इकॉनमी से 27 विकेट लिए हैं। कैंटरबरी के 22 वर्षीय ओ'रूर्के ने 17 मैच खेले हैं और 23.25 की औसत और 5.01 की इकोनॉमी से 27 विकेट लिए हैं।यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने कहा, इस साल सर्दियों में क्रिकेट की मात्रा और तीव्रता का मतलब है कि हमें खिलाड़ियों के लिए कार्यभार के साथ संतुलन बनाने की जरूरत है, खासकर उन खिलाड़ियों के लिए जो कई प्रारूप खेलते हैं।

टीम 14 दिसंबर को डुनेडिन में इकट्ठा होगी, जहां 17 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ पहला वनडे होगा। दूसरा वनडे 20 दिसंबर को नेल्सन में और तीसरा 23 दिसंबर को नेपियर में होगा।

न्यूजीलैंड टीम

टॉम लैथम (कप्तान), आदि अशोक (मैच 2 और 3), फिन एलन, टॉम ब्लंडेल, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, हेनरी निकोल्स, विल ओ'रूर्के, रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी (पहले मैच के लिए), विल यंग।

विराट कोहली से जलते हैं मोहम्मद हफीज- ब्रायन लारा का आलोचकों को करारा जवाब

नई दिल्ली। भारत आईसीसी विश्व कप 2023 में उपविजेता रहा लेकिन व्यक्तिगत तौर पर विराट कोहली के लिए यह टूर्नामेंट अद्भुत रहा। 35 वर्षीय विराट ने टूर्नामेंट में 11 पारियों में 765 रन बनाए। जिसके चलते वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने। विश्व कप के दौरान उन्होंने तीन शतक भी जड़े। विराट ने इस दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 49 एकदिवसीय शतकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब वह वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले प्लेयर हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों ने विराट के फॉर्म की सराहना की थी लेकिन कुछेक ने उनकी निंदा भी की थी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज इनमें से एक थे। हफीज ने विराट से जान बूझकर मैच में धीमा खेलने का आरोप लगाया था। हफीज

का कहना था कि विराट सिर्फ शतक पूरा करना चाहते थे इसलिए कोई रिस्क न हो इसलिए वह धीमा खेले। जिससे टीम के स्कोर भी प्रभावित हुए। इसी बीच वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा ने विराट कोहली के आलोचकों पर पलटवार किया है। उन्होंने आईसीसी विश्व कप 2023 के दौरान विराट की शैली का बचाव किया। लारा ने कहा कि जो लोग कोहली को स्वार्थी कहते थे, वे उनसे ईर्ष्या करते हैं। लारा ने कहा कि वे (मोहम्मद हफीज) जो ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं कि वह स्वार्थी हैं, संभवतः उनसे ईर्ष्या करते हैं। वे उसके बनाए रनों की संख्या से ईर्ष्या करते हैं। मैंने अपने करियर के दौरान ऐसी ही चीजों का अनुभव किया है। लारा ने यह भी कहा कि केवल विराट ही सचिन के 100 शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच सकते हैं।

नानी और मृणाल ठाकुर की फिल्म हाय नन्ना हुई रिलीज, जानिए दर्शकों को कितनी आई पसंद

बड़े पर्दे पर इमोशनल फैमिली ड्रामा फिल्म 'हाय नन्ना' आज 7 दिसंबर को रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर (**Mrunal Thakur**) और नानी नजर आ रहे हैं। यह फिल्म लोगों को काफी पसंद आ रही है और लोग सोशल मीडिया पर मूवी की तारीफ कर रहे हैं।लिए जानते हैं साउथ के सुपरस्टार नवीन बाबू घंटा उर्फ नानी (**Nani**) और मृणाल ठाकुर स्टारर हाय नन्नाको दर्शकों ने पसंद किया या नापसंद किया है, यहां पढ़ें पूरा रिव्यू।

आंखों को नम कर देगी फिल्म

एक यूजर ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा '**HiNanna** यह कितना खूबसूरत सिनेमा है। यह सिनेमा आपके दिल को भारी और आंखों को नम कर देता है, एक सिनेमा को

बेहतरीन साबित करने के लिए और क्या चाहिए। नानी और छोटा बच्चा बहुत अच्छे थे, लेकिन मेरे लिए यह मृणाल ठाकुर हैं जिन्होंने शो चुरा लिया। इस सिनेमा को न चूकें।एक अन्य यूजर ने लिखा दिल को छू लेने वाली क्लासिक फिल्म और संगीत के लिए निर्देशक को श्रेय जाता है। बीजीएम मूवी की आत्मा है। नानी के लिए एक और बेहतरीन फिल्म, मृणाल ठाकुर के करियर की एक और सर्वश्रेष्ठ फिल्म, थियेटरों में देखने से मत चूकिए।एक और यूजर ने लिखा कि हमने **HiNanna** शो पूरा किया, नानी अन्ना का अभिनय पुरस्कार के लायक। इस हफ्ते सप्ताहांत परिवार के साथ देखने लायक।**Hi Nanna** के लिए सुपर उत्साहित। यह निश्चित तौर पर सर्वश्रेष्ठ हिट होगी और इस साल का अंत खूबसूरती से होगा।

क्या है फिल्म की कहानी

इसके ट्रेलर में देखने को मिला था कि यह फिल्म पिता और बेटी की है। बेटी के पास पापा, दादा और चाचा सब होते हैं, लेकिन वह मां के बारे में जानने के लिए बेताब रहती है। नानी अपनी बेटी को एक राजा की कहानी सुनाता है, जिसमें दादा और चाचा तो होते हैं, लेकिन रानी का किरदार नहीं होता।

Ali Fazal- Richa Chadha की प्रोडक्शन फिल्म ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, इस फिल्म फेस्टिवल के लिए चुनी गई Girls Will Be Girls

ऋचा चड्ढा और अली फज़ल बॉलीवुड के पावर कपल हैं. फिलहाल ये जोड़ी अपने पहले प्रोडक्शन वेंचर 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' में बिजी हैं. वहीं कपल की इस फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है दरअसल इनकी फिल्म ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है. जी हां ऋचा चड्ढा और अली फज़ल की गर्ल्स विल बी गर्ल्स वर्ल्ड ड्रामेटिक फीचर कैटेगिरी में प्रेस्टिजियस सनडांस फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर के लिए सिलेक्ट की गई है. सनडांस दुनिया के सबसे बड़े फिल्म फेस्टिवल में से एक माना जाता है.

गर्ल्स विल बी गर्ल्स सनडांस फिल्म के लिए चुनी गई

गर्ल्स विल बी गर्ल्स फेस्टिवल के कंप्टीशन सेक्शन में पार्टिसिपेट करने के लिए चुनी गई एक्सक्लूसिव 16 फिल्मों में से एक है. यह उपलब्धि फिल्म को उन कुछ चुनिंदा इंडियन नेरेटिव फीचर फिल्मों में शामिल करती है, जिन्होंने सनडांस में ऐसी पहचान हासिल की है.

गर्ल्स विल बी गर्ल्स का डायरेक्शन शुचि तलाठी ने किया है

ऋचा चड्ढा और अली फज़ल के प्रोडक्शन की गर्ल्स विल बी गर्ल्स का डायरेक्शन शुचि तलाठी ने किया है. ये फिल्म नॉर्थ इंडिया के एक छोटे से हिमालयी पहाड़ी शहर के एक बोर्डिंग स्कूल पर बेस्ड स्टोरी है. ये 16 साल की लड़की मीरा की जर्नी दिखाती है जो काफी विद्रोही स्वभाव की है. फिल्म के कलाकारों में मल्टी अवॉर्ड विनिंग मलयालम फिल्म एक्ट्रेस कानी कुसरुति और जितिन गुलाटी के साथ-साथ न्यू कमर प्रीति पाणिग्रही और केसव बिनॉय किरण मुख्य भूमिका में हैं.

गर्ल्स विल बी गर्ल्स की उपलब्धि पर शुची ने जताई खुशी

गर्ल्स विल बी गर्ल्स के सनडांस फिल्म फेस्टिवल में चुने जाने पर डायरेक्टर शुचि ने कहा, मुझे खुशी है कि मेरी पहला फीचर सिनेमा के मक्का, सनडांस में चुनी गई है. भारत में शूट की गई और संकल्पित फिल्म को इस बड़े इंटरनेशनल फेस्टिव में शामिल होते देखना खुशी की बात है. इस ड्रामा के फोकस में एक मां और बेटी के बीच की प्रेम कहानी है.

रणबीर कपूर की एनिमल ने दनादन जड़े तीन शतक, बस एक हफ्ते में कमा डाले इतने करोड़

रणबीर कपूर की एनिमल बॉक्स ऑफिस पर दनादन रिकॉर्ड बनाती जा रही है। फिल्म रिलीज के दिन से रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है। एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर अब एक हफ्ते का सफर तय कर लिया है, इसके साथ ही फिल्म ने एक बार फिर झंडे गाड़ रही है।एनिमल, 1 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। नॉन हॉलीडे वीकेंड होने के बावजूद ने फिल्म ने शानदार बिजनेस किया। देखते ही देखते एनिमल ने एक-एक कर तीन शतक जड़ दिए और बॉक्स ऑफिस पर नोट छापने की मशीन बनी हुई है।

किन फिल्मों का तोड़ा रिकॉर्ड ?

एनिमल ने टिकट काउंटर पर 63 करोड़ के साथ खाता खोला।

इसके साथ ही फिल्म साल 2023 की कई बड़ी फिल्मों को ओपनिंग के मामले में पीछे छोड़ दिया। इनमें शाह रुख खान की पठान और सनी देओल की गदर 2 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल है।

एनिमल ने जड़े तीन शतक

एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर बुलेट ट्रेन की स्पीड में कमाई की। दो दिनों के अंदर 100 करोड़ और तीन दिन में 200 करोड़ क्लब में एंट्री कर ली। अब फिल्म ने एक हफ्ते पूरे होने से पहले ही 300 करोड़ कमा कर एक और शतक जड़ दिए है।

एक हफ्ते में किया कितना बिजनेस ?

एनिमल को वर्क डेज होने की वजह से थोड़ा घाटा सहना पड़ रहा है। फिर भी फिल्म ठीक-ठाक कमाई करती जा रही है। **Sacnilk** की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को भी एनिमल का जलवा बॉक्स ऑफिस पर बरकरार रहा। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने 7 दिसंबर को घरेलु बॉक्स ऑफिस पर लगभग 15.13 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। इसके साथ ही डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर एनिमल ने रिलीज के एक हफ्ते में 328.48 करोड़ का नेट बिजनेस कर लिया है।

उर्वशी रौतेला के हाथ लगी 300 करोड़ की फिल्म, इस साउथ सुपरस्टार संग जमेगी जोड़ी, बॉबी देओल भी हैं हिस्सा

एनिमल से बॉबी देओल ने सिनेमाघरों में एक लंबे समय के बाद दमदार वापसी की है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल में उनका किरदार भले ही छोटा था और मूक था, लेकिन अपनी इस भूमिका से बॉबी देओल ने फैंस के दिलों पर ऐसी छाप छोड़ी है, जिसके बाद चारों और उन्हें फैंस लॉर्ड बॉबी कह रहे हैं।निमल के बाद अब बॉबी देओल जल्द ही साउथ सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण के साथ फिल्मी पर्दे पर दो-दो हाथ करते हुए नजर आएंगे। बॉबी देओल जल्द ही **NBK** 109 में अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे।इस फिल्म नंदमुरी बालकृष्ण और बॉबी देओल के अलावा अभिनेता दुलकर सलमान भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। अब हालिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्की फीमेल लीड भी मेकर्स ने फाइनल कर दी है।

नंदमुरी बालकृष्ण की मूवी में ये एक्ट्रेस निभाएंगी मेन लीड

साउथ निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के बाद अब रविन्द्र बॉबी के निर्देशन में बन रही फिल्म एनबीके 109 में भी काफी वायलेंस दर्शकों को देखने को मिलेगा। इंस्टेंट बॉलीवुड ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर जानकारी शेयर करते हुए बताया कि इस मूवी में उर्वशी रौतेला एनबीके 109 में नंदमुरी बालाकृष्णन के अपोजिट मुख्य किरदार निभाएंगी।

रिपोर्ट्स की माने तो फिल्म का बजट 300 करोड़ के आसपास का है। फिल्म में दुलकर सलमान, नंदमुरी बालकृष्ण- बॉबी देओल (**Bobby Deol**)और उर्वशी रौतेला को जल्द ही एक्टर गौतम वासुदेव मेनन ज्वाइन करते हुए नजर आएंगे।

कुछ हफ्ते पहले मेकर्स ने शेयर किया था पोस्टर

आपको बता दें कि कुछ हफ्ते पहले ही फिल्म **NBK** 109 का पहला पोस्टर रिलीज किया गया था। फर्स्ट पोस्टर में एक बॉक्स बना हुआ था, जिसमें खूब सारे वेपन्स और कुल्हाड़ी रखी हुई थी। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, ब्लड बाथ का ब्रांड नेम, वॉयलेंस का विजिटिंग कार्ड।नंदमुरी बालकृष्ण की ये मूवी भरपूर एक्शन और वायलेंस से भरपूर होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक मूवी में बॉबी देओल और नंदमुरी के बीच में जोरदार एक्शन दर्शकों को देखने को मिलेगा।